जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 300 प्रभात चूरू, बुधवार 26 फरवरी, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'अगला महाकुंभ यमुना व गंगा की रेतीली बालू पर होगा?'

लद्दाख के क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने चेतावनी दी

- वांगचुक के अनुसार, जिस तीव्रता से ''ग्लेशियर'' (हिम गंगा) पिघल रहे हैं, हमारी दोनों पवित्र नदियाँ, गंगा व यमुना सूख जायेंगी, क्योंकि हिमालय से निकले इन ग्लेशियर से ही दोनों नदियों का उद्गम होता है।
- वांगचुक ने प्र.मंत्री को लिखे खुले पत्र में यह भी लिखा है कि, हिमालय पर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बर्फ (आइस व स्नो) का भण्डार है, आर्कटिक व अटार्कटिक के बाद। अतः भारत को विशेष ध्यान देना चाहिये, ग्लेशियर के लुप्त होने की आशंका पर।
- वांगचुक ने हाल ही में यू.एन.ओ. के न्यूयॉर्क स्थित मुख्यालय को ग्लेशियर की तीव्र गति से पिघलने की स्थिति पर संबोधित किया था तथा उनके भाषण के दौरान लद्दाख के खार्दुंग ला क्षेत्र से लाया गया ग्लेशियर की बर्फ का टुकड़ा भी स्टेज पर रखा गया था। यह जताने के लिये कि कैसे भाषण के दौरान भी ग्लेशियर की बर्फ का पिघलना उसी तीव्र गति से जारी है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। अमेरिका के टूर से लौटे क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने चेतावनी दी है कि अगर पिघलते ग्लेशियर को रोकने के लिए कदम नहीं उठाए गए तो अगला कुंभ रेत पर होगा, क्योंकि नदियाँ सूख चुकी होंगी। सोनम अमेरिका यात्रा के दौरान वांगचुक अपने साथ लद्दाख के एक ग्लेशियर के बर्फ का टुकड़ा ले गए थे।

प्रधानमंत्री को लिखे खुले पत्र में लद्दाख के इस क्लाइमेट एक्टिविस्ट ने आग्रह किया है कि इस मसले पर भारत को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

वांगचुक ने दिल्ली में एक प्रैस कॉन्फ्रैंस कर लोगों का ध्यान स्थिति की गंभीरता की ओर खींचने की कोशिश की और कहा, अगर ग्लेशियर्स का संरक्षण नहीं किया तो हमारी वार्षिक नदियाँ सूख जाएंगी और 144 साल बाद अगला कुंभ रेत पर आयोजित होगा।

डॉनल्ड ट्रम्प ने इंटरनैशनल अकॉर्ड ऑन क्लाइमेट चेन्ज से अमेरिका को हटा लिया है। ऐसे में उम्मीद है कि मोदी अग्रणी भूमिका निभाएंगें और पिघलते ग्लेशियर्स के खतरे पर विश्व जनमत निर्माण करेंगे।

वांगचुक, जोकि हिमालय के ग्लेशियर्स के संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं, हाल ही में लद्दाख से दिल्ली आए और फिर वहाँ से अमेरिका गए। वे अपने साथ खार्दुंग ला के ग्लेशियर की बर्फ का टुकड़ा भी ले गए। यह टुकड़ा एक कंटेनर में पश्मीना ऊन में लपेट कर रखा गया था।

यह बर्फ पहले दिल्ली के यू.एन. कार्यालय ले जायी जा रही है। इसके बाद वांगचुक बर्फ के साथ बॉस्टन के एन.आई.टी. में हॉवर्ड कैनेडी स्कूल गए और न्यूयॉर्क के यू.एन. मुख्यालय गए। 21 फरवरी को यह बर्फ हडसन नदी और ईस्ट रिवर में प्रवाहित कर दी गयी। इसके ठीक एक माह बाद 21 मार्च को विश्व ग्लेशियर दिवस मनाया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित किया है।

वांगचुक जब ग्लेशियर पर बोल रहे थे तब उनके पास रखी ग्लेशियर की बर्फ पिघल रही थी, जो संकेत था कि वार्ताएं चल रही हैं और ग्लेशियर पिघल रहे हैं।

भारत में वांगचुक ने बताया कि खार्दुंग ला के ग्लेशियर से बर्फ को लेने के लिए कुछ किलोमीटर चलना पड़ा। खार्दुंग ला लेह, इससे 5.359 मीटर ऊंचाई पर है और विश्व का सबसे ऊंचा दर्रा है, जहाँ से मोटर गुज़र सकती है।

वांगचुक ने कहा, वर्ष दर वर्ष ग्लेशियर में बर्फ कम हो रही है, पर एक्शन नहीं हो रहा है।

वांगचुक ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि ग्लेशियर्स संरक्षण वर्ष में प्रधानमंत्री को ग्लेशियर संरक्षण के लिए अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आर्कटिक व अटार्कटिक के बाद सबसे ज्यादा बर्फ हिमालय में है तथा इसकी वजह से उसे ''तीसरा ध्रुव'' भी कहा जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने एनएचएआई से अतिक्रमण हटाने की तथ्यात्मक रिपोर्ट माँगी

- हाई कोर्ट ने कहा, रिपोर्ट 18 मार्च तक पेश कर दी जाए। एनएचएआई ने जयपुर, अजमेर हाईवे से 338 में से 105 अतिक्रमण हटाने की जानकारी दी।

जयपुर, 25 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर-अजमेर हाईवे पर फ्लाईओवर निर्माण और ट्रैफिक जाम को लेकर दिए गए निर्देशों की मॉनिटरिंग करने की मंशा जताई है। वहीं, एनएचएआई की ओर से अदालत को मौके से एक तिहाई अतिक्रमण हटाने की जानकारी दी। इस पर अदालत ने एनएचएआई को 18 मार्च को अतिक्रमण हटाने की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश रायचंद चौधरी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, एनएचएआई की ओर से अधिवक्ता संदीप पाठक ने अदालत को बताया कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर बगरू तक कुल 338 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। इनमें से 105 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं। एनएचएआई की ओर से अतिक्रमण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्टालिन ने एक और राजनीतिक बम फोड़ा!

स्टालिन के अनुसार, ''डीलिमिटेशन'' की साजिश से उत्तर भारत, दक्षिण की सीटें कम करना चाहता है संसद में

- जैसा कि विदित ही है, जनसंख्या के आधार पर यह निर्णय लिया जाता है कि किस राज्य में कितनी संसदीय सीटें होंगी। अतः स्टालिन के अनुसार, 2026 की जनगणना के बाद, जब हर राज्य की संसदीय सीटों की संख्या निर्धारित होगी, तमिलनाडु की आठ लोकसभा सीटें कम हो जायेंगी तथा उत्तर भारत के प्रदेशों, मुख्यतया बिहार व यू.पी. की, लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ेगी।
- यह स्थिति, दक्षिण भारत के पाँच राज्यों की होगी। अतः स्टालिन ने 5 मार्च को दक्षिण भारत के पाँचों राज्यों के नेताओं की बैठक बुलाई है।
- स्टालिन का नारा है, क्योंकि दक्षिण भारत के राज्यों ने सख्ती से परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू किये, उसकी जनसंख्या में बढ़ोतरी कम हुई है। दक्षिण भारत के इन राज्यों की इस बात का पारितोषिक मिलना चाहिए या दण्ड।
- स्टालिन का मानना है कि हिन्दी थोपने के आरोप के बाद, संसदीय सीटों की संख्या घटना, दक्षिण भारत में भावनाएं उभारने वाला दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा बनेगा।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री तथा द्रमुक के मुखिया एम.के. स्टालिन परिसीमन (डीलिमिटेडशन), जिसके कारण राज्य की संसदीय सीटें कम हो जायेंगी, के खतरे को एक बड़े राजनैतिक मुद्दे का रुप दे रहे हैं तथा उन्होंने इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुये, 5 मार्च को सर्वदलीय मीटिंग बुलाई है, ताकि इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की जा सके।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सर्वदलीय मीटिंग बुलाने की घोषणा के बाद चेन्नई में कहा कि लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन का मुद्दा दक्षिणी राज्यों के ऊपर तलवार की तरह लटका हुआ है।

2026 में जनगणना का काम पूरा हो जाने के बाद परिसीमन कवायद हाथ में ली जायेगी तथा लोकसभा क्षेत्रों का सीमा-निर्धारण नये सिरे से किया जा सके।

पक्की बात है कि परिसीमन का मुद्दा राज्य में एक-एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनने जा रहा है तथा राज्य ने इसके पीछे की पूरी कहानी गढ ली है। तमिलनाडु का कहना है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार यह काम इसलिए करना चाहती है ताकि जनसंख्या के मोर्चे पर अच्छा परिणाम देने वाले राज्यों, जिनमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार सदन नहीं चलाना चाहती -पायलट

विधानसभा के पश्चिमी द्वार पर धरना दे रहे कांग्रेस विधायकों को पायलट ने संबोधित किया

- पायलट ने यह भी कहा कि हमारे तीन -तीन नेताओं ने घटना पर खेद प्रकट कर दिया पर जब उनके मंत्री के खेद प्रकट करने की बारी आई तो उन्होंने खेद प्रकट नहीं किया।
- मंगलवार को जब निलम्बित कांग्रेस विधायक विधानसभा पहुंचे तो उन्हें विधानसभा के गेट पर ही रोक दिया गया इस पर कांग्रेस के विधायक पश्चिमी द्वार पर धरने पर बैठ गए।
- धरने में सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व मु.मंत्री अशोक गहलोत मौजूद थे।

जयपुर, 25 फरवरी। विधानसभा में चल रहा गतिरोध मंगलवार को भी बना रहा। विधानसभा के पश्चिमी द्वार पर कांग्रेस विधायकों ने जमकर विरोध प्रदर्शन और धरना दिया। धरना स्थल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि सरकार खुद ही सदन चलाना नहीं चाहती है। गोविंद सिंह डोटासरा सहित हमारे तीन -तीन नेताओं ने पूरी घटना पर खेद प्रकट कर दिया था, लेकिन जब मंत्री के खेद प्रकट करने की बारी आई तो उन्होंने खेद प्रकट नहीं किया। हमारी मांग इतनी ही थी कि यह बात कार्यवाही से निकाली जाए और मंत्री माफी मांगें। पायलट ने कहा, किसने क्या कहा और क्या किया, यह मुद्दा नहीं है।

धरना स्थल पर सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मु.मंत्री अशोक गहलोत सहित सभी विधायक मौजूद थे।

इस धरने के दौरान, कांग्रेस नेताओं ने स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की चेतावनी दे डाली। इससे पहले मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस के तमाम विधायक विधानसभा पहुंचे, लेकिन निलंबित विधायकों को अंदर जाने की अनुमति नहीं होने के चलते कोई भी कांग्रेस का विधायक विधानसभा में नहीं गया। ऐसे में विधानसभा के पश्चिमी द्वार के बाहर सभी विधायक धरने पर बैठ गए। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं

- मुख्यमंत्री ने कहा, यह पर्व हमें लोक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होने की प्रेरणा देता है।

जयपुर, 25 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पर्व हमें लोक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव परम तपस्वी एवं ज्ञान, वैराग्य, भक्ति तथा योग साधना के शीर्षदेव हैं। उनकी आराधना से धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष की सहज प्राप्ति होती है। शर्मा ने कहा कि शिव हमें विपरीत परिस्थितियों में भी अविचल रहने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री ने इस पावन अवसर पर प्रदेशवासियों का आ ान किया कि हम अपने भीतर सत्य व ज्ञान को आत्मसात कर प्राणीमात्र के कल्याण का संकल्प लें।

कांग्रेस ला सकती है विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

डोटासरा ने सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की चेतावनी भी दी

- डोटासरा ने कहा कि स्पीकर ने सदन की प्रक्रिया के दौरान विधानसभा में सदन के बाहर तक आने की अनुमति दी थी, पर, सुरक्षाकर्मी विधानसभा के गेट पर ही हमारे विधायकों को रोक रहे हैं, यह विधायकों के विशेषाधिकार का हनन है।
- डोटासरा ने कहा, बात सिर्फ इतनी सी है कि सरकार के मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर जो टिप्पणी की, उसे कार्यवाही से हटाया जाए, मंत्री खेद प्रकट करें और कांग्रेसी विधायकों का निलम्बन रद्द हो।

जयपुर, 25 फरवरी। राजस्थान विधानसभा में 5 दिन से चल रहा गतिरोध और तेज होता दिख रहा है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्पीकर वासुदेव देवनानी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने और सुरक्षा कर्मियों व पुलिस के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की चेतावनी दी है। कांग्रेस विधायकों के धरने में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार पर सदन नहीं चलने देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पहले फोन टैपिंग के आरोपों से घिरी सरकार ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर नेता प्रतिपक्ष का भाषण नहीं होने दिया। आज भी कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से आरोपी की तरह बर्ताव किया जा रहा है, जबकि डोटासरा सहित अन्य नेताओं ने पूरे घटनाक्रम पर खेद प्रकट कर दिया। इसके बाद भी मंत्री ने माफी नहीं मांगी। यह दर्शाता है कि सरकार सदन चलाने की इच्छुक नहीं है।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि स्पीकर ने निलंबित विधायकों को विधानसभा में सदन से बाहर तक आने की अनुमति सदन की प्रक्रिया के दौरान दी थी, लेकिन अब उन्हें विधानसभा के गेट पर ही रोका जा रहा है। यह विधायकों के विशेषाधिकार का हनन है। अगर स्पीकर के इशारे पर यह सब हो रहा है तो हम उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर चर्चा करेंगे। सुरक्षाकर्मियों और अन्य अधिकारियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने पर भी विचार किया जा रहा है।

डोटासरा ने कहा कि विपक्ष सदन चलाना चाहता है, लेकिन सत्ता पक्ष हठधर्मिता अपनाते हुए जिस तरह का माहौल खराब कर रहा है, वो ठीक बात नहीं। डोटासरा ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जो कहा, वो सरासर गलत है। विधानसभा अध्यक्ष से हमारी किसी भी तरह की व्यक्तिगत माफी मांगने की बात नहीं हुई। सत्ता पक्ष खुद ही अंतर्कलह में उलझा हुआ है। आपसी गुटबाजी के बीच ये खुद नहीं चाहते कि सदन की कार्यवाही चले। सदन में गतिरोध सत्ता पक्ष की आपसी गुटबाजी की वजह से है और जिम्मेदारी हम पर थोप रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि वे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं, कांग्रेस के सिपाही हैं, कोई गाजर मूली नहीं, जो कोई भी आकर काट देगा। सत्ता पक्ष अपनी नूरा कुश्ती में प्रदेश की जनता का नुकसान कर रहा है। बात सिर्फ इतनी सी है कि सरकार के मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर जो अमर्यादित शब्द का इस्तेमाल किया, उसे सदन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लैंड फॉर जॉब स्कैम में लालू यादव अदालत में तलब

- दिल्ली की एक अदालत ने लालू सहित सभी आरोपियों को तलब किया है। इसमें लालू के दोनों बेटे तेजस्वी, तेज प्रताप और बेटी हेमा यादव भी शामिल हैं।

नई दिल्ली, 25 फरवरी। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को पूर्व केन्द्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद को जमीन के बदले नौकरी घोटाले मामले में तलब किया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने लालू प्रसाद के बेटे और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव और बेटी हेमा यादव को भी तलब किया है।

न्यायाधीश ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी नए समन जारी किए हैं। आरोपियों को 11 मार्च को अदालत में पेश होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मस्क की केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को भेजी गई ई-मेल से ''अराजकता'' का माहौल बना

ई-मेल के अनुसार, सभी फैडरल गवरमैंट कर्मचारियों को पाँच ''बुलेट पॉइन्ट्स'' लिख कर भेजने हैं, जिसमें साफ लिखना होगा कि, गत एक सप्ताह में क्या-क्या किया है

- ई-मेल में यह धमकी भी है कि अगर किसी कर्मचारी ने जवाब नहीं भेजे तो उसकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है।
- अमेरिका की ट्रेड यूनियन्स व लेबर यूनियन इस मुद्दे पर लामबंद हो रही हैं कि वे अपने पदों से इस्तीफा नहीं देंगे।
- ई-मेल में यह स्पष्ट नहीं है कि अगर पद से इस्तीफा देने के मुद्दे पर सरकार व कर्मचारियों में टकराहट की स्थिति बनी तो इसका निराकरण क्या व कैसे होगा।
- हालांकि, ट्रंप ने मस्क की ई-मेल का पूर्ण समर्थन किया है। पर, अधिकतर ट्रंप सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों ने, जैसे एफ.बी.आई., पैंटागन, नासा, विदेश मंत्रालय आदि ने अपने कर्मचारियों को सलाह दी है कि इस ई-मेल को ''इगनोर'' करें, अगर जरूरत पड़ी तो ये विभाग ही अपनी ओर से सरकार को जवाब देंगे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका बिखर रहा है और इसमें डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल का योगदान है।

यू.एस. फैडरल गवरमैंट के कर्मचारियों को एलन मस्क द्वारा भेजे गए एक ई-मेल ने देश भर में उथल-पुथल मचा दी है। मस्क के ई-मेल में सरकारी कर्मचारियों से कहा गया है कि पांच बुलैट पॉइन्ट्स में वो यह बताएं कि पिछले एक सप्ताह में उन्होंने क्या किया है। ई-मेल में सोमवार तक जवाब देने की समय सीमा निर्धारित की गई, और कहा गया कि ऐसा नहीं करने पर उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है।

यह मेल यू.एस. फैडरल गवरमैंट के पर्सनल मैनेजमेंट ऑफिस के माध्यम से मस्क के नाम पर भेजी गई है। ट्रम्प ने तुरंत मस्क की मेल की सराहना की और उसका समर्थन किया। हालांकि, स्वयं ट्रम्प के कुछ विभागों ने इसे नज़रअंदाज कर दिया।

सरकारी विभागों के कर्मचारियों ने ई-मेल और तत्काल नौकरी से हटाने की इसकी धमकी परे तिरस्कार व उपेक्षा पूर्ण प्रतिक्रिया दी।

अमेरिकी संघीय सरकार के अधिकांश महत्वपूर्ण विभागों ने इस मेल का पालन करने से स्पष्ट रुप से इन्कार कर दिया है और अपने कर्मचारियों से यह भी कहा है कि वे जवाब न दें। कुछ विभागों ने यह संकेत दिया कि उनके जवाब आंतरिक रूप से संबंधित विभागों को भेजे जा सकते हैं। ये मस्क की मेल को चुनौती दे रहे हैं।

प्रमुख ट्रेड यूनियन और श्रमिक संगठन अपने आप को संगठित कर रहे हैं। मेल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और श्रमिक कह रहे हैं ''हम इस्तीफा नहीं देंगे''। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यदि कोई टकराव हुआ तो ईमेल आदेश की कानूनी वैधता क्या होगी।

हालांकि, डॉनल्ड ट्रम्प ने यह संकेत दिया था कि जो लोग पांच बुलेट प्वाइंट्स के साथ ई-मेल का जवाब नहीं देंगे, उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। इससे अमेरिका सरकारी विभागों में ''उथल-पुथल'' की स्थिति उत्पन्न हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

परकोटे में बने 19 अवैध भवन तत्काल सील किए जाएं

- राजस्थान हाई कोर्ट ने आवासीय इलाकों में व्यवसायिक गतिविधियों के मामले पर सख्त रुख दर्शाया तथा 11 मार्च को पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा।

जयपुर, 25 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने परकोटे के आवासीय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों के मामले में सख्ती बरतते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह पूरी तरह से अवैध चिन्हित किए 19 भवनों को तत्काल सील करे। अदालत ने इसकी पालना रिपोर्ट 11 मार्च 2025 को पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश हल्दियों के रास्ते के आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सच्चा गुरु अनुभव है। –स्वामी विवेकानंद

केजरीवाल का पतन: नई राजनीति के सपने का टूटना

हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि आम आदमी पार्टी (आप) के सुप्रीमो अरविन्द केजरीवल राजनीतिक रूप से समाप्त हो गये हैं। दिल्ली विधान सभा चुनावों में केजरीवाल ने एक दशक पहले अपना इक़बाल बुलंद करते हुए कुटिल राजनेताओं द्वारा बिगाड़ दी गई राजनीति से त्रस्त देश के लोगों में लोकहितकारी राजनीति का सपना जगाया था। और अब वहीं के चुनावों में वे बेआबरू होकर निकले हैं। अपनी पार्टी को बहुमत दिला पाने में तो वे असफल रहे ही, खुद भी चुनाव हार गये। अन्ना हजारे के नेतृत्व में 2011 में चले जन लोकपाल आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए केजरीवाल ने 2012 में जिस 'आम आदमी पार्टी' की नींव रखी थी उससे जयप्रकाश नारायण के आंदोलन के बाद पहली बार देश में लोगों को ठहरी और घुटी हुई राजनीति में नई बसंती बयार महसूस हुई थी और केजरीवाल नायक के रूप में स्थापित हुए थे। हर तरफ, खास कर पढे-लिखे मध्यम वर्ग को, लगा कि राजनीति में अच्छे लोगों को नया लोकतान्त्रिक मंच उपलब्ध हुआ है, जहां सेवाभावी लोग आ कर आवाम की तकदीर बदल सकते हैं। आजादी के बाद भारत में 'आम आदमी पार्टी' के अलावा एन. टी. रामाराव की 'तेलुगू देशम' पार्टी और प्रफुल्ल कुमार महंता की 'असम गण परिषद' के ऐसी दो पार्टियों के उदाहरण हैं, जो पहले प्रयास में ही सत्ता में आने में कामयाब रही। तेलुगू देशम पार्टी और असम गण परिषद एक राज्य तक सीमित रहीं जबकि आम आदमी पार्टी दिल्ली से बाहर पंजाब में भी सरकार बनाने में कामयाब रही। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी कुछ साल पहले राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने में भी कामयाब रही। हालांकि उसने अन्य राज्यों में भी चुनाव लड़े मगर और कहीं उसकी बात बनी नहीं। 'आप' से लोगों में एक नई राजनीतिक संस्कृति की आशा जगी की और उन्होंने उसे अपना समर्थन देकर ताकत दी। मगर समय गुजरने के साथ बाद के घटनाक्रमों से ऐसा लगने लगा कि यह पार्टी केवल एक नया ब्रांड बन कर रह गई है जिसका चेहरा सिर्फ केजरीवाल हैं। राजस्व सेवा की अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा छोड़ कर सभ्य समाज के आंदोलनों से होते हुए राजनीति में आए केजरीवाल के अपने इतने आग्रह रहे कि वे अपने उन नजदीकी लोगों से भी अलग हो गये जो शुरुआती दौर में उत्साह के साथ जी-जान से लगे थे। जब केजरीवाल ने वैगन आर कार में हाफ शर्ट पहने और मफलर लपेटे मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पारी शुरू की थी, तो वे आम लोगों से जुड़ रहे थे, तब अनेकों को लगा कि वे एक नई राजनीतिक संस्कृति बना रहे हैं। भारत के लोगों की तरह, विदेशों में भी 'आप' एक आश्चर्यजनक घटना थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ किसी नागरिक समाज के आंदोलन का एक राजनीतिक पार्टी में परिवर्तित हो जाना सचमुच एक अनोखी घटना थी। दुनिया भर के अकादमिकों के लिए यह घटना अध्ययन का विषय बनी। सब यह जानना चाहते थे कि ब्यूरोक्रेसी से आया एक एनजीओ पृष्ठभूमि वाला नौसिखिया नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री कैसे बन गया?

अरविन्द केजरीवाल तथा उनके सहयोगी मनीष सिसोदिया दोनों ही नागरिक समाज/एनजीओ पृष्ठभूमि से आये थे। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), सार्वजनिक कार्यों, सामाजिक कल्याण योजनाओं, आयकर और बिजली से संबंधित नागरिकों की शिकायतों को लेकर दिसंबर 1999 में, केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य लोगों ने दिल्ली में 'परिवर्तन' नामक एक आंदोलन चलाया। यह एक पंजीकृत एनजीओ नहीं था तथा वह व्यक्तिगत चंदे पर चल रहा था। इसके सदस्यों व कर्णधारों ने इसे जन आंदोलन के रूप में सफलता से प्रस्तुत किया। बाद में, 2005 में, केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने 'कबीर' नाम से एक पंजीकृत एनजीओ की शुरुआत की। 'परिवर्तन' की तरह, 'कबीर' भी सूचना के अधिकार (आरटीआई) और सहभागी शासन की स्थापना पर केंद्रित था। हालांकि, 'परिवर्तन' से इतर 'कबीर' एनजीओ के लिए उन्होंने संस्थागत दान स्वीकार किया। 'कबीर' एनजीओ का प्रबंधन मुख्य रूप से सिसोदिया के हाथ में था। शायद यहीं से आप का आंदोलन भटकने लगा और केजरीवाल की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं बढ़ने लगी। हालांकि 2006 में, केजरीवाल को सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान में आरटीआई कानून का उपयोग करके 'परिवर्तन' आंदोलन में उनकी भागीदारी के लिए विश्व प्रसिद्ध 'रेमन मैग्सेसे' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने पुरस्कार राशि अपने द्वारा स्थापित 'पब्लिक कॉज रिसर्च फाउंडेशन' कोबीज धन के रूप में दान कर दी।मगर बाद के घटनाक्रमों से यही साबित हुआ कि केजरीवाल कितने चतुर और तेज हैं। उन्होंने अपनी मेधा से आईआईटी करने के बाद टाटा की कंपनी में इंजीनियर की नौकरी की, उसे छोड़ कर भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा देकर केन्द्रीय राजस्व सेवा के अधिकारी बने। फिर ऊंची सरकारी नौकरी छोड़ कर लोक सेवा के लिए नागरिक समाज के जन आंदोलनों से जुड़ गये और चमत्कार जैसा दिखाते हुए नई राजनैतिक पार्टी बना कर दिल्ली की विधान सभा पर कब्जा कर लिया। अरविन्द केजरीवाल के जीवन पर निगाह डालें तो हमें उनका एक महत्वाकांक्षी व्यक्तित्व नज़र आता है। अपने पर लगे भ्रष्टाचार के मुकदमों की कानूनी लड़ाई में आप के शीर्ष नेताओं को लंबे समय तक फंसे रहना पड़ेगा। इससे आम आदमी पार्टी के भविष्य पर भी सवालिया निशान लगता है।

महात्मा गांधी ने दुनिया में पहली बार राजनीति को पवित्र बनाने की कोशिश की। मगर एक धर्मांध हत्यारे ने बापू को गोली मार कर उनकी इहलीला को ही समाप्त नहीं किया अपितु स्वच्छ राजनीति की संभावना को ही खत्म कर दिया। लोगों को और राजनैतिक समीक्षकों को लगा था कि केजरीवाल 'आप' के प्रयोग के जरिए शायद राजनीति में आई गिरावट से बाहर आने की कोई राह निकलेगी। मगर यह उम्मीद तब तिरोहित हो गई जब केजरी वाल को राज में आने के बाद नये रूप में और आरोपों के घेरे में पाया।

हम आम आदमी पार्टी या अरविंद केजरीवाल के बाद के रूप को उनके पिछले आंदोलन के आईने में देखेंगे तो लगेगा कि ये वो राजनीति तो नहीं है, जिसका उन्होंने वादा किया था। कह सकते हैं कि आंदोलन करना और सरकार चलाना दोनों दो अलग बातें हैं। आंदोलन में किसी से प्रतियोगिता नहीं होती है। किन्तु चुनावी राजनीति के मैदान में प्रतिद्वंद्वी होते हैं। सरकार में आंदोलन वाला व्यवहार नहीं चलता। वहां संवैधानिक सीमाएं होती हैं और प्रशासनिक चुनौतियां होती हैं। ऐसे में आंदोलन करते हुए राजनीति में आए नेताओं को अपने बहुत सारे आदर्श परे रखने पढ़ते हैं क्योंकि लोकतान्त्रिक शासन में संघर्ष के आदर्श अनुपयोगी हो जाते हैं। इसीलिए यह सवाल बार-बार पूछा जाता रहा है कि आम आदमी पार्टी का मोरल फाउंडेशन क्या है? या उसकी विरासत क्या है? जैसे कांग्रेस की राजनीतिक विरासत स्वतंत्रता संग्राम है। गांधी और वल्लभभाई पटेल भी कांग्रेस की विरासत हैं। बीजेपी की राजनीतिक विरासत राम जन्मभूमि आंदोलन है और एंटी इमर्जेंसी आंदोलन है। आम आदमी पार्टी की चार बड़ी राजनीतिक विरासतें मानी जा सकती हैं। अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन, अरविंद केजरीवाल की एक्टिविस्ट वाली छवि, कांग्रेस और बीजेपी को एक साथ चुनौती देना, और सुशासन के मुद्दे को भारतीय राजनीति में फिर से केंद्र में लाना। सत्ता में आकर 'आप' ये सारी विरासतें न दिल्ली में आगे बढ़ा पाई और न पड़ोसी पंजाब में। जनता की निगाह में 'आप' की छवि हमेशा प्रतिरोध की रही। प्रतिरोध की विरासत को लेकर चलते हुए गवर्नेंस की विरासत बनाना संभवत: 'आप' के लिए सबसे बड़ी बाधा बनी रही है। बहुतों को लगता है कि 'आप' सुशासन की विरासत को आगे नहीं बढ़ा पाई इसलिए उसकी मुश्किलें बढ़ी। 'आप' ने राष्ट्रीय पार्टी बनने के फेर में दिल्ली से निकल कर दूसरे प्रदेशों में जाने की बहुत जल्दबाज़ी दिखाई। हालांकि एक अलग तरह की पार्टी होने की पहचान को राष्ट्रव्यापी स्तर पर भुनाने का लालच छोड़ना केजरीवाल के लिए नामुमकिन था। परंतु लोकतान्त्रिक चुनावी राजनीति के लिए कैडर महत्वपूर्ण होता है। केजरीवाल ने आंदोलनों में जुटने वाली भीड़ में से अपनी पार्टी के लिए कैडर जुटा लेने का दांव खेला जो अंतत: असफल हुआ दिखता है। कैडर पार्टी की विचारधारा से बनता है। 'आप' अपनी कोई विचारधारा नहीं बना पाई। वास्तव में उसके ऐसा कोई प्रयत्न ही नहीं किया। 'आप' किस विचारधारा की राजनीतिक करती है, इस सवाल का जवाब पार्टी ने अपनी वेबसाइट पर ही दिया हुआ है। पार्टी की वेबसाइट पर कहा गया है कि यह पार्टी विचारधारा केंद्रित नहीं बल्कि समाधान मुहैया कराने पर ज़ोर देती है। पार्टी शुरू से ही यह कहती रही कि वह राजनीति का ढर्रा बदलेगी। इसे ही केजरीवाल ने अपनी राजनीति का मॉडल बनाया। मगर बाद के समय में 'आप' भारतीय राजनीति के पुराने ढर्रे में समा गई और लोगों को लगने लगा कि आम आदमी पार्टी जो कहकर आई थी वैसा करने में कामयाब नहीं रही। केजरीवाल की 56 साल की ज़िंदगी में नाकामियां बहुत कम रही हैं। उनको सबसे बड़ी नाकामी इस बार के दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली जहां वे अपनी खुद की विधानसभा सीट भी नहीं बचा पाए। इस हार के बाद अरविंद केजरीवाल के लिए आगे की राह पर सवालिया निशान जरूर लगगया है। लेकिन केजरीवाल का पतन उस सपने का भी टूट जाना है जो देश की राजनीति को बदलने था। महात्मा गांधी ने दुनिया में पहली बार राजनीति को पवित्र बनाने की कोशिश की। मगर एक धर्मांध हत्यारे ने बापू को गोली मार कर उनकी इहलीला को ही समाप्त नहीं किया अपितु स्वच्छ राजनीति की संभावना को ही खत्म कर दिया। लोगों को और राजनैतिक समीक्षकों को लगा था कि केजरीवाल 'आप' के प्रयोग के जरिए शायद राजनीति में आई गिरावट से बाहर आने की कोई राह निकलेगी। मगर यह उम्मीद तब तिरोहित हो गई जब केजरी वाल को राज में आने के बाद नये रूप में और आरोपों के घेरे में पाया। केजरीवाल, सिसोदिया और 'आप' की हार के साथ दिल्ली का स्वच्छ राजनीति का प्रयोग समाप्त हो गया है। जिन्होंने केजरीवाल तथा उनकी 'आप' पार्टी में जनहित वाली राजनीति का सपना देखा था उन्हें इस तरह के प्रयोग के फिर से होने का कितना इंतजार करना होगा कोई नहीं बता सकता।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

आदि काल से लाइफ मैनेजमेंट के सर्वश्रेष्ठ गुरु भोलेनाथ से जुड़े रोचक रहस्य

डॉ. जे.के. गर्ग

आदि काल से लाइफ मैनेजमेंट के सर्वश्रेष्ठ गुरु भोलेनाथ से जुड़े रोचक रहस्यडा.जे.के. गर्ग

हम सभी आत्म चिंतन करें जब शिवजी के परिवार में विरोधी स्वभाव के प्राणी भी प्रेमपूर्वक साथ-साथ प्रेमपूर्वक रहते हैं तो क्यों नहीं हम हमारे समाज एवं देश में बिना किसी भेदभाव के गिरे हुओं को, पिछड़े हुओं को, विभिन्न धर्मों के अनुयायियों को साथ लेकर चल सकते हैं? यह भी सत्य कि कुछ धर्मांध स्वार्थी पथभ्रष्ट तथाकथित धार्मिक मनुष्य मौका मिलने पर अपने निज स्वार्थ के खातिर समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट करने के अंदर शामिल हो जाते है । शिव रात्री के पावन पर्व हम सभी सनातन धर्मी भारत वाशी संकल्प ले कि हम समाज के विभिन्न धर्मालंबी लोगों के साथ मिलजुल कर रहेंगे एक दुसरे का सम्मान करके प्रेम पूर्ण समंध बनायेगें। आदि काल के सर्व श्रेष्ट मेनेजमेंट गुरु भोलेनाथ अपने परिवार के अंदर निवास करने वाले विपरीत स्वभाव वाले प्राणी बिच्छू, बैल और सिंह, मयूर एवं सर्प और चूहा जैसे घोर विरोधी स्वभाव के प्राणियों के साथ प्रेमपूर्वक रहते हैं तो हम विभिन्न धर्मों के अनुयायियों हिदू मुसलमान सिख ईसाई फ़ारसी जैन देश वासियों को साथ लेकर क्यों नहीं जीवन व्यापन कर सकते हैं?

सनातन धर्मी फाल्गुन के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी यानी 26 फरवरी 2025 को शिवरात्रि धूमधाम से मनाएंगे । फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को ही शिवरात्रि क्यों मनाई जाती है? जनसाधारण के मन में सवाल उत्पन्न होता है कि क्यों फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है? धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक ऐसा माना जाता है कि सृष्टि की रचना इसी दिन हुई थी। मध्य रात्रि में भगवान शंकर का ब्रह्मा से रुद्र के रूप में अवतरण हुआ था। ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन चतुर्दशी की अद्धर्रात्रि में भगवान शंकर लिंग के रूप में अवतरित हुए। चतुर्दशी तिथि के महानिशीथ काल में महेश्वर के निराकार ब्रह्म स्वरूप प्रतीक शिवलिंग का अविभार्व होने से भी यह तिथि महाशिवरात्रि के नाम से जानी जाती है। इसी दिन, भगवान विष्णु व ब्रह्मा के समक्ष सबसे पहले शिव का अत्यंत प्रकाशवान स्वरूप प्रकट हुआ था। कहा जाता है कि शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और आदिशक्ति का विवाह हुआ था। मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान कालकेतु विष निकला था। भगवान शिव ने संपूर्ण ब्रह्मांड की रक्षा के लिए स्वयं ही सारा विष पी लिया था। इससे उनका गला नीला पड़ गया और तभी से शिवजी को नीलकंठ के नाम से जाना जाता है।

भोले नाथ को सांसारिक होते हुये भी श्मशान का निवासी बोला जाता है इसके पीछे भी लाइफ मैनेजमेंट का महत्वपूर्ण रहस्य छिपा है।

जानिये कैसे? सच्चाई तो यही है कि संसार मोह-माया का प्रतीक है वहीं दुसरी तरफ श्मशान वैराग्य का प्रतीक है। प्रभु शिव कहते हैं कि आदमी को संसार में रहते हुए अपने कर्तव्य पूरे करने चाहिए वहीं साथ-साथ मोह-माया से दूर भी रहना चाहिये। क्योंकि शरीर और संसार दोनों ही नाशवान है। एक न एक दिन यह सब कुछ नष्ट होने वाला है। इसलिए संसार में रहते हुए भी आदमी को किसी से मोह नहीं रखते हुए अपने कर्तव्य पूरे करने के साथ-साथ एक बैरागी की तरह जीना चाहिये।

शिवलिंग मंदिरों में बाहर क्यों होता है ?

निसंदेह भोले नाथ जन साधारण के देवता हैं, इसीलिए भोलेनाथ वहां रहते हैं जहाँ छोटे-बड़े, जवान-बुजुर्ग आसानी से पहुंच सके। इसी मान्यता के कारण शिवलिंग को मन्दिरों में बाहर ही स्थापित किया जाता है जिससे बच्चे बूढे जवान जो भी जाए शिवलिंग को छूकर, गले मिल कर या फिर भगवान् के पैरों में पडकर अपना दुखडा सुना कर हल्के हो सकते हैं। इसी वजह से शिवजी अकेले ही वो देव हैं जो गर्भ गृह में भक्तों को दूर से ही दर्शन देते हैं। आईये जाने भोलेनाथ शिवजी की पूजा-अर्चना में बेलपत्र और जल क्यों चढ़ाया जाता है ? निसंदेह बेलपत्र भगवान शिव को बेहद प्रिय है और इसलिए शिवलिंग पर बेलपत्र चढाए बिना शिव की पूजा को पूर्ण नहीं माना जाती है। बेलपत्र में तीन पत्तियां हैं जिसको लेकर कई तरह की धारणाएं विध्यमान हैं । बेलपत्र में तीन पत्तियां को त्रिदेव (सृजन, पालन और विनाश के देव ब्रह्मा, विष्णु और शिव) माना गया है तो कहीं सत्व, रज और तम गुण का परियाचक माना जाता है। ध्यान देने योग्य बात है कि कहीं बेलपत्र में तीन पतियों को तीन आदि ध्वनियां जिनकी सम्मिलित गूंज से ऊं बनता है का प्रतीक माना गया है। बेलपत्र की इन तीन पत्तियों को महादेव त्रिनेत्र और भोलेनाथ के हथियार त्रिशूल का भी प्रतीक माना जाता है। शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से एक पौराणिक कथा भी जुडी हुयी है। समुद्र मंथन के समय जब विष निकला तो भगवान महादेव ने पूरी सृष्टि को बचाने के लिए ही इस विष को पीकर अपने कंठ में धारण कर लिया जिसके के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और उनका पूरा शरीर अत्यधिक गर्म हो गया जिसकी वजह से आसपास का वातावरण भी जलने लग। जानने लायक बात है कि बेलपत्र विष के प्रभाव को कम करता है इसलिए सभी देवी देवताओं ने बेलपत्र शिवजी को खिलाना शुरू कर दिया था।

जानिये शिव को महादेव क्यों कहते हैं ?

मनुष्य को बड़ा या महान बनने के लिए त्याग, तपस्या, धीरज, उदारता और सहनशीलता की आवश्यकता होती है। विष को अपने भीतर ही सहेज कर आश्रितों के लिए अमृत देने वाले होने से एवं विरोधों, विषमताओं के मध्य संतुलन रखते हुए अपने विशालकाय परिवार को एक बना रखने की शक्ति रखने वाले शिव ही महादेव हैं।

भांग-धतूरे को भगवान शिवजी पर क्यों चढ़ाया जाता है ?

भोले नाथ को आक, धतूरा, भांग आदि शिव को चढ़ाने की जो परिपाटी है, उसके पीछे यही तथ्य छिपा है कि प्रत्येक वस्तु और व्यक्ति के अंदर अच्छे-बुरे दोनों पहलू होते हैं, इन नशीले और विषाक्त पदार्थों को शिव को अर्पित करने का अर्थ हुआ उनके दूवारा शिव-शुभ (औषधीय गुण) को स्वीकार करना किन्तु उनकी अशुभ-व्यसन प्रवर्ती का त्याग कर देना। लाइफ मैनेजमेंट के अनुसार, भगवान शिव को भांग धतूरा चढ़ाने का अर्थ है अपनी बुराइयों को भगवान को समर्पित करना।

शिवजी केवल मृगछाल ही क्यों धारण करते हैं ? निसंदेह समाज में वो ही व्यक्ति वंदनीय होता हैं जो अपरिठाही हो जिसके जीवन संसार में शांति स्थापित करने के लिए हो। महावीर स्वामी से हजारों साल पहिले भोलेनाथ ने अपरिग्रही बनने का सन्देश देते हुए खुद के शरीर पर मात्र मृगछाला धारण किया क्योंकि केवल मृगछाल धारण करना अपरिग्रह का ही प्रतीक है। अपरिग्रही वो होता है जो आवश्यकता से अधिक मात्रा में धन वस्तुओं का संग्रह नहीं करता है।

देवों के देव महादेव का वाहन नंदी बैल क्यों ? जहाँ बैल को खामोश एवं उत्तम चरित्र समर्पण भाव वाला बताया गया है, वहीं दुसरी तरफ बैल बल और शक्ति का भी प्रतीक है। बैल जब क्रोधित होता है तो सिंह से भी भिड लेता है। सुमेरियन, बेबीलोनिया, असीरि या और सिंधु घाटी की खुदाई में भी बैल की मूर्ति पाई गई संसार की लगभग सभी प्राचीन सभ्यताओं में बैल को महत्व दिया गया है । निसंदेह भारत में भी बैल खेती के लिए हल में जोते जाने वाला एक महत्वपूर्ण पशु रहा है। जिस तरह गायों में कामधेनु को श्रेष्ठ माना जाता है उसी प्रकार बैलों में नंदी श्रेष्ठ है। यही सभी कारण रहे हैं जिसके कारण भगवान शिव ने बैल को अपना वाहन बनाया। पौराणिक कथा अनुसार शिलाद ऋषि ने शिव की तपस्या के बाद नंदी को पुत्र रूप में पाया था। नंदी को उन्होंने वेद आदि समस्त ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य संत पधारे और नंदी ने पिता की आज्ञा से उनकी खुब सेवा की जब वे जाने लगे तो उन्होंने ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं। तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? तब संतों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने भांप कर पूछा क्या बात है तो पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में संत कह गए हैं इसीलिए चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं। इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं जिंदगी भर आपके ही सानिध्य में रहना चाहता हूं। **भगवान शिव की परिक्रमा आधी क्यों की जाती है?** धर्मस्थलों में गर्भग्रह में स्थापित मूर्ति और मजारों की परिक्रमा करने की परंपरा है। यह भी सर्वविदित तथ्य है कि परिक्रमा की दिशा घड़ी की सुई की तरह दक्षिणावृत होती है। लेकिन यह बेहद रोचक तथ्य है कि अकेले भगवान शिव अथवा शिव लिंग ही ऐसे हैं, जिनकी परिक्रमा पूरी नहीं की जाती। परिक्रमा जहां समाप्त होती है, वहीं से फिर घड़ी की सुई की विपरीत दिशा में लौटा जाता है। जहां तक भगवान शिव का प्रश्न है तो सब जानते हैं कि उनकी जटा से गंगा का प्रवाह होता है, जो कि अति विशाल है। यह मान कर कि उसे पार नहीं किया जा सकता, परिक्रमा वहीं रोक पर वापस लौट जाते हैं। इसे चंद्राकार परिक्रमा कहा जाता है। इसी प्रकार शिव लिंग पर भी चूंकि विभिन्न प्रकार के अभिषेक किए जाते हैं, जिनका निकास गोमुख से होता है, जिसे कि सोमसूत्र कहा जाता है, उसे उलांघना भी धार्मिक विधि के विपरीत माना जाता है। शास्त्रानुसार सोमसूत्र शक्ति-स्त्रोत है। उसे लांघते समय पैर फैलाने से वीर्य निर्मित और 5 अन्तस्थ वायु के प्रवाह पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इससे देवदत्त और धनंजय वायु के प्रवाह में रुकावट पैदा हो जाती है, जिससे शरीर और मन पर बुरा असर पड़ता है। जानकारी ये भी है कि तृण, काष्ठ, पत्ता, पत्थर, ईंट आदि से ढंके हुए सोमसूत्र का उल्लंघन करने से दोष नहीं लगता है।

ऐसी मान्यता है कि सनातन धर्म में परिक्रमा करने का चलन गणेश जी के मां पार्वती की परिक्रमा करने से शुरू हुआ। इससे जुड़ा प्रसंग ये है कि एक बार मां पार्वती ने अपने पुत्रों कार्तिकेय तथा गणेश को सांसारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए पृथ्वी का एक चक्कर लगा कर आने का आदेश दिया गया। कार्तिकेय अपनी सवारी मोर पर रवाना हुए, लेकिन गणेश अपने वाहन चूहे को देख विचार में पड़ गए कि वे इस प्रतियोगिता में कैसे प्रथम आएं? उन्होंने एक युक्ति निकाली और मां पार्वती के चक्कर लगाना आरंभ कर दिया। जब कार्तिकेय पृथ्वी का पूरा चक्कर लगा कर लौटे तो देखा कि गणेश वहां पहले से मौजूद हैं तो वे चकित रह गए। इस पर गणेश ने कहा कि मां पार्वती ही संसार हैं। ज्ञान प्राप्ति के लिए उनकी परिक्रमा ही पर्याप्त है, उसके लिए पृथ्वी की परिक्रमा की जरूरत नहीं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार केवल शिव जी की आधी परिक्रमा की जाती है, जबकि मां दुर्गा की एक, हनुमानजी व गणेशजी की तीन-तीन, भगवान विष्णु की चार, पीपल के वृक्ष की एक सौ आठ परिक्रमा का विधान है। वैसे सामान्यत: तीन परिक्रमा का चलन है। अब आते हैं इस तथ्य पर कि परिक्रमा आखिर क्यों की जाती है? ऐसी मान्यता है कि पवित्र स्थान, मूर्ति, वृक्ष, पौधा आदि की परिक्रमा से उनके इर्द-गिर्द मौजूद आभा मंडल से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। हमारी संस्कृति में मंदिर, नदि, पर्वत, तीर्थ, वृक्ष आदि की परिक्रमा का चलन है। दिलचस्प बात है कि पाणिग्रहण संस्कार में वर-वधू अग्नि की परिक्रमा करते हैं। जरा और गहरे में जाएं तो देखिए, सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर हमारा सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। इतना ही नहीं, बल्कि सभी ग्रह अपनी धूरि पर भी कर रहे हैं। अर्थात यह केवल मान्यता का मसला नहीं है, बल्कि परिक्रमा या चक्र में ब्रह्मांड का गहरा रहस्य छुपा हुआ है। हर छोटा बड़े की परिक्रमा कर रहा है। समय की सूचक घड़ी में भी सुइयां चक्राकार घूम रही हैं। चक्र ही परिवर्तन व प्रगति का द्योतक है। निष्कर्ष यही कि परिक्रमा से केन्द्र तुष्ट होता है, वहीं से ऊर्जा प्राप्त होती है सही मायने में भगवान शिव की सच्ची पूजा आराधना तभी होगी जब हम उनकी शिक्षाओं को जीवन के अंदर धारण करके मिल जुल कर प्रेमपूर्वक एक परिवार की भातीं रहगें। ॐ नम: शिवाय, ॐ नम: शिवाय,ॐ नम: शिवाय।

–डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

काले सोने के नाम से प्रसिद्ध अफीम की फसल तैयार

भीलवाड़ा। काले सोने के नाम से प्रसिद्ध अफीम की फसल पक कर तैयार हो गई । खेंतो मे चारों ओर अफिम डोडे दिखाई देने लगे है ओर किसान दिन रात रखवाली करने में जूटे हूयें है। जिले के अफीम कास्त क्षेत्र सवाईपुर कस्बे सहित सोपुरा, सालरिया, डसाणिया का खेडा, बड़ला, बनकाखेड़ा, खजीना, होलिरड़ा सहित कई गांवों में इन दिनों अफीम के खेतों में पौधों पर डोड़े बनने की प्रक्रिया चल रही हैं । अफीम की पौधों में चीरा लगाने से पहले खेत की मेड पर माताजी की प्रतिमा स्थापना करते हैं । जिसे स्थानीय भाषा में नाणा पूजन कहा जाता है। अफीम काश्तकार बद्रीलाल ने बताया कि खेतों में अफीम के पौधों पर डोडे पकने की प्रक्रिया चल रहे हैं । इसके लिए खेतों में (नाणा) माता जी की पूजा अर्चना की। रविवार व मंगलवार का दिन शुभ होने से इस दिन को शुभ मानते हुए अफीम के खेतों में माताजी की स्थापना की जाती है । इसके बाद पके हुए डोडो पर चीरा लगाया जाता है । अफीम के खेत की मेड पर नाणा (देव स्थान) की पूजा अर्चना करके मुहुर्त के लिए पांच व सात डोडा की पूजा की जाती है ।

फ्लाइंग दलों को प्रशिक्षण दिया

अजमेर (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 27 फरवरी को प्रात: 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे एवं दोपहर 3 बजे से सायं 5.30 बजे तकम दो पारी में एवं 28 फरवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक कुल 57 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होने वाली रीट भर्ती परीक्षा 2024 के सफल निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण आयोजन के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में सोमवार को बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के फ्लाइंग कम ओएमआर कार्डिनेटर दलों को प्रशिक्षण दिया गया।

स्वच्छ भारत मिशन पर चर्चा

मदनगंज-किशनगढ़ (निस)। नगर परिषद द्वारा शहरी क्षेत्र के स्कूल एवं कोचिंग क्लासों में बच्चों के साथ में स्वच्छ भारत मिशन के तहत चर्चा की गई। आयुक्त सीता वर्मा ने कहा की सभी की नैतिक जिम्मेदारी बनती है की साफ सफाई का ध्यान रखे।

उन्होंने स्कूल और कोचिंग में अध्ययनरत बच्चों को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 व साफ सफाई के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। कहा कि किसी भी तरह का कचरा रोड पर, बाजार में आम रास्ता, सार्वजनिक स्थान, पार्कों में नहीं फेके। कचरे को एकत्रित कर ऑटो टिपर में डाले। घर का कचरा सड़क पर डालने के बजाय नगर परिषद के ऑटो टिपर में डालकर आस पड़ोसी को भी जागरूक करे। पॉलिथीन का उपयोग नहीं करे, सिंगल यूज प्लास्टिक को बंद करना चाहिये। आयुक्त सीता वर्मा ने बाजार में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों व दुकानदारों से अपील की हैं कि कचरा रात्रि को ऑटो टिपर में ही डालें। ऑटो टिपर में कचरा डालने की आदत बनाएं। परिषद के कर्मचारी प्रतिदिन रात्रि में दुकानदारों से अपना कचरा ऑटो टिपर में डलवाने हेतु प्रयासरत है। परिषद की टीम में स्वास्थ्य निरीक्षक मुकेश लखन, जमादार चांदमल, राजेश धोल, दिनेश टाक, राहुल लखन, राकेश लखन, चरण दास, बाबूलाल, नाथूलाल आदि उपस्थित रहे।

कुम्भ यात्रा से लौटे यात्रियों का स्वागत किया

अरांई, (निसं)। कस्बे से प्रयागराज महाकुंभ में धार्मिक यात्रा के लिए गया जत्था मंगलवार को अरांई पहुंचा। यहां दल का ठामीणों ने धार्मिक रीति-रिवाजों सहित परम्परानुसार स्वागत अभिनन्दन किया। दल ने प्रयागराज संगम में स्नान करने के साथ-साथ अयोध्या में श्रीरामलाल के दर्शन किए तथा काशी, चित्रकूट, वृन्दावन, मेंहदीपुर बालाजी, गोर्वधन गिरीराज, मथुरा कृष्ण जन्म-भूमि, प्रेम मंदिर गोकुलधाम, में भगवान के दर्शन कर पुण्य कमाया। कस्बे से 55 श्रद्धालुओं का दल बीते मंगलवार को अरांई से रवाना हुआ था। दल में शामिल वरिष्ठ पत्रकार रामजीवण वैष्णव ने बताया कि धार्मिक यात्रा से जीवन के अविस्मरणीय पल साथ लेकर लौटे है। 144 साल बाद बने शुभ संयोग में महाकुंभ स्नान करने जाना सौभाग्य की बात है। आस्था के सबसे बड़े आयोजन में भाग लेकर सभी ने सकुशल यात्रा सम्पन्न की। माया वैष्णव ने बताया कि कुम्भ स्नान से मन व आत्मा तृप्त हो गई। पुष्पा कंवर ने बताया कि महाकुंभ केवल मनुष्य ही नहीं, पक्षियों व जीव-जंतुओं के कल्याण का भी मार्ग प्रशस्त कर रहा महाआयोजन है। जिसका हिस्सा बनकर वह खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रही है।

गिव अप अभियान में 2824 परिवारों ने स्वेच्छा से हटवाए नाम

अजमेर । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग राजस्थान द्वारा गिव अप अभियान प्रारम्भ किया गया था। इस अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में सम्मिलित परिवार यथा ऐसे परिवार जिनमें कोई भी एक सदस्य सरकारी, अर्द्धसरकारी एवं स्वायत्तशासी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी तथा अधिकारी हैं। एक लाख रुपये वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता हो, जिसके सभी सदस्यों की कुल आय एक लाख रुपये वार्षिक से अधिक हो, निजी चौपहिया वाहन धारक, आयकरदाता हो सम्मिलित है। ऐसे व्यक्तियों को प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम स्वेच्छा से पृथक करवाए जाने के लिए आवेदन करवाया जा रहा है। उललेखनीय है कि अजमेर जिले में अब तक कुल 2824 परिवारों एवं 11 हजार व्यक्तियों के द्वारा गिव अप अभियान के अन्तर्गत आवेदन कर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाया गया है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 26 फरवरी, 2025

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, श्रवण नक्षत्र सायं 5:23 तक, परिघ योग रात्रि 8:57 तक, वणिज करण दिन 11:09 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:37 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा दिन 4:09 से रात्रि 10:02 तक रहेगी। आज महाशिवरात्रि व्रत, वैधनाथ जयन्ती, कृत्ति वागेश्वर दर्शन और पूजन, चतुदर्श ज्योतिर्लिंग पूजा है। पंचक रात्रि 4:37 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:44 तक, शुभ 11:14 से 2:40 तक, चर 3:31 से 4:56 तक, लाभ 4:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 6:22

मेष – व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष – नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन – अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क – परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह – स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कन्या – परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला – घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक – परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु – आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मकर – मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ – घर-गृहस्थी के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन – आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सार-समाचार

खनन कार्य का विरोध जताया

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में कान्हा पहाड़ में फिर से शुरू हुए खनन कार्य का विरोध शुरू हो गया हैं। आबादी क्षेत्र के नजदीक कान्हा पहाड में खनन और अवैध ब्लास्टिंग के विरोध में बड़ी संख्या के कान्हा पहाडी के आसपास रहने वाले लोग पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढा की अगुवाई में खनन क्षेत्र के समीप पहुंचे। खनन बन्द करवाने की मांग को लेकर बस्ती के वाशिंदे धरने पर बैठ गए हैं। पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढा ने कहा कि आबादी क्षेत्र के नजदीक कान्हा पहाड़ में जिस ब्लास्टिंग से खनन को लेकर लोग दहशत के साए में हैं। ब्लास्टिंग से घरों में दरारें आ गई हैं। खनन क्षेत्र में बड़े गड्ढों में भरे पानी मे अब तक आठ जनों की मौत हो चुकी हैं। किसी को भी मुआवजा नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि आबादी क्षेत्र के नजदीक खनन को लेकर उनका विरोध जारी रहेगा। बड़ी संख्या में लोग धरने पर बैठे रहे। आंदोलन को लेकर कान्हा पहाड़ में भारी संख्या में पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। त्वरित अनुसंधान सेल के एडिशनल एसपी फूलचंद मीणा व पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढा ओर बस्तीवासियों से समझाइश की। हालांकि आज आंदोलन की सूचना के चलते पहले ही खनन कार्य बंद कर दिया गया था। इसलिए दोनों पक्षों की वार्ता सकारात्मक रही। लेकिन पूर्व मंत्री गुढ़ा ने चेताया कि इस बार यदि खनन चालू हुआ तो आर-पार की लड़ाई होगी और ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा।

मानक क्लब एक्सपोजर विजिट पर गोष्ठी

सादुलपुर, (निसं)। पीएम श्री राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ की कक्षा 9 व 11वीं की छात्राएं दल प्रभारी राहुल इंदौरियां एवं दल सहप्रभारी विमलेश चन्द्र के मार्गदर्शन में मंगलवार को एक दिवसीय मानक क्लब इंडस्ट्रीयल एक्सपोजर विजिट के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र चांदगोठी के भ्रमण पर रही। प्रधानाचार्य डॉ. सुशीला बलौदा ने भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शाम पांच बजे दी जानकारी में बताया कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास के साथ ही मानकों के संदर्भ में तार्किक चिंतन को बढावा देना है। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. बलबीर सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सब्जेक्ट मेटर स्पेशलिस्ट डॉ. शौकत अली ने विभिन्न फसलों के उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट एवं कृषि के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

वार्षिकोत्सव मनाया

चूरू (निसं)। उस्मानाबाद कॉलोनी स्थित नव ज्ञान ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिकोत्सव मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष निजामुद्दीन खान की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने हिंदी, पंजाबी, राजस्थानी गीतों पर एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। संस्था सचिव अरशद खान ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संस्था अध्यक्ष निजामुद्दीन खान ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाष डाला। प्रधानाचार्य सतार खान ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वंदना प्रजापत, अजीज खान, सलीम खान, शाहनवाज भाटी, अरुणा सैनी, पूजा कंवर, रिया, तारा आदि ने कार्यक्रम में सहयोगी भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन छात्रा सानिया खान, अनीस, जैनब व सिमरन ने संयुक्त रूप से किया।

रक्तदान शिविर आयोजित

उदयपुरवाटी (निसं)। निसं।किशोरपुरा ढहर में सडक सुरक्षा कोड फाउंडेशन समिति के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं सडक सुरक्षा जागरूक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शिविर में 80 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। शिविर के संयोजक एवं सडक सुरक्षा कोड समिति के फाउंडर वेदप्रकाश सैनी ने युवाओं को सडक सुरक्षा व यातायात नियमों को लेकर जागरूक किया। इस अवसर पर शिविर में सरपंच मोहनलाल सैनी, सुरेश कुमार सैनी, नरेश फौजी, माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेंद्र शास्त्री, एडवोकेट मोतीलाल सैनी उदयपुरवाटी ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान कार्यक्रम में शीशराम ठेकेदार, फूल चंद, सीताराम, रोहिताश्व, महेंद्र, श्रीराम, मंगल चंद, नेमीचंद, बंटी कुमार, शीशपाल, निवास, राहुल, सुभाष, दीपक, महेश, जयदयाल सैनी मदन लाल, राजू सैनी सहित कई उपस्थित रहे।

भामाशाह ने विद्यालय में कंप्यूटर मय प्रिंटर व ट्रेक सूट भेंट किए

कोलसिया, (निंसं)। कस्बे के राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय वृंदावन कोलसिया में एचएमटी ग्रुप के भामाशाह हेमंत सिंह दूत ने कम्प्यूटर एवं स्केनर मय प्रिंटर व समस्त विद्यार्थियों के लिए 60 ट्रैक सूट भेंट किए और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। प्रधानाध्यापक रामावतार कल्याण ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ डिजिटल एवं तकनीकी शिक्षा के महत्व को बताते हुए। इस अवसर पर शिंभूदयाल दूत, पूर्व सरपंच कुरड़ाराम दूत, पीईईओ राजेंद्र सिंह, रवि कुमार पारीक, सुभाष मूंड सिंगनौर, विनोद सुनिया, पंकज गढ़वाल, सुरेश मेचू, मदनलाल सर्वा, निर्मला कुमारी, हनुमानबक्श, राजेश कुमार आदि मौजूद थे। संकुल प्रभारी विनोद कुमारी ने भामाशाह हेमंत सिंह दूत की प्रशंसा करते हुए विद्यालय कार्यव्यवस्थाओं की सराहना की।

ट्रेन की चपेट से महिला की मौत

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के नेता की ढाणी के समीप एक महिला की मुंबई से हिसार जा रही दुरंतो ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक शहर के नेता की ढाणी के नजदीक मुंबई से हिसार जा रही दुरंतो के आगे महिला आ गई। इससे उसकी मृत्यु हो गई। लोको पायलट ने ट्रेन को रोका। इसकी सूचना झुंझुनूं स्टेशन पर दी गई। सूचना पर जीआरती मौके पर पहुंची। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। कोतवाली थाने के एएसआई यूसुफ अली मौके पर पहुंचे। शिनाख्त नहीं होने पर शव को बीडीके अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ना केवल महिला की पहचान में जुटी हुई है। बल्कि यह भी जानने का प्रयास कर रही है कि महिला की मौत का कारण हादसा है या फिर आत्महत्या। बहरहाल, पुलिस महिला की शिनाख्त में जुटी हुई है।

महाशिवरात्रि आज

झुंझुनूं, (निंसं)। राणी सती रोड स्थित लावरेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व बुधवार को श्रद्धा भक्ति एवं आस्था के साथ मनाया जाएगा। संस्था के ट्रस्टी एवं अध्यक्ष इंद्र कुमार मोदी ने बताया कि शिव रात्रि के दिन मंदिर में फूलों का आकर्षक शृंगार किया जाएगा। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सजावट से भी सजाया जाएगा। मंदिर परिसर में सुबह छह बजे से ही पूजा अर्चना के लिए शिव भक्तों का आवागमन शुरू हो जाएगा। जिन्हें प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। रात्रि में पंडित उमेश एवं सर्वेश सहित विद्वान पंडितों के सानिध्य में मंदिर ट्रस्ट से जुड़े सभी सदस्य सपरिवार भोलेनाथ की चार प्रहर की विधि विधान के साथ रात्रि आरती एवं पूजा अर्चना के साथ भगवान शंकर का दूध से अभिषेक भी करेंगे।

गौमाता को गुड़ खिलाया

झुंझुनूं, (निसं)। युवा नेता व आरटीआई कार्यकर्ता यशवर्धन सिंह शेखावत पुत्र डॉ. मूलसिंह शेखावत पूर्व विधायक ने मंगलवार को गौशाला आकर अपने हाथों से गौमाता को गुड़ एवं गेहूं के आटे से बनी रोटियां खिलाकर गौ सेवा की। इस अवसर पर उपस्थित श्री गोपाल गौशाला अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, मंत्री नेमी अग्रवाल, पीआरओ डॉ. डीएन तुलस्यान एवं पूर्व कोषाध्यक्ष नरोत्तमलाल राणासरिया ने उनको दुपट्टा ओढ़ाकर गौ माता का प्रतीक चिह्न भेंटकर श्रीगोपाल गौशाला झुंझुनूं की ओर से स्वागत अभिनंदन किया। गौशाला की व्यवस्थाओं को देखकर शेखावत ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वे जयपुर रहते हैं। वहां की और अन्य स्थानों की गौशालाओं को भी देखते रहते हैं। परंतु यहां की व्यवस्था वाकई में शानदार है। गौ सेवा में किया जा रहे कार्य सराहनीय है।

घनश्याम सैनी को पीएचडी की उपाधि

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के नवलगढ़ के घनश्याम सैनी ने मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। घनश्याम सैनी ने प्रवास और सामाजिक विकास एक समाजशास्त्रीय अध्ययन: झुंझुनूं जिले के विशेष संदर्भ में विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया। सैनी ने अपना शोध कार्य प्रोफेसर श्याम एस कुमावत के निर्देशन में पूर्ण किया। घनश्याम सैनी हाल में एसके कन्या महाविद्यालय सीकर में सहायक आचार्य समाजशास्त्र पद पर कार्यरत है। सैनी अपने परिवार मे पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले चौथे सदस्य है।

प्रेम रामायण और कवि सम्मेलन ने चूरू वासियों को मंत्रमुग्ध किया

■ प्रेम रामायण में राम-सीता संवाद का मंचन हुआ

चूरू, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन मैदान में चल रहे चूरू महोत्सव- 2025 का सोमवार को समापन हुआ। समापन समारोह में प्रेम रामायण लाइव थिएटर का प्रदर्शन किया गया और कवि सम्मेलन में कवियों ने साहित्यिक प्रस्तुतियां दी।

इस अवसर पर जिला प्रमुख वंदना आर्य, सांसद राहुल कस्वां, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, पद्म भूषण देवेंद्र झाझड़िया, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी जय यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ शरद कुमार व्यास, एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर सहित अधिकारी जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक ने शिरकत की।

चूरू महोत्सव-2025 के समापन समारोह में प्रसिद्ध रंगकर्मी अतुल सत्य कौशिक द्वारा लाइव थिएटर 'प्रेम रामायण' का मंचन किया गया। प्रेम रामायण में राम- सीता, उर्मिला- लक्ष्मण संवाद के मंचन ने दर्शकों को मंत्रामुग्ध कर दिया।

इसके बाद कवि सम्मेलन में लोकेश कुमार सिंह साहिल, अरुण जैमिनी, अमर अक्षर, जुबैर अली ताबिश, विवेक पारीक, इति शिवहरे ने साहित्यिक प्रस्तुतियां दी। विवेक पारीक ने वीर रस की कविताओं से श्रोताओं में जोश भरा, वहीं जुबैर अली ताबिश ने शायरियों की प्रस्तुति दी। अमन अक्षर और इति शिवहरे ने सौंदर्य व श्रृंगार रस की कविताओं की प्रस्तुति दी। लोकेश कुमार साहिल ने कवि सम्मेलन का संचालन किया।

अरुण जैमिनी ने हास्य रस की कविताओं से श्रोताओं को खिलखिलाने पर मजबूर कर दिया। तहसीलदार अशोक गोरा ने मुक्तक प्रस्तुत किए। संचालन एपीआरओ चंद्रशेखर पारीक व प्रीति सक्सेना ने किया।

इस दौरान पूर्व सभापति विजय शर्मा, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, तहसीलदार अशोक गोरा, तहसीलदार झाझड़िया, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, अभिषेक चोटिया, दीनदयाल सैनी, हेम सिंह, नारायण बालाण, धर्मेंद्र राकसिया, सुरेश सारस्वत, धर्मेंद्र बुडानिया, सुनील ढाका, श्रीराम पीपलवा, मदनगोपाल बालाण सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

चूरू महोत्सव- 2025 के तीसरे दिन समारोह स्थल पर कला मंच में राजेंद्र शेखावत द्वारा निर्देशित 'आपां नै बेटी बचाणी है' राजस्थानी भाषा फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे प्रतिभागियों, नागरिकों, कलाकारों, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने फिल्म देखी। निर्माता व निर्देशक राजेन्द्र शेखावत ने फिल्म निर्माण, निर्देशन, अभिनेताओं, कलाकारों के बारे में जानकारी दी। आशीष गौतम ने फिल्म में किरदारों के बारे में जानकारी दी।

चूरू महेत्सव के तीसरे दिन समारोह स्थल पर संवाद मंच में साहित्य उत्सव का आयोजन किया गया। साहित्य उत्सव में विभिन्न चर्चा सत्रों में साहित्यकारों व विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए रोचक जानकारी साझा की।

इस दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, सीईओ श्वेता कोचर, वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, प्रशिक्षु आरएएस साक्षी पुरी, कमल कोठारी ने साहित्यकारों व विषय विशेषज्ञों को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। संचालन प्रीति सक्सेना, एपीआरओ चंद्रशेखर पारीक, बजरंग हर्षवाल ने किया।

चूरू महोत्सव – 2025 के दौरान एकल नृत्य जूनियर वर्ग में कनिका चौधरी प्रथम, सौम्या शर्मा द्वितीय, पूर्विका शर्मा तृतीय, सीनियर वर्ग में श्रुति क्याल प्रथम, लक्ष्मी शर्मा द्वितीय, पारुल दर्जी तृतीय, वादन प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में रितेश प्रजापत प्रथम, गोविंद कुमार द्वितीय, बजरंग कुमार हर्षवाल तृतीय, कविता पाठ प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में मोक्षिका पारीक प्रथम, मोहम्मद शाहिद द्वितीय, फैसल व शिवालिका राठौड़ तृतीय, सीनियर वर्ग में तन्जीम बानो प्रथम, यशवर्धन शर्मा द्वितीय तथा हिमांशु भारद्वाज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार गायन प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में तेजस हारित प्रथम, मीरां कंवर नाथावत द्वितीय, रजत दाधीच तृतीय, सीनियर वर्ग में सांवरमल प्रथम, रितेश प्रजापत द्वितीय व ममता स्वामी तृतीय, समूह नृत्य प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में लक्षिता प्रथम, कलिंजा गोठवाल द्वितीय, इशिका जांगिड़ तृतीय, सीनियर वर्ग में हिमांशी प्रथम, कनिका द्वितीय, अलवीरा खान तृतीय, मिस चूरू प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में श्रेया लांबा प्रथम, परी दाधीच व स्नेहा दाधीच द्वितीय, साक्षी कल्ला तृतीय, सीनियर वर्ग में भाग्यश्री शर्मा व मन्नत सोनी प्रथम, खुशबू बोचीवाल द्वितीय व कोयल कंवर तृतीय, मिस्टर चूरू प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में राकेश बेनीवाल प्रथम, राहुल शर्मा द्वितीय, दिनेश प्रजापत तृतीय, मिसेज चूरू प्रतियोगिता में कांता सोनगरा प्रथम, सरोज कुमारी प्रजापत द्वितीय व राजेश कुमारी तृतीय स्थान पर रहे।

इसी क्रम में विचित्र वेशभूषा सीनियर वर्ग में नीतू गोस्वामी प्रथम, सरीता स्वामी द्वितीय, संदीप सोनी तृतीय, जूनियर वर्ग में नवधि जोशी प्रथम, श्रेष्ठा शर्मा द्वितीय, अभय सिंह राठौड़ व ज्योति तृतीय, रंगोली प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में वानिया प्रथम, सीनियर वर्ग में ममता बजाज प्रथम, कविता सोनी द्वितीय, कमलेश जांगिड़ तृतीय, मेहंदी प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में कनिष्का प्रथम, आरती नायक द्वितीय, प्रिया जांगिड़ तृतीय, सीनियर प्रतियोगिता में पल्लवी जांगिड़ प्रथम, ममता प्रजापत द्वितीय, मोनिका प्रजापत तृतीय, नेल आर्ट प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में मन्नत सोनी प्रथम व सरिता सैनी द्वितीय, पेंटिंग प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में सानवी सोनी प्रथम, विवेक सिंह द्वितीय, देवांक गौड़ व कीर्ति तृतीय, सीनियर वर्ग में वंशिका शर्मा प्रथम, रीना द्वितीय, मुस्कान तृतीय स्थान स्थान पर रहे।

बाबा श्याम की भव्य निशान व शोभायात्रा आज निकलेगी

■ श्याम अखंड ज्योति पाठ में उमड़ा जन सैलाब, नृत्य नाटिका व सजीव झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही

चूरू (निसं)। स्थानीय प्रतिभा नगर स्थित श्री श्याम मंदिर के स्वर्ण जयंती महोत्सव पर मंगलवार को अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। मंदिर के पुजारी संतोष बुढाढरा ने बाबा श्याम के दरबार के समक्ष अखंड ज्योत प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आशीष शर्मा आशु व मनीष राज खांडल ने संगीत मय अखंड ज्योति पाठ का वाचन किया। इस अवसर पर अखंड ज्योत है अपार माया, श्याम प्रभु की प्रबल छाया आदि भजनों की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं से खूब वाहवाही लूटी।

शर्मा ने आयो सांवरिया सरकार लीला पर चढ़ के, फागण आयो रे सांवरिया थारी खाटू नगरी में, हो थारी मोर छड़ी लहराई रे, ओ खाटू वाले श्याम छम छम नाच देखो वीर हनुमाना आदि शानदार प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान श्री श्याम मित्र मंडल आयोजन समिति द्वारा भव्य श्याम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। अखंड ज्योति पाठ में उमांस ओजस आर्ट ग्रुप हिसार के रोहित चौहान के सानिध्य में शिवपूजन अहल वति सब सखिया मंगल गावे, भीम अहलवति विवाह, श्याम जन्मोत्सव, अहिल्वती, बाबरिक पूजन टप टप लीला घोड़ा, शीश का दान, खाटू में प्रगट हुए श्याम आदि सजीव झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। श्री श्याम मित्र मंडल आयोजन समिति के कैलाश चंद्र नवहाल ने बताया की बुधवार को दोपहर 1:15 बजे मंदिर प्रांगण से भव्य निशान व श्री श्याम प्रभु की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के पंचमुखी बालाजी मंदिर होते हुए गढ़ चौराहा, सफेद घंटाघर, सुभाष चौक, सब्जी मंडी, भाईजी चौक, जलेबी चौक, ओझा मार्ग, सोती भवन, बद्रीनाथ मंदिर से प्रतिभा नगर होते हुए वापस श्याम मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में नासिक का ढोल फौजी बैंड व हिसार के कलाकारों द्वारा संजीव झांकियां व नृत्य नाटिका आकर्षण का केन्द्र होगी। इस अवसर पर मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने पर मंदिर के पूर्व कार्यकर्ताओं का आयोजन समिति द्वारा दुपट्टा पहनाकर व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का संचालन कैलाश चंद्र नवहाल ने किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

झुंझुनूं, (निसं)। पटेल नगर स्थित प्रेरक पब्लिक स्कूल का सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ वार्षिकोत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि मान महेंद्र सिंह भाटी थे। अध्यक्षता स्कूल डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद रामावतार महला, राजेश अग्रवाल, पार्षद शंभूदयाल नेहरा, सहाबुद्दीन थे। कार्यक्रम में विद्यालय के टॉपर्स विद्यार्थियों का मोमेंटो के साथ सम्मान किया गया।

वार्षिकोत्सव में थिरके कदम, होनहारों को सम्मानित किया

चूरू (निसं)। स्थानीय वार्ड 31 स्थित मिलेनियम शिक्षण संस्थान का वार्षिकोत्सव मंगलवार को समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अख्तर खान थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व पार्षद विश्व नाथ जांगिड़ थे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता किसन लाल सैनी ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ आगंतुक अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जन को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर कुकू ग्रुप द्वारा लूंगी डांस व खुशबू ग्रुप की ओर से ढ़ोल-बाजे की शानदार प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में समां बांध दिया। कार्यक्रम के दौरान आगंतुक अतिथियों ने सत्र 2020 से 2024 तक के होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अख्तर खान ने कहा कि शिक्षा समाज का अभिन्न अंग है। इसे हम एक दूसरे में बांट नहीं सकते। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं के संदेश पर जोर देते हुए कहा कि बेटियां दो घरों का नाम रोशन करती है। अत: हमें बेटियों को ज्यादा से ज्यादा शिक्षित करना चाहिये। व्यवस्थापक कैलाश कुमार सैनी ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आगंतुक अतिथियों का माल्यार्पण कर व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मैना सैनी, अनिता, सुमन, ओमप्रकाश, गोविंद सैनी, विकास भार्गव, पियूष, अंजू सैनी, अंजू प्रजापत, अनिता प्रजापत, आरजू बानो, तमन्ना बानो, मनीषा सैनी, फरियाद खान सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी व अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक संपत सिंह गौतम व मोनिका चारण ने किया।

मिलेनियम शिक्षण संस्थान का वार्षिकोत्सव मनाया गया।

विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। न्यू कॉलोनी स्थित डिफेंस पब्लिक सीसै स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सीबीईओ राजेंद्र प्रसाद कुमावत थे। अध्यक्षता संस्था चेयरमैन डॉ. जीएल कालेर ने की। कार्यक्रम में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को विद्यालय के प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राजेंद्र प्रसाद कुमावत ने विद्यार्थियों को तनाव से मुक्त रहकर परीक्षा की तैयारी करने के टिप्स बताए। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। एंजिल, स्नेहा, जिया व निशिता ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने ग्रीटिंग कार्ड के माध्यम से शुभकामनाए दी। संस्था चेयरमैन ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की एवं उन्हें शुभकामनाए दी। प्रधानाचार्य रामसिंह रोहिला, विशिष्ट अतिथि प्रिंस स्कूल के एकेडमिक डायरेक्टर समीर शर्मा, प्रिंसिपल अनिता शर्मा, महेंद्र सैनी आदि ने भी अपने विचार प्रकट किए।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश महोदय, नवलगढ़
खुर्शीद वगैरह बनाम मदिना वगैरह
वाद बाबत शून्य व अवैध घोषित करने गिफ्ट डीड दिनांक 20.04.2015 व स्थाई निषेधाज्ञा

वाद संख्या 29/17

(1) मो. आरिफ पुत्र मो. युसुफ, (2) राबिया पत्नी मो. युसुफ, (3) ताहिरा पुत्री मो. युसुफ जाति व्यापारी निवासीगण वार्ड नं. 15 नवलगढ़ तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं हाल आबाद कुवैती मस्जिद के पास दीदी की बाड़ी फतेहपुर शेखावाटी जिला सीकर (राज.), (4) अयुब जाफर, (5) एजाज उल हक पुत्र जाफर, (6) सरफराज पुत्र जाफ, (7) कयूम पुत्र महमूद समस्त जाति व्यापारी निवासीगण वार्ड नं. 15 नवलगढ़ तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं (राज.) ने आपके विरूद्ध दावा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 01.03.2025 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो, जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा का प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावें या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे। आपको यह सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे, तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह वाद ता. 28 माह 01 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश
वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, नवलगढ़
जिला झुंझुनूं (राज.)

न्यायालय सिविल न्यायाधीश नीमकाथाना जिला सीकर
इश्तिहार
कैलाशचन्द दत्तक पुत्र अर्जुनराम उर्फ अर्जुनलाल उम्र 63 साल जाति मीणा निवासी वार्ड नं. 7 गावंड़ी तहसील नीमकाथाना जिला सीकर राज.
वादी
बनाम
1. राज्य सरकार जरिये जिला कलक्टर नीमकाथाना हाल जिला सीकर, 2. हर खास व आम
प्रतिवादीगण

वाद पत्र संख्या सी.आई.एस. नं. 01/2025
पेशी दिनांक 24.03.2025

वाद बाबत घोषणा

उपरोक्त वादी ने इस न्यायालय में वाद प्रस्तुत कर जाहिर किया है कि अर्जुनराम उर्फ अर्जुनलाल पुत्र बींजाराम जाति मीणा निवासी गांवड़ी के दात्पत्य जीवन में कोई पुत्र संतान पैदा नहीं होने एवं भविष्य में संतान न होने की संभावनाओं को देखते हुए अपने वंश को कायम रखने के लिए वादी को गोद पुत्र के रूप में स्वीकार कर लिया था। जिसका नाम सरकारी रिकॉर्ड में भी बतौर दत्तक पुत्र दर्ज हो रहा है। वादी ने अपने आपको स्व. अर्जुनराम उर्फ अर्जुनलाल पुत्र बींजाराम जाति मीणा निवासी गांवड़ी का गोद पुत्र घोषित किये जाने की सहायता इस न्यायालय में चाही है। अतः हर खास व आम को सूचनार्थ प्रकाशित कराया जाकर लेख है कि उक्त वादी कैलाशचन्द को अर्जुनराम उर्फ अर्जुनलाल पुत्र बींजाराम जाति मीणा निवासी गांवड़ी का दत्तक पुत्र घोषित किये जाने में कोई आपत्ति या उज्र हो, तो दिनांक 24.03.2025 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने प्रमाण प्रस्तुत करें। अन्यथा पृथक से अग्रीम कार्यवाही कर न्यायोचित आदेश पारित कर दिया जावेगा। आदेश दिनांक 24.02.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

न्यायालय सिविल न्यायाधीश
नीमकाथाना जिला सीकर

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

झुंझुनूं, (निसं)। मंगलवार को श्री राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। महान भौतिकशास्त्री सर सीवी रमन के महत्वपूर्ण योगदानों के स्मरण में आयोजित इस कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान, चलचित्र प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह ने भारत की प्राचीन समर्थ वैज्ञानिक उपलब्धियों की आधुनिक प्रासंगिकता के महत्व से अवगत कराते हुए इनके समुचित सकारात्मक उपयोग पर जोर दिया। अतिथि व्याख्यान के दौरान डॉ. संदीप शर्मा ने सर सीवी रमन की वैज्ञानिक उपलब्धियों को साझा करते हुए विज्ञान भारती एवं भारतीय वैज्ञानिकों के अभूतपूर्व उपलब्धियों की विश्वव्यापी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। चलचित्र प्रदर्शनी में विद्यार्थियों को सर सीवी रमन के जीवन वृत एवं योगदानों का सचित्र प्रदर्शन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रिया, तपस्या एवं मोहित ग्रुप प्रथम, हर्षिता, प्रकृति एवं प्रियंका ग्रुप द्वितीय स्थान पर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में अमित सिंह प्रथम, दिव्या द्वितीय एवं राधा शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम संयोजक उदय सिंह सहायक आचार्य भौतिक शास्त्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

झुग्गी झोपड़ियों और कच्ची बस्तियों में रहने वाले संदिग्धों की जांच की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के प्रांत धर्मप्रसार प्रमुख सीएम भार्गव के सानिध्य एवं जिला मंत्री जयराज जांगिड की अध्यक्षता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को पुलिस महानिदेशक जयपुर के नाम ज्ञापन दिया गया। जिसमें जिले के झुंझुनूं, चिड़ावा, पिलानी शहर के विभिन्न क्षेत्रों के झुग्गी-झोपड़ियों व कच्ची बस्तियों में रहने वाले संदिग्ध लोगों की पहचान की जाए। ऐसा ज्ञात हुआ है कि इनमें से अनेक रोहिंग्या व बांग्लादेशी घुसपैठिए रह रहे है। ऐसी संभावना है कि इनके कारण जिले के विभिन्न जगहों पर चोरियां एवं आपराधिक घटनाएं हो रही है। इनके पास विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न पहचान पत्र है। ऐसे लोग जिले की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। यह समस्या जिले मे ही नहीं संपूर्ण भारत में है। अन्य शहरों में इनकी पहचान कर इनको देश से निष्कासित किया गया है। विहिप ने जल्द से जल्द इनकी गहनता से जांच कर उचित कार्यवाही करने की मांग की गई एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने जल्द ही इन पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस मौके प्रांत धर्म प्रसार कार्यकारिणी सदस्य योगेंद्र कुंडलवाल, बजरंग दल जिला संयोजक सुशील प्रजापति, बजरंग दल नगर संयोजक पिंटू कुमावत, विद्यार्थी संपर्क प्रमुख शुभम कुमावत, पार्षद अशोक प्रजापति, मनोज कुंडलवाल, पूर्व पार्षद मनोज कुमावत, रोहन सैनी, अशोक सैनी, रतनलाल शर्मा, मनोज कुमावत, राहुल कुमावत, अमित सिंह चौहान, जितेंद्रसिंह, उदयसिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट परिणाम देने वाली टीम का सम्मान

■ श्रेष्ठ परिणाम देने वाले विद्यार्थियों का सम्मान गोल्ड व सिल्वर के साथ किया गया

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित एसीआई सीसै स्कूल का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम सुप्रवेगा 2025 यूटीआई सीकर के सचिव वरिष्ठ आरएएस जेपी गौड की अध्यक्षता एवं चंचलनाथ टीले के महंत ओमनाथ महाराज के मुख्य आतिथ्य में एसीआई खेल मैदान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनियां, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पीएल भालोठिया, मेडिकल कॉलेज के सहायक सह आचार्य डॉ. अभय सिंह पड़िहार, काया अस्पताल की निदेशक व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. गुलशन बानो, डॉ. मनोज वर्मा, इंदौरिया गुरूकुल निदेशक अमित शर्मा, श्री डोट्स निदेशक मो. इब्राहिम खान, गोमती कॉलेज निदेशक चंदू शर्मा, टीकेएन फायर सेफ्टी से मनोज सिंह, अभिनंदन शोरूम से अमित पाटोदिया, संस्थान संरक्षक गोकुलचंद शर्मा व शिक्षाविद विद्याधर शर्मा, दैनिक उद्योग आस पास से पत्रकार सुजीत शर्मा, काजला हॉस्पिटल से डॉ. नरेंद्र काजला, स्काईलाइन अस्पताल से डॉ. अल्ताफ, समाजसेवी पवन शर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में एसीआई ग्रुप ऑफ एज्युकेशन समिति के द्वारा संचालित स्कूल व कोचिंग संस्थान में बोर्ड कक्षा 10 व 12 तथा नीटी, आईआईटी प्रतियोगी परीक्षा 2024 में सफल होने वाले विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह में श्रेष्ठ परिणाम देने वाले विद्यार्थियों का सम्मान गोल्ड व सिल्वर के साथ किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने मिलकर एक शानदार और रंगीन कार्यक्रम का आनंद लिया कार्यक्रम का मुख्य आकृषण नारी शक्ति का महिमामंडन करते हुए एक ऐसी प्रस्तुति जिसने उपस्थित जनसमूह को नारी की वर्तमान दशा पर सोचने के लिए विवश कर दिया।

वहीं नन्हें मुन्ने बच्चों के द्वारा मोबाइल के दुष्प्रभाव का मार्मिक वर्णन, द्विज व प्रिंस ग्रुप द्वारा नए क्लेवर में भक्ति भाव से ओत प्रोत हनुमान चालीसा, सांची व रूषिल ग्रुप द्वारा साहस और एवं शौर्य का प्रतीक झांसी की रानी एक्ट व सौन्दर्या, प्रियांशु ग्रुप द्वारा शिव अघोरी नृत्य रहा। जिसने उपस्थित सभी श्रोताओं को मंतमुग्ध कर महाकाल की दुनिया में खोने पर मजबूर कर दिया। साथ ही पूरा माहौल महाकाल मय हो गया। समारोह में विशेष रूप से विद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। जिन्होंने अकादमिक और सह पाठ्यक्रम गतिविधियों में वर्ष पर्यंत शानदार प्रदर्शन किया था। संस्था निदेशक विकास शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और आगे भी अपने लक्ष्यों को ऊंचा रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल शिक्षा देना है, बल्कि विद्यार्थियों को समाज में अपने योगदान को पहचाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है। संस्था निदेशक ने पुरस्कृत शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों को उनकी शैक्षिक एवं सहशैक्षिक उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

राजस्थान सरकार

कार्यालय सहायक खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, चूरू

क्रमांकः सखअ/चूरू/अप्र/2660 दिनांक :- 25.02.2025

-: विज्ञप्ति :-

इस कार्यालय के क्षैत्राधिकार में निकट ग्राम रणधीसर तहसील - सुजानगढ़, जिला चूरू में स्वीकृत खननपट्टों के पट्टाधारी / पट्टाधारी फर्म के भागीदार का स्वर्गवास होने उनके वारिसान द्वारा शपथ पत्र / सहमति पत्र प्रस्तुत कर कॉलम संख्या 05 में अंकित व्यक्ति के पक्ष में खननपट्टा का नामान्तरण हेतु आवेदित हैः-

क्र. स.	एम.एल. नं. व नाम पट्टाधारी	मृत्यु दिनांक/ नामान्तरण आवेदन तिथि	वारिसान प्रमाण पत्र जारी करने वाला व वारिसान के नाम	खननपट्टा का नामान्तरण जिनके नाम से आवेदित है
01.	02.	03.	04.	05.
1	एम.एल.48/1978 श्री सुरजाराम खटीक पुत्र श्री हनुमानाराम खटीक,	05.10.2001 / 04.05.2015	प्रशासन पत्र न्याया0 अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, रतनगढ़, कैम्प सुजानगढ़ द्वारा दिनांक 07.05.2025 को जारी (1) रूकमणी देवी (पुत्री), (2) श्रीमति भगवानी देवी (पुत्री)	(1) श्रीमति रूकमणी देवी पत्नि स्व0 मालचन्द खटीक, निवासी-रणधीसर, सुजानगढ़, चूरू व (2) श्रीमति भगवानी देवी पत्नि श्री सत्यनारायण खटीक, निवासी-रणधीसर, सुजानगढ़, चूरू
2	एम.एल. 54/1990 श्री किशन सिंह गहलोत पुत्र श्री धूड़ाराम गहलोत,	06.09.2015 / 15.06.2022	पार्षद वार्ड नं. 69, नगर निगम बीकानेर दिनांक 25.11.2022 (1) पुष्पा गहलोत (पत्नि) (2) महेन्द्र सिंह गहलोत (पुत्र) (3) सुरेन्द्र सिंह गहलोत (पुत्र) (4) नीतू गहलोत(पुत्री) (5) मीना गहलोत (पुत्री)	श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत पुत्र स्व0 किशन सिंह गहलोत, निवासी-रानीसर बास, एम.एस. कॉलेज, बीकानेर
3	एम.एल. 25/1979 श्री भगवानदत्त लाटा पुत्र स्व0 रामकुमार लाटा	06.06.2014 / 22.09.2021	कुर्सीनामा ग्राम पंचायत, जसवन्तगढ़ (नागौर) द्वारा जारी। जिनमें वारिसानः-(1) सोहनदेवी(पत्नि) (2) तारादेवी(पुत्री) (3) लोकबन्धु(पुत्र) (4) गुरूप्रसाद (पुत्र) (5) सीताराम (पुत्र) (6) कन्हैया लाल(पुत्र) (7) चन्दा देवी(पुत्री) (8)उमाकान्त(पुत्र) (9)तिलोकचन्द (पुत्र)	श्री गुरूप्रसाद पुत्र स्व0 भगवानदत्त लाटा, कोठारी सेड़ सुजानगढ़
4	एम.एल. 42/1978 श्री मोंगीलाल पुत्र श्री घीसाराम जाट	16.12.2022 / 04.01.2023	कार्यालय तहसीलदार(भू.अ.), सुजानगढ़, चूरू के पत्र दिनांक 06.02.2023 के अनुसार हल्का पटवारी द्वारा जारी किया । जिसमें वारिसान में (1) लिक्ष्मादेवी(पत्नि) (2) दीपिका (पुत्री) (3) आकाश (पुत्र)	श्रीमति लिक्ष्मा देवी पत्नि स्व0 मोंगीलाल जाट, वार्ड नं. 07, कस्बा छापर, तहसील-सुजानगढ़, जिला-चूरू
5	एम.एल. 161/1990 सर्वश्री अम्बे माईन्स एण्ड मिनरल्स, रणधीसर	24.06.2023 / 21.07.2023	फर्म के एक भागीदार श्री झूमरमल खिलेरी का स्वर्गवास होने पर कुर्सीनामा ग्राम पंचायत, हरासर, पंचायत समिति, सुजानगढ़(चूरू) द्वारा जारी जिसमें वारिसानः-(1) लक्ष्मीदेवी (पत्नि) (2) सत्यनारायण (पुत्र) (3) बनवारीलाल (पुत्र) (4) सुमन (पुत्री)	श्री सत्यनारायण खिलेरी पुत्र स्व0 झूमरमल खिलेरी, वार्ड नं. 38, प्रगति नगर, सुजानगढ़, चूरू

माननीय न्यायालय अतिरिक्त निदेशक (खान), उदयपुर के आदेश दिनांक 31.01.2025 व 05.02.2025 द्वारा खननपट्टे के खण्डित आदेश अपास्त कर नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया। अतः इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त खननपट्टा के नामान्तरण (म्यूटेशन) कॉलम संख्या 05 में दर्ज व्यक्ति के नाम दर्ज होने के संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने की तिथि से 15 दिवस मे कार्यालय में पेश करें, अन्यथा नामान्तरण (म्यूटेशन) की अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

(एन.एल. मेघवाल)
सहायक खनि अभियन्ता
खान एवं भू विज्ञान विभाग चूरू (राजस्थान)

आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज को पहला देहदान मिला

कोटा, (निसं)। मेरा जन्म वाहे गुरू जी का दिया हुआ, मेरी मृत्यु के बाद भी मेरा शरीर समाज या देश के काम आ सकें यही मेरा सौभाग्य होगा। ऐसी सोच थी, स्टेशन रोड़ निवासी, रेल्वे विभाग से सेवानिवृत सरदार ओम प्रकाश सिंह की। सेवा को पूजा मानने वाले सरदार ओमप्रकाश काफी मेहनती, ईमानदार और निस्वार्थ भाव से जीवन बिताने वाले व्यक्ति थे। बीते 15 दिन से ओमप्रकाश का स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था, उन्होंने देहदान का कोई संकल्प पत्र भी नहीं भरा हुआ था, परंतु अपनी देहदान करने की इच्छा, दोनों बेटों अमरजीत (ऑटो चालक) और चरणजीत (शिक्षक) को बता दी थी। उन्होंने यह भी कहा था कि, देहदान से व्यर्थ पेड़ नहीं जलेंगे, अनावश्यक की क्रियाओं में पैसा व्यर्थ नहीं होगा, रिश्तेदारों का शोक में आने-जाने में भी उनका समय और पैसा बचेगा।

पिता की अंतिम इच्छा जान, चरणजीत ने काफी समय पहले से ही शाईन इंडिया फाउंडेशन के डॉ.कुलवंत गौड़ से देहदान के संदर्भ में पूरी जानकारी ले ली थी, आज जब उनका देवलोक गमन हुआ, तो उन्होंने तुरंत ही डॉ.गौड़ के बताए हुए दिशा-निर्देशों को मानते हुए, रानपुर स्थित राजकीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय में पिता के पार्थिव देह को दान किया। आयुर्वेदिक महाविद्यालय में मृत-देह के पहुँचते ही परिसर में कोटा के साथ-साथ अकलेरा, झुंझुनू भरतपुर के आयुर्वेद एवं योग महाविद्यालय से आये 300 से अधिक भावी आयुर्वेद चिकित्सकों ने ओमप्रकाश के पार्थिव देह पर पुष्पवर्षा की, साथ ही वेद मंत्र, गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के उच्चारण के साथ देह को स्वीकार किया। उपस्थित भावी चिकित्सकों व कॉलेज के सभी स्टॉफ, चिकित्सकों ने सिर झुका कर देहदान करने वाले परिवार का अभिवादन किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.नित्यानंद शर्मा, शरीर रचना विभाग अध्यक्ष डॉ.निरंजन गौतम, और पूर्व प्राचार्य डॉ.विष्णु चंद जोशी ने देहदानी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, देहदानी का एक शरीर अमूक शिक्षक के रूप में, पांच दस सालों तक, अध्ययन के काम आता है। प्रदोश और विजया एकादशी के दिन इस पुण्य कार्य का संपन्न होना देहदानी को मोक्ष की प्राप्ति देता है। देहदान के समय पर महाविद्यालय के चिकित्सक डॉ.प्रेम सिंह माली, डॉ.ओमप्रकाश गुप्ता, डॉ.मनीष मीणा, डॉ. बृजराज मालव, डॉ.श्याम स्वरूप मीना, डॉ.मांडवी गौतम डॉ.शकुन्तला नागर, डॉ.रंगोली चौहान, डॉ.सुरभि पंकज, संस्कृत टीचर निलेश जोशी, डॉ.विनोद मीणा उपस्थित थे।

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड : चार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया

ब्लैकमेल कांड के आरोपियों को कोर्ट में पेश किया।

अजमेर/ बिजयनगर, (कासं)। अजमेर संभाग के ब्यावर जिले के बिजयनगर में स्कूल बालिकाओं के साथ ब्लैकमेल कांड मामले में मंगलवार को चार आरोपियों को पुलिस ने अजमेर की पॉक्सो कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायाधीश ने न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए। आरोपियों की पेशी के दौरान कोर्ट परिसर छावनी में तब्दील हो गई। मालूम

- **कोर्ट ने न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जेल**

हो कि पूर्व में पेशी के दौरान वकीलों ने आरोपियों की पीटाई कर दी थी।

रिमांड समाप्त होने पर चार आरोपियों की पेशी: बिजयनगर थाना प्रभारी करण सिंह ने बताया कि चार आरोपियों की पांच दिन का पुलिस रिमांड समाप्त होने पर लुकमान उर्फ सोहेब, सोहेल मंसूरी, रिहान मोहम्मद और अफराज को कोर्ट में लेकर पहुंचे थे। अजमेर पॉक्सो कोर्ट में पेशी के दौरान सीओ रूद्रप्रकाश सहित चार थानों की पुलिस का जाप्ता तैनात रहा। थाना प्रभारी करण सिंह ने बताया कि चोरों आरोपियों से रिमांड अवधि के दौरान गहन पूछताछ की गई। इनसे कई अहम सुराग पुलिस को मिले हैं। लुकमान और सोहेल ने पीडिताओं को मोबाइल फोन दिए थे। इस प्रकरण में पूर्व पार्षद से गहन पूछताछ जारी है। सभी आरोपियों को आमने-सामने बैठाकर भी पूछताछ की जाएगी।

आरोपियों की होगी क्रॉसटेली पूछताछ: - सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि बिजयनगर ब्लैकमले कांड के चार आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए थे, जिसके आधार पर उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर 5 दिन के रिमांड पर लिया था।

मंगलवार को रिमांड अवधि समाप्त होने पर पुनः कोर्ट में पेश किया गया। रिमांड के दौरान आरोपियों के मोबाइल नंबर और गाडियो की जांच की गई। पुलिस ने कोर्ट में कहा कि अब इनसे आगे फिलहाल जांच की आवश्यकता नहीं है, जिस पर कोर्ट के न्यायाधीश ने चार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए। हालांकि जरूरत पडने क्रॉसटेली करने के लिए आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट के तहत गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर सकेगी। सरकारी वकील परिहार ने बताया कि चारों मुख्य आरोपी है, इन्होंने ही नाबालिग पीडिताओं को मोबाइल फोन दिए थे और उसे रेस्टोरेंट-कैफे में बुलाकर रोजा पढ़वाने के लिए मजबूर करते थे। मसूदा में बंद, सर्व समाज ने की फांसी की मांग- इस घटना को लेकर जन आक्रोश बढ़ता जा रहा है। आरोपियों को फांसी की मांग करते हुए सर्व समाज ने मंगलवार को मसूदा बंद रखा। स्थानीय लोग दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। बंद के दौरान कस्बे में सभी प्रतिष्ठान बंद रहे।

टैंट लगाने गए युवक को ले गए कार सवार, 4 दिन बाद मिला शव

श्रीगंगानगर। घड़साना में एक युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। टैंट हाउस पर काम करने वाले प्रवीण कुमार का शव सोमवार को मिला। वह 20 फरवरी से लापता था। घटना से आक्रोशित समाज के लोग मृतक के परिवार को मुआवजा, आरोपियों की गिरफ्तारी, दोषी पुलिसकमिर्यों के खिलाफ कार्रवाई व मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम की मांग को लेकर सीएचसी के सामने धरने पर बैठ गए।समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि युवक प्रवीण की मौत संदिग्ध हालात में हुई है, संभवतः इसकी हत्या की गई है। सूचना पाकर एडिशनल एसपी सुरेंद्र कुमार भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया। इसके बाद एडिशनल एसपी ने मृतक के परिजनों एवं समाज के लोगों से समझाइश कर निष्पक्ष कार्रवाई करने का भरोसा दिया। थाना प्रभारी महावीर प्रसाद ने बताया कि मृतक के भाई विकास कुमार की शिकायत पर पुलिस ने आशीष बिश्नोई और विशाल गोदारा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

- **परिजनों ने दो युवकों पर लगाया हत्या का आरोप**

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH NO. 07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for transportation of water through tanker under Division Karauli are invited from interested bidders up to 27.02.2025 other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.
NIB CODE: PHE2425A4606

S.No.	NIT NO.	UBN
1.	125/2024-25	PHE2425WSOB09958
2.	126/2024-25	PHE2425WSOB09959
3.	127/2024-25	PHE2425WSOB09960
4.	128/2024-25	PHE2425WSOB09961
5.	129/2024-25	PHE2425WSOB09962
6.	130/2024-25	PHE2425WSOB09963
01	Total work	06
02	Total Estimate Cost	160.00 Lac
03	Bid submission end date	27.02.2025 up to 6.00 PM
04	Bid opening date	28.02.2024 at 03.00 PM

DIPR/C/2279/2025 (Vijay Kumar Meena) Executive Engineer PHED Division Karauli

वैदिक मंत्रोच्चार से महादेव मंदिर में मूर्ति स्थापना

मंदिर में हरीश कुमार की तरफ से भोलेनाथ की बड़ी प्रतिमा भेंट की गई।

- **अमरेश्वर महादेव मंदिर में मूर्ति स्थापना कार्यक्रम एवं पूजा अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम मंगलवार को बड़ी धूमधाम के साथ संपन्न हुआ**

अजमेर (कासं)। अमरेश्वर महादेव मंदिर में मूर्ति स्थापना कार्यक्रम एवं पूजा अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम मंगलवार को बडी धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।

आरपीएसएसी अमरदीप कॉलोनी के अध्यक्ष आनंद माथुर एवं महिला मोर्चा समन्वयक नीतू बंसल ने बताया कि मंदिर में हरीश कुमार की तरफ से भोलेनाथ की बडी प्रतिमा भेंट की गई, जिसका 25 फरवरी को पंडितो द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस कार्यक्रम क्षेत्रवासियो ने बड चढ कर बडे उत्साह के साथ भाग लिया। मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमे क्षेत्रवासियों ने भोलेनाथ के मनमोहक भजनो की प्रस्तुति दी गई। इसके मंदिर मे रात्रि जागरण का आयोजन किया गया, जिसमे भजन गायक कलाकारो ने एक से बढकर एक भजनो की प्रस्तुति दी, जहां श्रोताओ ने बडे उत्साह के साथ भजनो का आंनद लिया। इस दौरान कार्यक्रम मे आरपीएससी अमरदीप कॉलोनी के संरक्षक अरविंद शर्मा, रामस्वरूप काबरा, मंदिर समन्वयक राजेन्द्र भटनागर, नरेन्द्र सिंह शेखावत, चेतन उपाध्याय, चिरंजीलाल, जवाहर गुलाबचंदानी, सीमा राजेन्द्र बागडी, अमित टांक, सांवर प्रजापति, पुरूषोउत्तम बसरानी, झामन दास, कमलचंद जैन, राजेश जैन, मदन लाल गौड सहित क्षेत्रवासियो का सहयोग रहा।

ईपीएफओ कर्मचारी को किया ट्रैप

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर सीबीआई की टीम ने भीलवाड़ा में कार्रवाई करते हुए ईपीएफओ के कर्मचारी अक्षय मीणा उर्फ कृष्ण कांत को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। एक विधवा महिला की पेंशन शुरू करने के बदले रिश्वत मांगे जाने के मामले में की गई इस कार्रवाई के बाद सीबीआई ने उसे कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया। मंगलवार को रिमांड अवधि खत्म होने पर दोपहर बाद उसे दुबारा कोर्ट में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। सीबीआई के अनुसार भीलवाड़ा के हुरडा तहसील के तसवारिया में हरिपुरा निवासी जसराज कुम्हार की ओर से सीबीआई जोधपुर में एक शिकायत दी थी। इसमें बताया गया कि उसके पिता भंवरलाल आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड (मयूर मिल) में काम करते थे। वहां से वर्ष 2006 में सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें 819 रुपए मासिक पेंशन मिलती थी। गत 24 जुलाई 2021 को परिवादी के पिता का निधन हो गया। इसके बाद मृतक की पत्नी नोरतीदेवी की पेंशन शुरू होनी थी लेकिन अब तक यह पेंशन शुरू नहीं हो पाई है। इसी मामले को लेकर परिवादी भीलवाड़ा स्थित ईपीएफओ कार्यालय पहुंचा और वहां कार्यरत बाबू अक्षय मीणा से मिला। तब उसने विधवा की पेंशन शुरू कराने की एवज में रिश्वत मांगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड जालोर
क्रमांक-अअ/जा/2024-25/3735 दिनांक-11.02.2025

निविदा सूचना संख्या-18 वर्ष 2024-2025
NIB NO.

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. लाख है के लिए ईटेण्डरिगं प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	18 फरवरी 2024, 9.30 बजे से 27 फरवरी 2025, सायं 06.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http:/ sppp.rajasthn.gov.in व http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर क माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।
UBN NO. PWD2025WSOB15020, PWD2025WSOB15021, PWD2025WSOB15022

DIPR/C/2220/2025 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड जालोर

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र की 61 बीघा जमीन गायब

- **एनआरसीसी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर गुहार लगाई की 61 बीघा जमीन दिलाई जाए**
- **हकीकत ये है कि एनआरसीसी की 61 बीघा जमीन पर कब्जा हो गया।**

बीकानेर। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र की 61 बीघा जमीन खो गई। अब कलेक्टर को एनआरसीसी ने पत्र लिखा कि मेरी 61 बीघा जमीन दिलाई जाए। एनआरसीसी ने खसरे नंबर भी बताए और ये भी बताया कि कौन से खसरे में कितनी जमीन गायब है। जमीन की नापजोख हो तो गुम जमीनों का आकड़ा और बढ़ सकता है।

20 सितम्बर 1995 को क्रमोन्नत कर एनआरसीसी का गठन हुआ था। केन्द्र के पास करीब 2000 जमीन है। इतनी जमीन इसलिए क्योंकि यहां ना सिर्फ ऊंटों पर अनुसंधान होता है बल्कि उनके लिए चरागाह और फार्म भी हैं। मगर अब उसकी 61 बीघा जमीन गायब हो गई। खसरा नंबर 50 में चार बीघा जमीन गायब है। 52 नंबर खसरे में करीब 57 बीघा जमीन गायब हो गई। हालांकि एनआरसीसी गायब शब्द उपयोग में ले रहा है। जबकि हकीकत ये है कि एनआरसीसी की 61 बीघा जमीन पर कब्जा हो गया। भूमाफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि केन्द्र सरकार के अनुसंधान केन्द्र की जमीन भी नहीं छोड़ी। सरकारी विभाग होने के कारण इसकी जमीन की नापजोख कभी भी हो सकती है। बावजूद इसके केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र की जमीन पर कब्जा हो गया। कुछ कब्जे एनआरसीसी को साफ दिख भी रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि एनआरसीसी के पास करीब चार खसरों में जमीन मिली है। जिसमें 50, 51, 52 में सर्वाधिक जमीन है। इन्हीं में 50 और 52 नंबर खसरे की जमीन पर खुला कब्जा है। एक अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर कहा कि गंदे पानी के भराव स्थल समेत कुछ आसपास के इलाकों की अगर पैमाइश हो जमीन सामने आ सकती है। केन्द्र सरकार के अनुसंधान केन्द्र की जमीन बचानी है तो प्रशासन को बड़ा एक्शन लेना होगा। नगर निगम, बीकानेर विकास प्राधिकरण और प्रशासन के रेवेन्यू विभाग की संयुक्त टीम से सर्वे कराना होगा। अगर सर्वे होगा इस इलाके में कब्जे की कई परतें खुलेंगी। क्योंकि ये इलाका अब विकसित होने लगा है तो लोगों की नजरें गई हैं वरना इससे पहले तो किसी ने ध्यान ही नहीं दिया। हालांकि ये भी कहा जा रहा कि कुछ जमीन तो सड़क में भी उपयोग में ली गई लेकिन 61 बीघा जमीन बहुत बड़ी होती है। एनआरसीसी को बीकानेर प्रशासन ने जमीन आवंटित की थी। जमीन का मालिकाना हक भी एनआरसीसी के पास है। जमीन को बचाने की पहली जिम्मेवारी एनआरसीसी की थी। जब पहली बार जमीन पर कब्जा हो रहा था उस वक्त एनआरसीसी को विरोध दर्ज कराना चाहिए था। एफआईआर करानी चाहिए थी। मगर जब कब्जा होता रहा। 61 बीघा जमीन हाथ से निकल गई जब प्रशासन से जमीन दिलाने के लिए पत्र लिखा। हालांकि अब भी अगर सर्वे होगा तो बीडीए, नगर निगम की जमीनों के हालात भी सामने आएंगे। क्योंकि अभी कई विभागों को अंदाजा नहीं कि उनकी जमीन के वहां क्या हालात हैं। - डॉ.एस.के.घुरई, कार्यवाहक निदेशक एनआरसीसी का कहना है कि कब्जे हो रहे हैं। सामने दिख रहे हैं। हम लोग कुछ बोलते हैं तो लोग झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं।

In The High Court of Judicature for Rajasthan at Jaipur
S.B./DB/PIL Civil Writ Petition No. /2025
Any person/Company/Society/Stack Holders/Firm ...Petitioner
Versus
Kota Development Authority through its Secretary, CAD Circle, Kota ....Respondent

Application under Rule 159 of Rajasthan High Court Rules for entering into Caveat

MAY IT PLEASE YOUR LORDSHIPS:
Your Lordship humble applicant wants to enter into caveat under Rules 159 of the Rajasthan High Court Rules and let nothing be done till the applicants are heard. in the matter.
The particulars of the S.B./DB/PIL Civil Writ petition which is likely to be filed are given below.
The S.B./DB/PIL Civil Writ Petition may be filed by the following person:
Any person/Company/Society/Stack Holders/Firm etc.
The S.B./DB/PIL Civil Writ Petition may be filed against:-
Kota Development Authority through its Secretary, CAD Circle Kota.
That the S.B./DB/PIL Civil Writ petition may is likely to be filed in the matter of Khasra No. 271, 273 and 124 to 131, 133, 134 and Block-A, Khasra No. 110, 112, 142, 142/273, 142/274, 142/275, 142/276, 144, 144/277, 144/278, 144/279, 144/280, 144/281 total 13 and Block-B, 148, 151, 154, 155, 157, 157/283 to 157/291, 159/262, 160/295, 173, 173/299, 175/301 and in addition to nearby the proposed scheme Khasra No. 106, 160, 160/296, 160/297, 160/298, 157/292, 157/293 situated at Village Govindpur Babdi and Ballop District Kota for proposed new residential scheme.
The Vakalatnama on behalf of Kota Development Authority through its Secretary is submitted herewith.
It is therefore humbly prayed that nothing be done in the case till the applicants are heard.

Jaipur, Dated : 25.02.2025

HUMBLE Applicant
Kota Development Authority
Through Counsel:
(Satyanarayan Kumwat) Advocate
R/571/1993
(M) 9314883733
emailID-snkumawat5039@gmail.com

आरोपी बरी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में आरोपी पंकज को दुष्कर्म के आरोप से बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गर्ग की पीठ ने निचली अदालत के फैसले को रद्द किया। जब आरोपी पंकज पर एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म और मारपीट का आरोप लगा था। निचली अदालत ने पंकज को पॉक्सो अधिनियम के तहत दोषी ठहराते हुए उसे अधिकतम 20 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई थी लेकिन उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि पीड़िता ने अपने बयान में दुष्कर्म के आरोपों का समर्थन नहीं किया।

साले ने की जीजा से 60 लाख की धोखाधड़ी

- **प्लॉट बेचने के नाम धोखाधड़ी का आरोप, बोले-जमीन और रुपए भी नहीं लौटाने का मामला**

पाली, (नि.सं.)। पाली के कोतवाली थाने में एक जीजा ने अपने ही साले पर प्लॉट बेचने के नाम पर 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया कि साले ने पाली में जो प्लॉट उसके नाम करा चारदीवारी पर रुपए खर्च कराए। उस प्लॉट को आरोपी ने पूर्व में किसी और को बेच दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कोतवाल अनिल कुमार ने बताया कि पाली जिले के रानी के निंबाड़ा गांव हाल मैसूर निवासी सुरेंद्रसिंह पुत्र देवीसिंह राजपुरोहित ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बापू नगर विस्तार निवासी दिनेश सिंह राजपुरोहित पुत्र मालमसिंह जो रिश्ते में उसका साला लगता है। जिसने यह कहते हुए प्लॉट खरीदने के झांसे में लिया कि मैसूर से पाली आते-जाते रहने के कारण उन्हें पाली में प्लॉट लेना चाहिए। पाली में मरूधर केसरी नगर विकसित कर उसके नाम की 5 बीघा जमीन में प्लॉट काटकर बेचने की बात कही। आरोप है कि दिनेश सिंह ने पांच-पांच लाख रुपए में उक्त योजना में भुखण्डो संख्या 38 और 39 को उसके नाम एग्रीमेंट कराया और डेढ़ लाख रुपए खर्च करवा चारदिवारी बनवा दी। दोनों प्लॉट का बेचान पंजीयन कराने को कहा, लेकिन वह टालता रहा। कुछ माह पहले सुरेंद्रसिंह को पता चला कि साले दिनेशसिंह ने धोखा करते हुए भूखंड का 2020 में बेचान पंजीयन कांतिलाल के नाम करवा रखा है।

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 03)/2025/ई-10196

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-(ERCC/RCC 03)/2025

सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसो व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयन शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 50 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेट फार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/2247/2025 (दीपक तॅवर) निदेशक

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
रजि. कार्यालयः विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर 302005
कार्यालय अधीक्षण अभियंता (कुसुम)
पुराना पावर हाउस राम मंदिर, जयपुर-302006 Energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, ईमेल: sekusum@jvvnl.org

ई- अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interested) सूचना

RESCO प्रणाली के माध्यम से ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों के COD से 25 वर्षों के लिए रूप-रेखा, सर्वेक्षण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव के लिए पात्र बोलीदाताओं से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interested) में ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कुसुम योजना घटक A के तहत JVVNL में 11kV फीडरों से जुड़े कृषि उपभोक्ताओं के सौरकरण हेतु 11kV लाइन के माध्यम से 33/11kV सब-स्टेशनों और सौर ऊर्जा संयंत्रों के RMS को जोड़ा जाना है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध लिंक NIT No. JVVNL/ACE (PPM)/SE(KUSUM)/XEN(Kusum)/ KUSUM-A/TN-04 के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में, किसी भी शुद्धिपत्र अथवा विस्तार की सुचना, केवल वेब साइट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov पर प्रकाशित की जाएगी।
UBN is: VVN2425WLOB01213
जेपीआर-2958 (2025)
राज.संवाद/सी/24/12237

अधीक्षण अभियंता (कुसुम)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)
(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड - 306401)
(टेली-फैक्स : 02932-221301, ई-मेल : cmcpali@yahoo.co.in, वेब-साईटः www.mcpali.com)
क्रमांक प. 12( )/विकास/2024-2025/10 दिनांक 20.02.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 10/2024-2025

नगर निगम, पाली की ओर से स्वायत्त शासन विभाग/नगर निगम, पाली से पंजीकृत या अन्य विभागो में "ए" अथवा "एए" श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से 7 कार्यो की (अनुमानित लागत रू 55.00 लाख) ऑनलाईन निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। संवेदक दिनांक 21.09.2025 को प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 04.03.2025 को सांय 6.00 बजे तक आर्नलाईन निविदाऐ जमा करा सकते है। निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण वेबसाई http://spp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in से तथा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। उक्त 07 कार्यो के यूबीएन संख्या निम्नानुसार है।

DLB2425WSOB17731 DLB2425WSOB17729 DLB2425WSOB17733
DLB2425WSOB17736 DLB2425WSOB17737 DLB2425WSOB17738
DLB2425WSOB17727

राज.संवाद/सी/24/12255 आयुक्त, नगर निगम, पाली

कोटा में प्रदेश और जिला प्रभारी के सामने बिफरे कांग्रेसी

कोटा में कांग्रेस पदाधिकारी के सामने कांग्रेसी कार्यकर्ताओ और नेता द्वारा नाराजगी जताई गई है।

- **जिला अध्यक्ष के खिलाफ की नारेबाजी**
- **अनुशासनहीनता के नाम पर सख्त नजर नहीं आ रही कांग्रेस**

कोटा, (निसं)। कोटा में कांग्रेस का आपसी टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई मौकों पर कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता संगठन प्रमुख पर आरोप लगाते ही रहे हैं और इस दौरान सार्वजनिक तौर पर विवाद भी खड़ा होता रहा है। इन घटनाक्रमों की जानकारी जिला प्रभारी के पास भी है परंतु अनुशासनहीनता पर अभी तक कोई कार्रवाई कांग्रेस की तरफ से नहीं हुई है। अब आलम यह है कि कांग्रेस नेता सरकार से लड़ने की रणनीति बनाने के लिए अलग-अलग जिलों के दौरे पर जा रहे हैं।

ऐसे ही सह प्रभारी राजस्थान पूनम पासवान और विराटनगर के पूर्व विधायक इंद्रराज गुर्जर कोटा पहुंचे लेकिन उनके सामने ही कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता बिफर पड़े। जिला अध्यक्ष रविंद्र त्यागी का विरोध कार्यकर्ताओं ने शुरू कर दिया। कुछ कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें कार्यक्रम नहीं करने दिया जाता है। साथ ही जिला अध्यक्ष मुरदाबाद के ही नारे लगाने लगे। यह पूरा घटनाक्रम मंगलवार को कोटा सर्किट हाऊस में हुआ जहां पर सह-प्रभारी के स्वागत के लिए कार्यकर्ता पहुंचे हुए थे। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें किसी भी तरह के कोई आयोजन की सूचना नहीं दी जाती है। ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम में कैसे पहुंचेगा। विरोध कर रहे संजय यादव ने यह भी कहा कि पार्टी ने मंडल अध्यक्ष बनाए हैं लेकिन उन्हें कार्यक्रम में जाने का अधिकार ही नहीं है।

जिला प्रभारी इंद्रराज गुर्जर ने इस संबंध में विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं से समझाईश भी की। साथ ही उनकी शिकायत को उचित स्तर पर पहुंचाने और समाधान दिलाने की बात कही है। विरोध करने पहुंचे लोगों में महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम सहित कई नेता शामिल थे। महिला कांग्रेस की शहर जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम ने आरोप लगाया है कि देहात के मंडल अध्यक्षों को कार्यक्रम में बुलाया है।

मीटिंग की सूचना दी गई है जबकि शहर के मंडल अध्यक्षों को इसकी सूचना नहीं दी गई है। ब्लॉक अध्यक्षों की तरफ से जिला पदाधिकारी के स्वागत के कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यालय की चाबी नहीं देने की शिकायत भी की है। साथ ही जिला अध्यक्ष को बदलने की मांग भी की है। काफी साल रविंद्र त्यागी को जिला अध्यक्ष बने हुए हो गए हैं ऐसे में नई ऊर्जा के साथ दूसरे को मौका मिलना चाहिऐं। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष विशाल मेवाड़ा का कहना है कि जिला अध्यक्ष रविंद्र त्यागी की कार्यशैली पर सवालिया निशान है। यहां तक कि कांग्रेस से जुड़े संगठनों की बैठक करने के लिए भी कार्यालय नहीं मिलता है। कांग्रेस में विरोध का सिलसिला यही नहीं थमा। निजी होटल में कांग्रेस की बैठक में भाग लेने के लिए कुछ पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे तो उन्होंने मौके पर ही इस बात को लेकर नाराजगी जतानी शुरू कर दी कि उन्हें बैठक में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा तथा धक्का मार के बाहर निकाला जा रहा है। इस बात को लेकर कुछ देर तक होटल में ही गहमागहमी का माहौल बना रहा। वहीं दूसरी तरफ जब कांग्रेस के पदाधिकारी पत्रकार वार्ता में आए तो उन्हें कांग्रेस मे हो रही अनुशासनहीनता के सवालों का सामना करना पड़ा।

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-F.32 (B) (1) (After Policy-2025-26)EX/L/2025-04359/1519 दिनांकः 25.02.2025

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचनाः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा कमांक प.4 (1) वित्त/आब/2025 दिनांक 29 जनवरी, 2025 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 के प्रावधानानुसार मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिय विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	11.03.2025	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रकियानुसार दिनांक-26.02.2025 प्रातः 11.00 बजे से एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रू. 10,000 के गुणांक से बढाकर बोली लगानी होगी।
4. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस / पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
5. कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
6. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नही ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
7. प्रत्येक कलस्टर के लिये ऑनलाईन निलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी।
8. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
9. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
10. वर्ष 2025-26 के पात्र अनुज्ञधारियों को वर्ष कमशः 2026-27, 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तों पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
11. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
12. मदिरा कलस्टर के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
13. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगे।

DIPR/C/____/2025 आबकारी आयुक्त, राजस्थान

डोटासरा के अपशब्दों से विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की आँखों में छलके आंसू

सदन में रोते हुए स्पीकर ने कहा, ''इस अपमान के लिए कुर्सी पर नहीं बैठा, कुर्सी की अपनी गरिमा होती है''

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज विधायक गोविंद सिंह डोटासरा के अपशब्दों से विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी के आंसू छलक पड़े। सदन में रोते हुए स्पीकर ने कहा, ''इस अपमान के लिए कुर्सी पर नहीं बैठा, कुर्सी की अपनी गरिमा होती है।''

देवनानी ने कहा कि डोटासरा और विपक्ष के सदस्यों ने अध्यक्ष के लिए जिस प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल किया है, उसके लिए उन्हें क्या सजा दी जानी चाहिए. इसका निर्णय में सदन में बैठे सदस्यों पर छोड़ता हूं। देवनानी ने कहा कि आज में इस आसन से व्यवस्था देता हूं कि जब भी कोई पक्ष-विपक्ष का सदस्य आसन की तरफ बढ़ेगा तो वह स्वत: ही निलंबित माना जाएगा।

विधानसभा में सदस्यों की चर्चा के बाद अध्यक्ष वासुदेव ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा के सदस्य ने जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया, वे न केवल राजस्थान विधानसभा के, बल्कि देश के राजनीतिक इतिहास में इस तरह से कभी नहीं बोले गए। उनके इस तरह के बयानों ने मुझे बहुत ज्यादा आहत किया है। मैं अपमान सहने के लिए नहीं बैठा हूं। अब मैं सदस्यों पर ही निर्णय लेने की जिम्मेदारी छोड़ता हूं।

भावुकता को कमजोरी ना समझे : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि उनकी भावुकता को कमजोरी ना समझा जाए। उन्होंने कहा मानवीय भावनाओं के कारण सदन में मर्यादाओं के उल्लंघन करने वालों की बातों से उनके मन को काफी ठेस पहुंची थी, जिसके कारण वे मंगलवार को सदन में भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि सदन में मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं होने दिया जाएगा। देवनानी ने कहा कि वे सदन में पक्ष और प्रतिपक्ष में भेदभाव नहीं करते हैं। उनका प्रयास रहता है कि प्रत्येक सदस्य को सदन में बोलने का मौका मिले। यह सदन पवित्र सदन है। जनता का सदन है। जनता का मान मर्यादा का पालन सदन में प्रत्येक सदस्य से कराना उनका दायित्व है। देवनानी ने कहा कि मंगलवार को सदन में उनकी भावुकता की स्थिति में विभिन्न दलों के विधायकगण ने उनके प्रति सहानुभूति की जो भावना व्यक्त की है, उसके लिए वे सभी सदस्यों के आभारी हैं।

■ **मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं होने दिया जाएगा सदन में**

देवनानी ने कहा कि सदन में गतिरोध की स्थिति में उसे समाप्त करने के लिए उन्होंने हर स्तर पर प्रयत्न किया। उनका प्रयास था कि हर हाल में गतिरोध समाप्त हो और सदन चले। इसके लिए उन्होंने पक्ष और प्रतिपक्ष की बातें सुनी। उनको माना लेकिन इसके बावजूद भी कुछ सदस्यों का व्यवहार सदन की मर्यादा के विपरीत था।

देवनानी ने कहा की कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा हो, वे सदन को हाईजैक नहीं करने देंगे। श्री देवनानी ने कहा कि सदन की कार्रवाई को वे बिना गतिरोध के नियमित रूप से चलने का पूरा प्रयास करेंगे।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा को वे देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनाना चाहते हैं, इसके लिए वे निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। उनका मानना था कि इस कार्य में 16वीं राजस्थान विधानसभा के प्रत्येक सदस्य की भी महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन कुछ विधायकगण के व्यवहार से बहुत व्यथित हुए हैं। देवनानी ने कहा कि वे कठोरता से सदन में अनुशासन के साथ नियमों का पालन कराएंगे। इसके लिए वे हर स्तर पर प्रयास करेंगे।

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को बताया वन स्टेट-वन इलेक्शन प्रस्तावित

जयपुर। प्रदेश की 6759 ग्राम पंचायतों के चुनाव स्थगित कर उनमें प्रशासक लगाने के खिलाफ दायर याचिका में राज्य सरकार की ओर से जवाब पेश किया गया है। राज्य सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मामले की सुनवाई 3 मार्च तक टाल दी। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश गिरिराज सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब पेश कर कहा गया कि प्रदेश में वन स्टेट-वन इलेक्शन का परीक्षण प्रस्तावित है और इसके लिए उच्चस्तरीय कमेटी का भी गठन किया जाना है। यह कमेटी नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तिकरण और धन, श्रम व समय की बचत को लेकर परीक्षण करेगी। फिलहाल पुनर्गठन और परिसीमन का काम चल रहा है। इसलिए पंचायत चुनाव स्थगित किए गए हैं। राज्य सरकार की ओर से अपने जवाब में कहा गया कि पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत जिन पंचायतों के चुनाव स्थगित किए है, उनमें प्रशासक लगाए गए हैं।

मदन राठौड़ ने महाकुंभ में किया स्नान

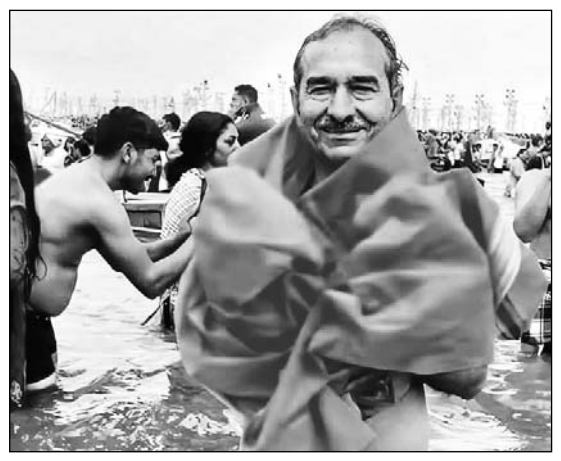

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को महाकुंभ में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। राठौड़ परिवार सहित प्रयागराज पहुंचकर त्रिवेणी संगम पर मां गंगा से पूजा अर्चना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार महाकुंभ के दुर्लभ संयोग के चलते श्रद्धालुओं की अच्छी संख्या के लिए विशेष व्यवस्था की थी। 144 साल बाद आने वाले इस दुर्लभ खगोलीय महाकुंभ में प्रशासन जहां 50 करोड़ के करीबन अनुमान लगा रहा था, वहीं देश-दूनिया के करीबन 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम पर डूबकी लगाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योगी सरकार ने हर श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की।

मदन राठौड़ ने कहा कि संत-महात्माओं के साथ समाज और आमजन के लिए त्रिवेणी संगम पर विशेष इंतजाम किए गए थे।

अवैध गैस रिफिलिंग करने वाले चढे पुलिस के हत्थे

जयपुर। जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) पूर्व जयपुर की टीम ने रामनगरिया थाना इलाके में पुलिस ने अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक कांटा, एक गैस भरने की मोटर व बाईस इंडेन और भारत गैस के सिलेंडर जब्त किए। वहीं एयरपोर्ट थाना इलाके में भी खिलाफ अवैध गैस रिफिलिंग की कार्यवाही करते हुए एक वजन तोलने का कांटा, एक मोटर गैस भरने कि व आठ गैस सिलेंडर जब्त किए।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध रूप से हो रही गैस रिफिलिंग की सूचना मिलने पर पहली कार्रवाई रामनगरिया थाना इलाके में करते हुए रोहिताश बिश्नोई (19) निवासी गांव लोहावट (जोधपुर) गैस भरते हुए मिला। इससे एक वजन तोलने का कांटा, एक गैस भरने कि मोटर कुल बाईस सिलेंडर इंडेन और भारत गैस के मिले। इसमें 17 सिलेंडर भरे हुए और 5 खाली सिलेंडर जब्त किए गए।

जिला स्पेशल टीम जयपुर की टीम ने रामनगरिया थाना इलाके में पुलिस ने अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक कांटा, एक गैस भरने की मोटर व बाईस इंडेन और भारत गैस के सिलेंडर जब्त किए।

राजस्व गांव को समाप्त करने पर यथा-स्थिति

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीकर के राजस्व गांव महला की ढाणी को समाप्त कर उसे पास के दूसरे गांव में शामिल करने पर यथास्थिति के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने मामले में एसीएस राजस्व, राजस्व मंडल, सीकर कलेक्टर और एसडीएम सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश खेमचंद महला की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान चौधरी और अधिवक्ता तरुण चौधरी ने अदालत को बताया कि महला की ढाणी को साल 2004 में स्थानीय पंचायत के प्रस्ताव पर राज्य सरकार ने गांव आंतरी से अलग राजस्व ग्राम घोषित किया था। विभाजन के बाद आंतरी गांव की जनसंख्या 683 और महला की ढाणी की 880 थी। इसके बाद प्रशासन ने स्थानीय ग्रामीणों के सभी दस्तावेज अलग राजस्व ग्राम के नाम से बना दिए। वहीं साल 2023 में पंचायत ने स्थानीय ग्रामीणों को सूचित किए बिना इसे वापस आंतरी गांव में शामिल करने का प्रस्ताव लेकर उसे जिला प्रशासन में भेज दिया। इसके बाद मामला राजस्व मंडल गया और मंडल ने इस विलय की अधिसूचना जारी करने के लिए मामला राज्य सरकार को भेज दिया। याचिका में कहा गया कि 250 लोगों की आबादी पर अलग राजस्व ग्राम बनाने का प्रावधान है। वहीं महला की ढाणी की जनसंख्या आंतरी गांव से काफी अधिक है। ऐसे में बड़े गांव का विलय छोटे गांव में नहीं हो सकता। इसके अलावा यह कार्रवाई स्थानीय ग्रामीणों को बिना जानकारी देकर दी गई है। ऐसे में याचिकाकर्ता के गांव के विलय की कार्रवाई को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने मामले में यथास्थिति के आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

विधानसभा में विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ प्रश्नकाल

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में मंगलवार को विपक्ष की गैर मौजूदगी में सदन की कार्यवाही चली। प्रश्नकाल में किसी भी विपक्ष के सदस्य का कोई सवाल जवाब नहीं हुआ। सदन में सिर्फ सत्ता पक्ष और निर्धारित विधायकों ने ही सवाल किए। प्रश्नकाल के दौरान प्रदेश में स्मार्ट पीडीएस योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में सृजित पदों, संविदा पदों का मानदेय निर्धारित करने, डीडवाना विधानसभा क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए संचालित योजना सहित कई प्रश्नों के सवाल-जवाब हुए। हालांकि प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक मनीष यादव के प्रदेश में मातृ वन की स्थापना के सवाल को विधानसभा अध्यक्ष ने महत्वपूर्ण बताते हुए स्वयं पूछा, सवाल का जवाब आता उससे पहले ही प्रश्नकाल का निर्धारित समय समाप्त हो गया।

■ **स्पीकर ने पूछे कांग्रेस विधायकों के सवाल**

विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के साथ सदन कार्यवाही शुरू हुई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का पहला ही सवाल था, जिसमें उन्होंने भर्ती परीक्षा में अनियमितताओं की जांच को लेकर सवाल लगाया था, लेकिन डोटासरा को विधानसभा सदन की कार्यवाही निलंबन के चलते उनके नाम को नहीं पुकारा गया।उसके बाद अगला सवाल भी कांग्रेस विधायक डॉ. दयाराम परमार का लगा हुआ था, विधानसभा अध्यक्ष ने परमार का नाम पुकारा, लेकिन विपक्ष की सदन की कार्यवाही से बहिष्कार के चलते सवाल- जवाब नहीं हुए।

प्रदेश में राशन की दुकानों पर केंद्र सरकार की स्मार्ट पीडीएस योजना की स्थिति को लेकर बीजेपी विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने सवाल किया कि उचित मूल्य की दुकानों पर खाद्य सामग्री के गुणवत्ता सुनिश्चित करने खाद्य मानकों का उल्लंघन करने वालों की जांच के लिए कमेटी बनाई है क्या? इस पर खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट पीडीएस योजना चल रही है. प्रदेश में 25 हजार 527 उचित मूल्य दुकान को पोष मशीन, आईडीपीएस मशीन, इलेक्ट्रिक इलेक्ट्रॉनिक तोलन यंत्र दिया जा चुका है।इस योजना के माध्यम से एक करोड़ 63 लाख 45 हजार 18 राशन कार्डधारी लाभ ले रहे हैं।इसके अलावा 4 करोड़ 39 लाख 8 हजार 363 बायोमेट्रिक के जरिए राशन ले रहे हैं. हर महीने राशन वितरण किया जा रहा है. संबंधित लाभार्थी का बायोमेट्रिक विवरण होने से अनियमितता की संभावना कम है।

दुष्कर्म के बाद पहले चाकू से गला काटा और फिर कपड़े से गला घोट दिया

जयपुर। प्रतापनगर थाना पुलिस मासूम बालिका से दुष्कर्म और हत्या के मामले में हिरासत में लिए गए आरोपित से पूछताछ में सामने आया कि वह बालिका को झांसा देकर मकान में ले गया और वहां पर दुष्कर्म किया। बालिका के चिल्लाने पर पकड़े जाने के डर से आरोपी ने पहले चाकू से बालिका का गला काट दिया और फिर कपड़े से गला घोट दिया। हत्या करने के बाद आरोपी वहां से भाग निकला।

जांच अधिकारी एडिशनल डीसीपी (एसआईयू) ताराचंद ने बताया कि बालिका के लापता होने के मामले में जब आस-पास के सीसीटीवी खंगाले गए तो आरोपी और बालिका मकान में अंदर जाते तो नजर आ रहे है ।लेकिन वापस आरोपी अकेला ही आता है। इस पर मकान की तलाशी ली गई तो मकान की छत पर बालिका का शव मिला। आरोपी और बालिका के पिता पास ही एक ढाबे पर काम करते है और इसी मकान में किराए से रहते है। बालिका आरोपी को ठीक से जानती थी इसी कारण वह उसके साथ ढाबे से मकान पर आ गई। मामले में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। आरोपी से हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया जाएगा।

■ **पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा**

गौरतलब है कि सोमवार की शाम करीब सवा छह बजे परिजनों ने बच्ची के गुम होने की सूचना दी थी। पुलिस टीमों ने तलाश शुरू की तो साढ़े सात बजे बच्ची का शव मकान की छत पर मिला। मौके पर पहुंची एफएसएल सहित अन्य टीमों ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू की।

एडिशनल कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। बच्ची का परिवार बिहार का रहने वाला है। पिता यहां एक ढाबे पर काम करता है। उसी ढाबे पर एक माह पहले भरतपुर निवासी 25 वर्षीय युवक भी काम करने के लिए आया था। सोमवार शाम को बच्ची के माता-पिता काम पर गए थे। इस दौरान शाम 4 बजे आरोपी घर पहुंचा और बच्ची को बेसमेंट में ले गया। आरोपी ने बच्ची से रेप किया और हत्या कर दी।

घटना के दौरान बच्ची ने शोर मचाया तो आरोपी ने तौलिए से उसका गला घोंट दिया। इसके बाद शव को छत पर छिपा दिया। काम से लौटे परिवार वालों ने बच्ची की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली।

अपहरण और फिरौती मांगने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। कालवाड़ थाना पुलिस ने अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में कई समय से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी बदमाश को उसके एक अन्य साथी के साथ गिरफ्तार किया है। ईनामी बदमाश गजेंद्र सिंह उर्फ गज्जू नरुका (26) और मनोज कुमार उर्फ मनोज करौली (19) की गिरफ्तारी की गई हैं। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि अपहरण, लूट, फिरौती के मुकदमों में फरार चल रहे इनामी बदमाशों की धरपकड़ के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने विशेष अभियान चलाने का आदेश दे रखा है। इस पर सभी थाना अधिकारियों को टीम बनाकर अपराधियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे।

कॉल कान्फ्रेंसिंग तकनीकी से हो सकती है साइबर धोखाधड़ी

जयपुर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा द्वारा वर्तमान में साइबर ठगों द्वारा कॉल मर्जिंग (कॉन्फ्रेंसिंग) तकनीक से की जा रही साइबर धोखाधड़ी के संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है। साईबर ठग बातचीत के दौरान पीड़ित के फोन पर ओटीपी सत्यापन के लिए आ रहे बैंक के इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पांस (आईवीआर) कॉल को अपने साथी का होना बताकर पीड़ित को झांसे में लेकर कॉल को कॉन्फ्रेंसिंग में जुड़वाकर वेरिफिकेशन के लिये दी जा रही जानकारी को सुनकर ठगी कर रहे हैं।

महानिदेशक पुलिस, साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने एवं आमजन में साइबर अपराधों के प्रति

■ **पुलिस मुख्यालय की साइबर शाखा ने किया आगाह**

जागरूकता लाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय की साइबर क्राइम शाखा द्वारा राज्य में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में नेशनल पेमेंटस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने साइबर धोखाधड़ी के नये तरीके कॉल मर्जिंग (कॉन्फ्रेंसिंग) स्कैम के संबंध में चेतावनी जारी हैं। प्रियदर्शी ने बताया कि ''कॉल मर्जिंग'' (कॉन्फ्रेंसिंग) स्कैम में साइबर अपराधी, पीड़ित का बैंक डाटा व वित्तीय लेन-देन की जानकारी चोरी कर पीड़ित के बैंक व वित्तीय प्लेटफॉर्म में प्रवेश करने की प्रक्रिया शुरू कर ओटीपी के सत्यापन का विकल्प फोन कॉल चुनता है। इससे पहले ठग पीड़ित को पैसे कमाने का लुभावना ऑफर, नौकरी के लिये साक्षात्कार, निवेश में भारी मुनाफे का लालच देकर या अन्य वजह बता कॉल करता हैं। बातचीत के दौरान पीड़ित के फोन पर आ रहे बैंक के (वेरिफिकेशन) कॉल को अपने साथी का होना बताता है।

साइबर ठग पीड़ित को झांसे में लेकर के ओटीपी सत्यापन के लिए आ रहे कॉल को कोन्फ्रेंसिंग में जुड़वा कर पीड़ित द्वारा वेरिफिकेशन के लिये दी जा रही जानकारी को सुनकर पीड़ित के बैंक व वित्तीय प्लेटफॉर्म में प्रवेश कर राशि की ठगी कर लेते हैं।

झारखंड महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर कड़े इंतजाम

जयपुर। पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस थाना वैशाली नगर अंतर्गत क्विंस रोड स्थित झारखंड महादेव मंदिर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उक्त कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इस अवसर पर आपराधिक घटनाएं होने की संभावना मध्यनजर एवं जेब कतरों एवं आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों पर निगरानी रखने की अत्यधिक आवश्यकता रहती है। अत: महाशिवरात्रि पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एवं आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में 100 से अधिक कैमरे लगवाए गये है। जिससे कि प्रत्येक व्यक्ति के मूवमेंट का पता लगाया जा सके। पुलिस द्वारा मंदिर परिसर एवं आस पास के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त कैमरों का भी प्रयोग किया गया है। कोई अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति एआई कैमरों के सामने से निकलेगा तुरंत ही उसकी पहचान सुनिश्चित हो जायेगी।

पी.एच.क्यू. से लक्ष्मी मंदिर चौराहा तक सड़क सीमा में हटाए अतिक्रमण

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण में जोन पीआरएन-साउथ में शिव विहार विस्तार के भूखण्ड संख्या-31 जनक पैराडाईज में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ निर्माणाधीन 4 अवैध दुकानें, टीनशेडनुमा स्ट्रेक्चर को ध्वस्त किया गया। साथ ही जोन-3 में लालकोठी योजना पुलिस हैड क्वार्टस मोड से सहकार मार्ग से लक्ष्मी मंदिर चौराहा तक रोड़ सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित षिव विहार विस्तार के भूखण्ड संख्या-31 जनक पैराडाईज में व्यवसायिक निर्माणाधीन 4 अवैध दुकानों के लिए बनी सीमेन्ट के ब्लॉक की बाउण्ड्रीवाल, टीनशेडनुमा स्ट्रेक्चर व अन्य अवैध निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-3 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित लालकोठी योजना पुलिस हैड क्वार्टस मोड से सहकार मार्ग से लक्ष्मी मंदिर चौराहा तक रोड़ सीमा में करीब 50 स्थानों पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से लगाये गये थडी, ठेलें, तिरपाल, बांस तम्बू इत्यादि किये गये अतिक्रमणों को आज जोन-3 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-पी.आर.एन.(साउथ), 3 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

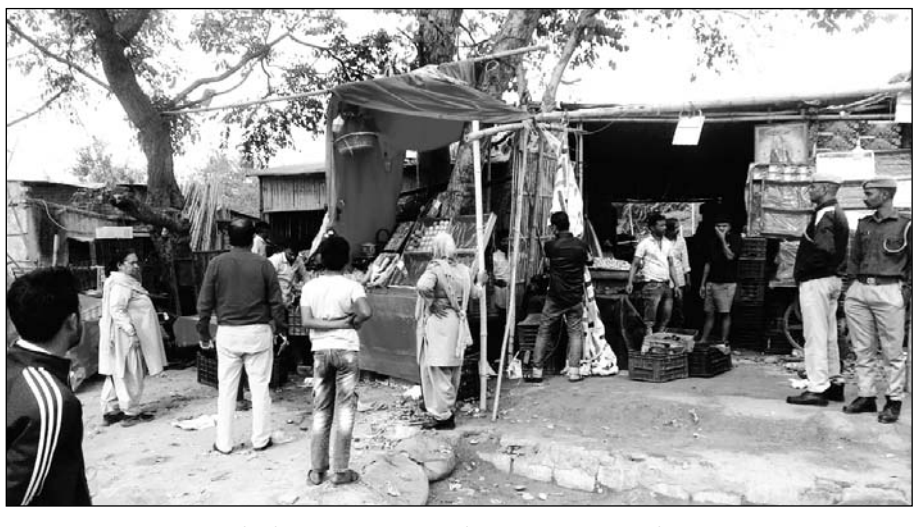

जयपुर विकास प्राधिकरण में जोन पीआरएन-साउथ में शिव विहार विस्तार के भूखण्ड संख्या-31 जनक पैराडाईज में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ निर्माणाधीन 4 अवैध दुकानें, टीनशेडनुमा स्ट्रेक्चर को ध्वस्त किया गया। साथ ही

युवक के खाते से निकाले लाख

जयपुर। बस में सफर के दौरान किसी ने युवक का मोबाइल पार कर लिया। इसके बाद उसके खाते से एक लाख रुपए निकाल लिए गए। मामले को लेकर पीडित ने गांधी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार अनुकम्पा रेजीडेंसी शांती नगर दुर्गापुरा निवासी चंद्र शेखर लोढ़ा ने मामला दर्ज करवाया कि वह दुर्गापुरा से बस में बैठकर नारायण सिंह सर्किल गया था। वहां पर उतरने पर जब उसने मोबाइल संभाला तो वह नहीं मिला।

सूने मकान में लाखों रुपये के जेवर चोरी

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में चोर मकान सूना पाकर लाखों रुपए के जेवरात व नगदी ले गए।

पुलिस के अनुसार महल योजना निवासी शुभम पारासर ने मामला दर्ज करवाया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था पीछे से चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और मकान से 5 लाख रुपए के जेवरात, एक लाख रुपए की नगदी, एसी के कॉपर पाइप, ढाई लाख रुपए के वायर सहित अन्य सामान ले गए। घटना का पता पीडित को वापस लौटने पर लगा। इस पर पीडित ने पुलिस की शरण ली। सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने साक्ष्य लेकर जांच शुरू कर दी है। चोर पीड़ित के घर से तीन सोने की अंगूठी, एक सोने की ईयररिंग, चांदी का ब्रेसलेट, चांदी का कडा, एक लाख रुपए की नगदी सहित अन्य सामान ले गए।

चलती कार में लगी आग, ब्रेक फेल, पांच जनों ने कूदकर बचाई जान

जयपुर। सिंवार मोड़ के निकट सिरसी रोड के निमेड़ा में चलती कार में आग गई। कार सवार 5 जनों ने कूदकर जान बचाई। सूचना पर बिंदायका फायर स्टेशन से 1 दमकल व बिंदायका थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आग बुझाने के प्रयास किए गए। इस कार में दूल्हा भी सवार था। जिसने भी कार से कूदकर अपनी जान बचाई।

पुलिस के अनुसार कार में पांच जने धानक्या से निमेड़ा एक शादी समारोह में जा रहे थे। कार में दूल्हा भी बैठा था। इसी दौरान निमेड़ा बस स्टैंड के पास कार के बोनट में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद चालक ने तेजी से ब्रेक लगाए और उसे साइड में किया। इसके बाद तुरंत कार का दरवाजा खोलकर बाहर कूद गया। तेज आग लगने पर कार में सवार अन्य लोग भी कार से भाग छूटे। कार का आगे का हिस्सा जलकर खाक हो गया।

दूल्हा अशोक छेड़वाल मुंडिया रामसर के रहने वाले हैं। कार में दूल्हा के मामा हनुमान सहाय व रिश्तेदार सवार थे। वे मंगलवार दोपहर कार से निमेड़ा में कार्यक्रम में जा रहे थे। तभी करीब सवा बजे कार में आग लग गई। शादी एक मार्च को होगी। आग लगने का कोई कारण अभी तक सामने नहीं आया है। प्रथम दृष्टया पुलिस का मानना है कि आग शॉर्ट सर्किट से लग सकती है। मंगलवार को रिंग सेरेमनी व भात का प्रोग्राम था। दूल्हा अपने घर से निमेड़ा में मैरिज स्थल जा रहा था। तभी रास्ते में 1.15 बजे कार में आग गई। कार में सवार पांच जनों ने कार से निकलकर अपनी जान बचाई।

ब्लैकमेल कांड के विरोध में आसींद कस्बे के व्यापारिक प्रतिष्ठान रहे बंद

हिंदू समाज ने उपखंड अधिकारी को सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड के विरोध में सकल हिंदू समाज ने आरोपियों को कड़ी सजा की मांग की

आसीन्द (निसं)। आसींद क्षेत्र के सकल हिंदू समाज के द्वारा कस्बे के बड़े मंदिर पर एकत्रित होकर उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा। जानकारी के अनुसार सकल हिंदू समाज के द्वारा ज्ञापन सौंपते हुए ज्ञापन में बताया कि समीपवर्ती कस्बे बिजयनगर में अध्ययनरत हिंदू समाज की छात्राओं को बहला फुसलाकर लव जिहाद धर्म परिवर्तन एवं देह शोषण एवं जान से मारने की धमकियां प्रकरण में लिप्त अभियुक्तों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाए जाने के संदर्भ में बताया कि बिजयनगर कस्बे में अध्यनरत नाबालिक हिंदू बालिकाओं को बहला फुसलाकर धर्मांतरण एवं लव जिहाद जैसी ब्लैकमेल करने एवं बच्चों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने एवं अवैध रुपए की मांग किए जाने की घटना कारित हुई है जो अत्यंत निंदनीय एवं सर्व हिंदू समाज के लिए अत्यंत घातक है अबोध बालिकाओं के साथ दुष्कर्म यौन शोषण धर्मांतरण जैसी घटनाएं सर्व हिंदू समाज के लिए स्वीकार्य नहीं है ऐसी घटनाएं हमारे धर्म समाज और मानव जीवन के मन को उद्वेलित करती है सकल हिंदू समाज ऐसे अपराधों की कड़ी आलोचना करता है तथा दोषी व्यक्तियों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर से कठोर सजा दिलाने की मांग करता है। कस्बा विजयनगर में हुई घटना अत्यंत निंदनीय है तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न हो इसके लिए सर्व हिंदू समाज आसींद मांग करता है कि अपराध में संयुक्त अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाकर अपराधियों से जुड़े संगठनों एवं उनके परिजनों से गहन पूछताछ करते हुए अंतराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों का पता लगाकर ऐसे गिरोह का पर्दाफाश कराया जाए। ब्लैकमेल कांड में पीड़ित बहनों के परिवार जनों को उचित आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए पीड़ित बालिकाओं के बालिग होने पर राजकीय सेवा में नौकरी दी जाए।

इस प्रकार की घटनाएं घटित होने पर अपने परिजनों को अवश्य बताएं जिससे कि इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके आसींद कस्बे में व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान 11 बजे तक बंद रखें ज्ञापन सौंपने के बाद आसींद कस्बे के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान फिर से सुचारू रूप से संचालित किए।देवीलाल साहू ने भारत में होने वाली विभिन्न धर्मांतरण एवं लव जिहाद संबंधी घटनाओं को लेकर वक्तव्य दिया । तेजवीर सिंह चुंडावत ने देश भर में होने वाली गठित इस प्रकार की घटनाओं को रोकथाम हेतु संगठित रहने की बात कही।

साइबर ठगी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के नागौरी गेट क्षेत्र में रहने वाले एक युवक से उसके दोस्त व परिचित ने साइबर ठगी कर ली। खाते में रूपए आने का झांसा देकर खाता तक फ्रीज करवाा दिया। बाद में पता लगा कि बैंग्लूरू में साइबर ठगी करते हुए उसे नोटिस मिला है। पीड़ित ने जब स्थानीय पुलिस से संपर्क किया तो केस दर्ज नहीं किया गया। अब कोर्ट से मिलें परिवाद के 28 दिन बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामले में नागौरी गेट के अंदर दरगाह के सामने रहने वाले साहिल पुत्र मोहम्मद रफीक ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में अपने दोस्त नया तालाब नागौरी गेट हाल बनाड़ रोड निवासी रेहान और उसके परिचित नई सडक़ निवासी साहिल को नामजद किया गया है। इसमें बताया गया कि रेहान उसका दोस्त है। 05 सितंबर 2024 को रेहान का फोन आया और दोस्ती का वास्ता दिया कि उसने मेरे ठेकेदार के पास सैनेट्री के रूप में मजदूरी की थी एवं वह मेरे खाते में 25 हजार रूपये ट्रांसफर कर रहे है जो मैं तुझे 5 अलग-अलग ट्राजेक्शन से ट्रांसफर करूंगा और तू मुझे एटीम मशीन से रोकड़ निकाल कर दे दें। दोस्ती में विश्वास करते हुए उसके खाते में विभिन्न प्रकार की यूपीआई आईडी से खाते में 40,000 रूपए ट्रान्सफर किये एवं उस समय अभियुक्त ने अपने परिचित सहअभियुक्त साहिल को घर भेजा एवं मुझे साहिल ने अपनी गाड़ी में बैठाकर बैंक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया शाखा जालोरी गेट पर लेकर गया वहां एटीएम से 40,000 रूपए रोकड अदा कर दिए। 5 सितंबर को रेहान ने बिना बताये खाते में 25,000 रूपए ट्रांसफर कर दिए।

अवैध हथियार जब्त कर आरोपी को किया गिरफ्तार

दूदू पुलिस ने रिको एरिया में मोटरसाइकिल से अवैध धारदार हथियार लेकर घूम रहे एक जाने को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया।

सांभरझील, (निसं)। दूदू पुलिस ने रिको एरिया में मोटरसाइकिल से अवैध धारदार हथियार लेकर घूम रहे एक जाने को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अमन बैरवा पुत्र छोगाराम निवासी बैरवों का मौहल्ला, महलां थाना मौजमाबाद जिला जयपुर को डिटेन कर तलाशी ली तो एक अवैध धारदार हथियार छुरीं मिली जिसके अनुज्ञापत्र बाबत पूछा तो नही होना बताया, जिस पर आरोपी के कब्जे से एक छुरी जप्त कर आरोपी के खिलाफ

- आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद

आर्म्स एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया। आरोपी के पास मिली मोटरसाईकिल अपाची की जांच पड़ताल की तो थाना दूदू के चोरी के प्रकरण में मोटरसाईकिल वांछित होना पायी गई, जिस पर आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाईकिल भी जप्त की गई है। थाना अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि आरोपी से प्रकरण में अनुसंधान जारी है। अभियुक्त आला दर्जे का वाहन चोर है, जिसके खिलाफ विभिन्न थानों चित्रकूट जयपुर शहर, जवाहर सर्किल जयपुर शहर, महेश नगर जयपुर शहर, नाहरगढ जयपुर शहर, दूदू व रेनवाल मांजी में 08 प्रकरण दर्ज हैं। अभियुक्त से गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है, जिससे और भी वारदातें खुलने की संभावना है।

मां की हत्या कर खेत में दफ़नाया

हिण्डौन सिटी । समीप की ग्राम पंचायत फ़ाजाबाद के गांव सिकंदरपुर में शराब के लिए पैसे नहीं देने पर एक कलयुगी बेटे की ओर अपनी मां की हत्या कर शव को खेत में ले जाकर दफना देने का मामला सामने आया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह ने बताया कि सिकंदरपुर के पास निवासी दयाल जाटव ने शराब के पैसे नहीं देने से नाराज होकर अपनी 60 वर्षीय मां लखन भाई जाटव को मारपीट कर गला दबा दिया और उसकी हत्या कर दी बेटा दयाल ने निर्मम तरीका से मां की हत्या कर शव अपने खेत में गड्ढा खोदकर दबा दिया। सूचना पर मोबाइल स्पेशल यूनिट तथा सदर थाना प्रभारी देवेंद्र मय जाप्ता के गांव पहुंचकर रेवेन्यू अधिकारियों की मौजूदगी में जमीन से खोदकर वृद्धा के शव को निकाल कर राजकीय जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

1 करोड़ 60 लाख रूपये के अवैध मादक पदार्थ जब्त

ब्यावर (निसं) महानिरीक्षक पुलिस अजमेर, रेंज अजमेर ओमप्रकाश के आदेशानुसार, जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, वृताधिकारी वृत ब्यावर एवं जैतारण के निकटतम सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम ब्यावर, जोधपुर ठ्ठामीण एवं थानाधिकारी पुलिस थाना साकेतनगर एवं आनन्दपुर कालू के निकट सूपरविजन में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध दो अलग-अलग प्रभावी संयुक्त कार्यवाही करते हुए अनुमानित बाजार कीमत करीब 01 करोड 60 लाख रूपये के 1149.200 किलोठ्ठाम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जब्त कर 03 आरोपियों को गिरफतार किया गया। परिवहन में प्रयुक्त तीन वाहन जब्त एवं आरोपियों के कब्जे से एक 12 बोर हथियार व 26 जिन्दा कारतुस जब्त करने में मिली सफलता। 24 व 25 फरवरी 2025 को जिला स्पेशल टीम ब्यावर की विशेष सूचना पर पुलिस थाना साकेतनगर टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए एनएच 08 पर एक वाहन ट्रक टैंकर को रूकवा कर चैक किया तो टैंकर के अन्दर कुल 5 पॉर्टेशन बने हुऐ मिले।

जिसमें से दो पॉर्टेशन खाली मिले व तीन पॉर्टेशन के अन्दर सफेद प्लास्टीक के कट्टे भरे नजर आये जिनको निकाल कर चैक किया तो कट्टों में कुल 74 कट्टे भरे हुऐ मिले जिनमे भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त मिला जिनका वजन करने पर कुल वजन 756 किलोठ्ठाम हुआ। जिस पर आरोपी को गिरफतार किया जाकर अवैध डोडा पोस्त मय परिवहन में प्रयुक्त वाहन टेंकर को जब्त किया गया।जिले में 24 घण्टों में पुलिस थाना आनन्दपुर कालू, जिला स्पेशल टीम जोधुपर ठ्ठामीण एंव पुलिस थाना बिलाडा जिला जोधपुर ठ्ठामीण द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करो के खिलाफ संयुक्त कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफतार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में कुल 393.200 किलोग्राम आवैध डोडा पोस्त जब्त किया। आरोपी हेमाराम, जितेन्द्र पीपाड़ सिटी जिला जोधपुर, अजहरूदीन पुत्र श्री सफी मोहम्मद जाति मुसलमान उम्र 29 साल निवासी सिन्धीयों की ढाणी बूचकला पुलिस थाना पीपाड सिटी जिला जोधपुर ग्रामीण आदि है।

314 संदिग्ध वाहनों की चैकिंग

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस ने सांयकालीन एवं रात्रिकालीन गश्त में 314 संदिज्ध वाहनों की चैकिंग किए जाने के साथ 29 मैरिज गार्डनों को चैक किया। एक ध्वनि प्रदूषण का प्रकरण बनाया गया। पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह के अनुसार आयुक्तालय के जिला पूर्व एवं पश्चिम में सांयकालीन एवं रात्रिकालीन गश्त में 29 मैरिज गार्डनों को चेक किए गए तथा एक मैरिज गार्डन में तेज आवाज से साउंड सिस्टम बजाने पर आरएनसी का प्रकरण बनाया गया। साथ ही 314 संदिग्ध वाहन चेक किए गए तथा राजकोप ऐप पर 149 संदिग्ध व्यक्तियों का फोटो मिलान किया गया। इसके अलावा 47 संदिग्ध व्यक्तियों का पर्चा बी भरा गया। पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह के अनुसार शराब पीकर वाहन चलाने वाले 06 वाहन चालकों का 185 एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की।

हाई सिक्योरिटी जेल प्रहरी के पास मिली तीन सिम

अजमेर । अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में तैनात एक जेल प्रहरी के पास तीन सिम कार्ड मिलने का मामला सामने आया है। सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर सिम कार्ड को छिपाने की कोशिश नाकाम हो गई, जब जेल के मुख्य द्वार पर कांस्टेबल ने प्रहरी की तलाशी के दौरान सिम बरामद हुए।

मामले का खुलासा होने के बाद जेल प्रशासन ने आरोपी प्रहरी को सिविल लाइन थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

सूत्रों के अनुसार आरोपी जेल प्रहरी छोटूराम ने सिम कार्ड को एक व्हिसल (सीटी) में छिपाकर लाया था। उसने सिम कार्ड को काली टेप से बांधकर व्हिसल के अंदर फिट कर दिया ताकि तलाशी के दौरान किसी को शक न हो। जेल के मुख्य द्वार पर तैनात कांस्टेबल की सतर्कता के कारण उसकी साजिश नाकाम हो गई। कांस्टेबल ने संदेह होने पर जब प्रहरी छोटूराम की तलाशी ली तो उसके पास से तीन सिम कार्ड बरामद हुए।

पुलिस ने लिया हिरासत में : घटना की जानकारी मिलते ही जेल अधीक्षक ने सिविल लाइन थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जेल प्रेहरी छोटूराम के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस आरोपी प्रहरी से पूछताछ में जुटी है, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि प्रहरी के पास सिम कार्ड कहां से आए और जेल में किसेदेने थे।

हादसे में बाइक सवार महिला की मौत

मानपुरा माचेड़ी। चंदवाजी चौमू स्टेट हाइवे पर जाटावाली मोड़ पर मंगलवार सुबह एक बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार महिला की मौत हो गई व महिला का पति घायल हो गया।जाटावाली चौकी पुलिस ने ट्रक व बाइक को जप्त कर लिया।

बाइक सवार दम्पति अपने घर विजयसिंहपुरा से अचरोल किसी शादी में जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार नजदीक के विजयसिंहपुरा बांसा निवासी भँवरलाल सैनी अपनी पत्नी रेखा देवी के साथ बाइक पर सवार होकर मंगलवार सुबह विजयसिंहपुरा से अचरोल किसी शादी में जा रहे थे। चौमू चंदवाजी स्टेट हाइवे पर जाटावाली बस स्टैंड चौराहा पर चंदवाजी की ओर से आ रहे एक ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए।

टेंडर प्रक्रिया के दौरान वक्फ कमेटी के ऑफिस में फायरिंग

कोटा, (निसं)। किशोरपुरा थाना इलाके के वक्फ कमेटी के ऑफिस में टेडर प्रक्रिया के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक डिफॉल्टर ठेकेदार ने अपने साथी के साथ वक्फ कमेटी कार्यालय पहुंच कर अचानक से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग की आवाज सुनकर लोग इधर-उधर भागने लगे। आरोपी तीन-चार राउंड फायर कर अपने साथी के साथ मौके से भाग गया। वक्फ कमेटी के ऑफिस में टेंट व डेकोरोशन के टेंडर की प्रकिया चल रही थी। गनीमत रही कि फायरिंग के दौरान कोई जनहानि नही हुई। मामले को लेकर वक्फ कमेटी के सदर सरफराज अंसारी ने ठेकेदार कादिर खान व उसके एक अन्य साथी के खिलाफ किशोरपुरा थाने में फायरिंग का मामला दर्ज कराया है। असल में

- तीन-चार राउंड फायरिंग कर आरोपी हुए फरार

वक्फ कमेटी के अधीन महफिलखाने में लाईट और बिजली व्यवस्था के टेंडर के दौरान विवाद हो गया और बदमाशों ने चार राउंड फायर कर दिए। जिसमें एक गोली कांच और तीन दीवार पर लगी।

सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिला वक्फ कमेटी के सदर सरफराज अंसारी ने बताया कि महफिलखाने में लाईट व टेंट व्यवस्था के टेंडर की प्रक्रिया चल रही थी। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुराने ठेकेदार कादिर को कमेटी ने ब्लैकलिस्ट कर दिया। उसने ही घटनाक्रम को अंजाम दिया। उस पर पूर्व में 17 लाख रुपए बकाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह महफिलखाने का टेंडर धमका कर लेना चाह रहा था। इस प्रक्रिया में नौ आवेदन लिए गऐं। उधर, फायरिंग की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम बुलाई गई। किशोरपुरा थानाधिकारी भूरी सिंह ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया के दौरान विवाद सामने आया है। थानाधिकारी ने बताया कि वक्फ कमेटी के सदर सरफराज अंसारी ने ठेकेदार कादिर खान और अन्य के खिलाफ फायरिंग करने की रिपोर्ट दी है। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। कमेटी दफ्तर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

दो बदमाशों का बाजारों में निकाला जुलूस

करौली, (निसं)। करौली में सैलून पर मसाज और शेविंग के पैसों को लेकर फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों कि शहर में पैदल परेड कराई जिसमें दोनों आरोपी जनता से माफी मांगते नजर आए।

कोतवाली थानाधिकारी आध्यात्म गौतम ने बताया कि तीन बड क्षेत्र में फायरिंग कि सूचना मिली थी। जांच में पता चला कि सैलून पर शेविंग के बाद पैसों को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद आरोपियों ने दिनदहाडे फायरिंग कर दी।पुलिस ने तीन टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू की। रणगमा तालाब क्षेत्र से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों कि पहचान अमित मीणा उर्फ छोटू निवासी कांकरेट थाना आंगई धौलपुर और सुरेश मीणा निवासी कांकटियांका का पुरा थाना लांगरा के रूप में हुई है।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 26 से

अजमेर (कासं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 का भव्य आयोजन 26 से 28 फरवरी तक किया जाएगा। इस वर्ष की थीम 'वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार में भारतीय युवाओं को विकसित भारत के लिए वैश्विक नेतृत्व के लिए सशक्त बनाना है। यह समारोह युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित करने और भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है जिसमे व्यापक स्तर पर विभिन्न प्रकार की गतिविधिया और प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के मुख्य आकर्षण होंगे - प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा विशेष व्याख्यान, एमएससी और पीएचडी के छात्रों के द्वारा त्वरित शोध प्रस्तुतियाँ,

- युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित करने के लिए विज्ञान दिवस का आयोजन करने का उद्देश्य

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुतियाँ, कला और विज्ञान की प्रस्तुति, पैनल चर्चा, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, वाद-विवाद और अभिनव शोध/विचार जैसी आकर्षक प्रस्तुतियाँ होंगी। इस अवसर पर एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान, वैज्ञानिक पोस्टर, मॉडल और नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन माननीय कुलपति एवं आमंत्रित मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा। साथ ही, विजेता प्रतिभागियों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन के बारे मे राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और नवाचार को प्रोत्साहित करने का एक अवसर है। साथ ही इस आयोजन के द्वारा विश्वविद्यालय में हम नवाचार, शोध और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते है जिससे राष्ट्र की प्रगति में योगदान दिया जा सके और 'विकसित भारत' के निर्माण में मत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सके। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन को करने के पीछे मुख्य उद्देश्य है युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना।

फरार दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक । पुलिस अधीक्षक, विकास सांगवान के निर्देशन में जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के तहत आशीष प्रजापत वृत्ताधिकारी मालपुरा व थानाधिकारी थाना लाम्बाहरिसिंह राजकुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने थाने के दर्ज प्रकरण में वांछित टावर में लगे उपकरणों के चोरी का सामान खरीदने वाले कबाडी के आरोपी आसीफ खान पुत्र बसीर खान जाति मुसलमान उम्र 28 साल भगवन्तपुर थाना आनन्दपुर जिला विदिशा मध्यप्रदेश हाल प्लाट नम्बर 44 ए काली कोठी दरबार स्कूल के पास ओटवाडा पुलिस थाना ओटवाडा जयपुर शहर एवं मोहम्मद शाहरूख पुत्र बल्लु खान जाति मुसलमान उम्र 28 साल निवासी प्लाट नम्बर 110 संजय नगर-बी ओटवाडा जयपुर शहर को न्यायालय के प्रोडक्शन वारण्ट के तहत उपकारागृह मालपुरा से गिरफ्तार कर चोरी हुआ माल मशरूका जब्त किया गया।

कक्षा-12 का दीक्षांत समारोह संपन्न

ब्यावर (निसं) आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा-12 के दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि-दिलीप जाजू (समाजसेवी), रमेश चंद भराडिया (विद्यालय प्रबंध समिति, अध्यक्ष), प्रधानाचार्य नवीन कुमार सैनी, कविता शर्मा (बालिका विभाग प्रधानाचार्य) द्वारा मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया।रमेश चंद्र भराडिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज जब हम अपने भविष्य की ओर देख रहे हैं तो हमें याद रखना चाहिए कि दीक्षांत केवल एक समाप्ति का प्रतीक नहीं बल्कि यह हमारे लिए एक नई शुरुआत का अवसर है। विद्या भारती के विद्यालय द्वारा दी जा रही संस्कारवान, अनुशासित शिक्षा को सभी छात्रों को अपने जीवन में उतरना चाहिए। विद्यालय के छात्र-छात्रा- सुनिधि शर्मा, रितिक साहू, मनीषा चित्रांशी चौहान ने अपने अनुभव कथन के माध्यम से विद्यालय की श्रेष्ठ शिक्षण व्यवस्था और अनुशासित दिनचर्या की सारगर्वित जानकारी प्रदान करते हुए जीवन में उतरने का संकल्प लिया।

अजमेर में बीसी संचालक ने लोगों के हड़पे लाखों रुपए

अजमेर, (कासं)। मेहनत-मजदूरी कर पाई पाई जोडक़र बीसी में निवेश करने वाले लोगों की लाखों रुपए की बीसी संचालक ने हड़प ली। अलवर गेट थाना क्षेत्र के बंजारा बस्ती में रहने वाले पीडित़ लोगों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। एसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपी की गिरफ्तार की मांग की। पीलिोगों ने बीसी संचालक पर 70 से 80 लाख रूपए हड़पने का आरोप लगाया है।

अलवर गेट थाना क्षेत्र के बंजारा बस्ती में रहने वाले पीड़ित लोगों ने मंगलवार को अजमेर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा से मुलाकात की और अलवर गेट थाना क्षेत्र रहने वाले बीसी संचालक कमलेश बंजारा पर करीब 70 से 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए रकम दिलवाने की मांग की। उन्होंने बताया कि मेहनत मजदूर कर जो रकम बचती उसे बीसी में जमा करते थे, लेकिन जब भुगतान का समय आया तो बीसी संचालक कमलेश व उसके परिवार ने रुपए लौटाने से इनकार कर दिया। पीडित़ लोगों ने

कलेक्ट्रेट पर पीड़ित लोगों ने प्रदर्शन किया।

बताया कि कमलेश क्षेत्र में कई सालों से बीसी संचालित कर रहा है।

क्षेत्र में रहने वाले करीब 80 से 90 परिवार बीसी में निवेश कर रहे थे। कमलेश के साथ उसका भाई कुलदीप, उसकी मां रसाली और पिता नेमीचंद भी शामिल हैं। पीडित़ अशोक बंजारा ने बताया कि बीसी पूरी होने के बाद जब रुपयों की मांग की तो बीसी संचालक टालमटोल कर रहा है। पीडित़ों ने अलवर गेट थाने में शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। पीडित़ों ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा को ज्ञापन सौंपा और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रुपए लौटाने की मांग की।

विद्यालय में महाशिवरात्रि पर्व मनाया

ब्यावर (निसं) विजयनगर रोड स्थित बी एल सोनी इंग्लिश मीडियम स्कूल में मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। संस्था सचिव इंदिरा सोनी ने बताया कि विद्यालय में अध्यापिकाओं के मार्गदर्शन में बच्चों ने सुंदर महादेव का दरबार सजाया तथा फूलों व रंगों से रंगोली बनाकर शंकर भगवान का नयनाभिराम दरबार सजाया। कार्यक्रम में पधारे अतिथि विष्णु धीमान, राजेंद्र बाडमेर, संजय घीया, ममता गुप्ता, का शाला परिवार द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया गया। अतिथियों ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार व मानव सेवा के साथ एक दूसरे का सहयोग करने की भावना सब में होनी आवश्यक है। हमें हमारे धर्म यह संस्कार देते हैं कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है तथा शिक्षा सबसे बड़ा शास्त्र है। सामूहिक रूप से पूजा महा आरती प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका जैन ने किया कार्यक्रम में सावित्री देवड़ा, महेंद्र सोनी, रेणुका साहू, मधु सोनी, गौरव सक्सेना, आदि उपस्थित रहे।

स्कॉर्पियो से 393 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण की डीएसटी और पुलिस थाना बिलाड़ा ने संयुक्त नाकाबंदी कर स्कॉर्पियो से 393 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। साथ ही 12 बोर की डबल बैरल गन, 26 जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए। मामले में एस्कॉर्ट कर रही कार सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

- 12 बोर की डबल बैरल गन, 26 जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए। मामले में एस्कॉर्ट कर रही कार सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।
- पुलिस टीम ने स्कॉर्पियो का पीछा कर दो तस्करों को दबोच लिया।

ग्रामीण एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि अभियान भौकाल के तहत बिलाड़ा थाना और जिला स्पेशल टीम ने नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान बिलाड़ा हाईवे से सफेद कलर की किया कार आते हुए दिखाई दी। जिसे रोकने का इशारा करने पर चालक नाकाबंदी को देखकर कार को गलत दिशा में यू टर्न करके भगाने लगा।

कार के पीछे आ रही स्कॉर्पियो गाड़ी भी गलत दिशा में यू टर्न करके खारिया मीठापुर की तरफ भागने लगी। इस पर पुलिस टीम ने कार का पीछा शुरू किया।

पुलिस द्वारा पीछा करने पर स्कॉर्पियो चालक सरहद खराड़ी पुलिस थाना आनंदपुर कालू जिला ब्यावर में अवैध डोडा पोस्त भरी स्कॉर्पियो गाड़ी और एस्कॉर्ट कर रही कार को छोड़कर तस्कर भागने लगे। इस पर टीम ने दो तस्करों को दबोच लिया। मामले में पुलिस ने अजहरुद्दीन निवासी बुचकला, पुलिस थाना पीपाड़ शहर व जितेंद्र पुत्र घनश्याम दास वैष्णव निवासी बुचकला को गिरफ्तार किया। हल्का क्षेत्र थाना आनंदपुर कालू जिला ब्यावर का होने के चलते आगे की कार्रवाई के लिए आनंदपुर पुलिस को सूचना दी गई।

पाकिस्तान की खस्ता हालत के लिये चयनकर्ता भी जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान का खेल तो तभी खत्म हो गया था जब टीम घोषित की गई थी। इस टीम का कोई भी भला नहीं कर सकता।
- सना मीर

राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान, पाकिस्तान की हार के लिये चयनकर्ता को जिम्मेदार बताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

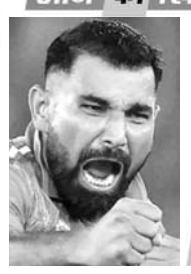

मोहम्मद शमी

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर अपने अभियान का आगाज किया। इसके बाद रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने पाकिस्तान को मात दी। इस तरह भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। हालांकि, टीम इंडिया अपना आखिरी लीग स्टेड मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला 2 मार्च को खेला जाएगा। वहीं इस मैच से पहले इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेरेन गॉफ ने भारत की प्लेइंग इलेवन पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।डेरेन गॉफी का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मोहम्मद शमी को आराम देना चाहिए।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाजजिम लेकरके नाम एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। यह रिकॉर्ड 1956 से अब तक कायम है।

रॉयल क्लब को हराकर नेपाल मध्यपुर क्लब 1-0 से जीता

जयपुर, 25 फरवरी। रॉयल क्लब मैदान पर खेली जा रही इंडो-नेपाल क्लब फुटबॉल फ्रैंडशिप सीरीज के अन्तर्गत खेले गए दूसरे मैच में नेपाल मध्यपुर क्लब ने रॉयल फुटबॉल क्लब को 1-0 से

पराजित किया। नेपाल फुटबॉल क्लब की ओर से बिज्ञान खडका ने दूसरे हॉफ के 22वें मिनट में मिले पास से रॉयल क्लब के गोलकीपर को छकाते हुए गोल किया। मैच से पूर्व धर्मवीर सिंह शेखावत, सदस्य एडहॉक कमेडी राजस्थान क्रिकेट संघ, यश प्रताप सिंह, सचिव हनुमान सिंह फाउंडेशन एवं प्रियदीप सिंह, कोषाध्यक्ष हनुमान सिंह फाउंडेशन ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

भारत ने दृष्टिहीनों की टी-20 क्रिकेट श्रृंखला जीती

बेंगलुरु, 25 फरवरी। टीम इंडिया ने दृष्टिहीन पुरुषों की द्विपक्षीय टी20 क्रिकेट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश पर नौ विकेट से बड़ी जीत हासिल की। मणिपाल यूनिवर्सिटी कैंपस में इस जोरदार जीत के साथ भारत ने सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करते हुये भारत ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा किया और बांग्लादेश को 20 ओवरों में चार विकेट पर 173 रन पर रोक दिया। सलमान 38 गेंदों में 50 रन बनाकर बांग्लादेश के लिये सर्वाधिक योगदान देने वाले बल्लेबाज बने वहीं भारत की ओर से टी. दुर्गा राव ने तीन विकेट लेकर प्रभावित किया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरे भारत के सुनील रमेश ने सिर्फ 46 गेंदों में नाबाद 96 रन बनाकर मैच को अपनी टीम के पक्ष में कर दिया। नकुल बदनायक ने 31 गेंदों में 50 रन बनाये। दोनो के बीच 100 रनों की साझेदारी ने लक्ष्य को 14.4 ओवरों में पाने में महती योगदान दिया। इस जीत के साथ, भारत ने ब्लाइंड क्रिकेट में अपना वर्चस्व कायम करते हुए दो मैच शेष रहते हुए श्रृंखला अपने नाम कर ली है।

जयपुर क्लब ने नीरजा मोदी एकेडमी को हराया

जयपुर, 25 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर क्लब ने नीरजा मोदी एकेडमी को 5 विकेट से हराया। के एल सैनी

स्टेडियम पर खेले गए मैच में जयपुर क्लब ने टॉस जीतकर पहले नीरजा मोदी को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। नीरजा मोदी एकेडमी ने अविनाश शर्मा के 40 रन, तरुण शर्मा के 12 रन, चिराग शर्मा के 10 रन, सिद्धांत जायसवाल के 16 रन व सिद्धांत शर्मा के 19 रनों से 38.1 ओवर में मात्र 125 रनों पर आउट हो गई। जयपुर क्लब के लिए मोहम्मद खूबेब ने 21 पर 3, मोंटी जायसवाल ने 21 पर 3, सुमित शर्मा ने 20 पर 2 व विनय मीणा ने 8 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी जयपुर क्लब ने मोहम्मद खूबेब के 20 रन, कुशाग्र ओझा के नाबाद 57 रन व दक्ष कासलीवाल के नाबाद 33 रनों से 21.2 ओवर में 5 विकेट पर 129 रन बनाकर मैच जीत लिया। नीरजा मोदी के लिए हर्षित शर्मा ने 30 पर 3 व निखिल कोहली ने 27 पर 2 विकेट लिए।

राजस्थान वुशू संघ ने मोहित शर्मा को 1 लाख देने की घोषणा की व गहरा शोक व्यक्त किया

जयपुर, 25 फरवरी। चंडीगढ़ में 22 से 27 फ़रवरी 2025 तक आयोजित होने वाली अखिल भारतीय विश्वविद्यालय वुशू प्रतियोगिता में वुशू खिलाड़ी मोहित शर्मा के आकस्मिक निधन पर

राजस्थान प्रदेश के समस्त वुशू पदाधिकारियों व खिलाडियों ने गहरा शोक व्यक्त किया तथा भगवान से उनके परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने के दो मिनट का मोन रख कर शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि मोहित शर्मा के परिवार को राजस्थान वुशू संघ की ओर से 1 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार से मोहित शर्मा के परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष से आर्थिक सहायता देने के लिए पत्र लिख अनुरोध किया।

नाइजीरियाई फुटबॉलर लावल की युगांडा में सड़क दुर्घटना में मौत

कंपाला, 25 फरवरी। युगांडा प्रीमियर लीग में वाइपर स्पोर्ट्स क्लब के नाइजीरियाई फारवर्ड अबुबकर लावल की युगांडा में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। 29 वर्षीय लावल युगांडा के मध्य क्षेत्र के एंटेबे में सेंट मैरी स्टेडियम में क्लब के प्रशिक्षण मैदान की ओर जा रहे थे कि एंटेबे रोड पर एक दुर्घटना में उनकी जान चली गई। वाइपर एससी के संचार प्रमुख अब्दुल वासिके ने सोमवार को इस खबर की पुष्टि की है। वासिके ने कहा, यह एक दुखद दिन है क्योंकि हमें हमारे खिलाड़ी लावल की मौत की सूचना मिली है।

बारिश की भेंट चढ़ा ऑस्ट्रेलिया-दक्षिण अफ्रीका मैच

रावलपिंडी, 25 फरवरी। लगातार बारिश के कारण इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना रद्द हो गया, जिससे दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। सुबह से जारी बारिश के चलते ग्राउंड स्टाफ के पास भारतीय समयानुसार 1932 बजे के कट-ऑफ समय से पहले मैदान को खेलने योग्य बनाने का कोई मौका नहीं बचा जिसके बाद मैदान अंपायरों ने मैच को रद्द करने का फैसला लेना पड़ा। मैच के रद्द होने से ग्रुप बी को और अधिक अनिश्चितता में डाल दिया है, जिससे कल इंग्लैंड और अफगानिस्तान के बीच खेला जाने वाला मैच नॉकआउट हो गया है। जो टीम हारेगी वह टूर्नामेंट से बाहर होने वाली तीसरी टीम होगी। इस बीच, लाहौर में भी बारिश हो रही है, जिससे आगे और व्यवधान की चिंता बढ़ गई है।

पाक के जल्दी बाहर होने से पीसीबी निराश और नाराज, लेकिन टूर्नामेंट के अंत तक कोई कार्रवाई नहीं

कराची, 25 फरवरी। चैंपियन्स ट्रॉफी से राष्ट्रीय टीम के जल्दी बाहर होने से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में काफी निराशा और नाराजगी है लेकिन उसने नौ मार्च को टूर्नामेंट के अंत तक टीम के मामलों पर चुप रहने का फैसला किया है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि अधिकारी टूर्नामेंट में टीम के प्रदर्शन से आहत हैं।

सूत्र ने कहा, ''लेकिन बड़े परिदृश्य को देखते हुए जो चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी है और यह सुनिश्चित करना है कि यह मेजबान देश के रूप में पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सकारात्मक प्रचार लाए, टीम के प्रदर्शन पर अभी कुछ भी नहीं कहने का फैसला किया गया है।'' सूत्र ने कहा कि आंतरिक रूप से टीम, चयन या भविष्य की योजनाओं पर चर्चा नहीं करने पर सहमति बनी है क्योंकि यह केवल टूर्नामेंट से ध्यान भटकाएगा और पाकिस्तान क्रिकेट के लिए 'नकारात्मक सुर्खियां' लाएगा।

सूत्र ने कहा, ''बोर्ड नेतृत्व को भी अहसास है कि प्रतियोगिता में टीम में लचर प्रदर्शन के लिए कोई बहाना या बचाव नहीं दिया जा सकता है।'' सूत्र ने बताया कि पीसीबी चैंपियन्स ट्रॉफी की सफल मेजबानी को पाकिस्तान में और अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को लाने के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है, भले ही टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए उसे कई बाधाओं का सामना करना पड़ा हो। हालांकि सूत्र ने स्वीकार किया कि टूर्नामेंट खत्म होने के बाद इसकी पूरी समीक्षा की जाएगी कि कैसे और कहां चीजें गलत हुईं।

सूत्र ने कहा, ''पाकिस्तान को 15 मार्च से न्यूजीलैंड में सफेद गेंद की श्रृंखला खेलनी है और अंतरिम मुख्य कोच के रूप में आकिब जावेद का अनुबंध 27 फरवरी को समाप्त हो जाएगा जब पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मैच खेलेगा।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए निश्चित रूप से बोर्ड को न्यूजीलैंड दौरे के लिए मुख्य कोच चुनना होगा लेकिन यह नियुक्ति अंतरिम प्रकृति की भी हो सकती है। राष्ट्रीय हाई परफोर्मेंस केंद्र से कोई व्यक्ति हो सकता है क्योंकि पीसीबी ने स्थायी मुख्य कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं की है।'' सूत्र ने कहा कि पीसीबी इस साल अगस्त से अगले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत से पहले नए मुख्य कोच की नियुक्ति करेगा।

राजस्थान बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप के पोस्टर का विमोचन किया पायलट ने

जयपुर, 25 फरवरी। नागौर में आयोजित होने वाली 27वीं जूनियर बॉडी बिल्डिंग मेंस फिजिक व मास्टर्स बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन 2 मार्च को नागौर में किया जाएगा इसके पोस्टर का विमोचन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने किया। राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को 200000 का कैश प्राइस दिया जाएगा।

बॉडी बिल्डिंग जूनियर में 6 बार वर्ग होंगे मेंस स्पोर्ट्स फिजिक में ओपन कैटेगरी वह मास्टर्स में भी ओपन कैटेगरी रहेगी। प्रतियोगिता के पोस्टर विमोचन में नॉर्थ इंडिया के उपाध्यक्ष मुकेश यादव, संयुक्त सचिव उमर नकवी, राजस्थान के उपाध्यक्ष सलीम मोहम्मद, शहजाद खान, युवराज सैनी, शाहिद खान अन्य लोग उपस्थित रहे। राजस्थान बॉडी बिल्डिंग के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि हाल ही 22 23 फरवरी को लखनऊ में आयोजित हुई फेडरेशन कप में राजस्थान के रहीम अंसारी को गोल्ड मैडल प्राप्त हुआ।

यादव ने बताया कि जूनियर चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के लिए एक ट्रेनिंग प्रोग्राम रखा गया है जिसमें टेस्टोस्टेरोन व डोपिंग के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके लिए जल्द ही एक कमेटी का गठन किया जाएगा जो पूरे राजस्थान में इसका लोगों को अवेयर करेगी।

भारत-बी टीम पाक की सर्वश्रेष्ठ टीम को दे सकती है चुनौती : गावस्कर

दुबई, 25 फरवरी। चैंपियंस ट्राफी में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण पाकिस्तानी दिग्गजों के कोपभाजन का शिकार बनी मोहम्मद रिजवान की टीम पर निशाना साधते हुये भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि भारत की दूसरी पंक्ति की टीम पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम के लिए गंभीर चुनौती पेश कर सकती है।

एक खेल प्रसारण पर बोलते हुए, गावस्कर ने मौजूदा टीम से रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, रिंकू सिंह और यशस्वी जयसवाल जैसे खिलाड़ियों को बाहर करने का हवाला देते हुए भारत के प्रतिभा पूल की गहराई पर प्रकाश डाला।

उन्होंने टिप्पणी की, मौजूदा पाकिस्तान टीम के लिए भारत की बी टीम को हराना बहुत मुश्किल होगा, हालांकि मैं सी टीम के बारे में निश्चित नहीं हूं। गावस्कर ने भारत की मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन का श्रेय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को दिया, जिसने युवा खिलाड़ियों को उच्च दबाव वाले क्रिकेट का अनुभव प्रदान किया है।

उन्होंने कहा, आईपीएल ने यह सुनिश्चित किया है कि भारतीय क्रिकेट लगातार मैच के लिए खिलाड़ियों को तैयार करता है। कई क्रिकेटरों ने आईपीएल से रणजी ट्रॉफी और फिर राष्ट्रीय टीम में आसानी से बदलाव किया है।इसके विपरीत, भारत के पूर्व कप्तान ने पाकिस्तान सुपर लीग होने के बावजूद युवा प्रतिभाओं को विकसित करने के पाकिस्तान के संघर्ष पर आश्चर्य व्यक्त किया। गावस्कर ने कहा, पाकिस्तान में हमेशा से ही प्राकृतिक प्रतिभा रही है। भले ही कुछ खिलाड़ी तकनीकी रूप से सही नहीं थे, लेकिन उनके स्वभाव ने इसकी भरपाई कर दी। हालांकि, मौजूदा टीम में उस चमक की कमी है।

पाकिस्तान के हालिया प्रदर्शन पर चर्चा करते हुए गावस्कर ने बल्लेबाजी करते समय उनके सतर्क रवैये की ओर इशारा किया। उन्होंने विश्लेषण करते हुए कहा, ऐसा लग रहा था जैसे वे विजयी स्कोर के बजाय सुरक्षित स्कोर के लिए खेल रहे थे। जब भारतीय स्पिनर काम कर रहे थे, तो ओवर उड़ गए और अचानक, पाकिस्तान ने खुद को ऐसी स्थिति में पाया जहां वे तेजी नहीं ला सके। उन्होंने कहा, वेस्टइंडीज की तरह, पाकिस्तान भी हमेशा से एक मजबूत टीम रही है। विश्व क्रिकेट को ऐसी टीमों की जरूरत है। प्रशंसक लुभावने शॉट्स और तेजतर्रार स्पैल देखना चाहते हैं और पाकिस्तान ने ऐतिहासिक रूप से यह प्रदान किया है।

सेना की सेवा ने मेरी कबड्डी क्षमता को जगाया : देवांक दलाल

कटक, 25 फरवरी। पटना पाइरेट्स और सर्विसेज के स्टार रेडर देवांक दलाल सीजन 11 ने अपने खेल में सुधार का श्रेय भारतीय सेना को देते हुये कहा कि उनके करियर में महत्वपूर्ण मोड़ सशस्त्र बलों में प्रवेश के साथ आया। हाल ही में 71वीं सीनियर नेशनल मेन्स कबड्डी चैंपियनशिप में 'बेस्ट प्लेयर' के सम्मान से नवाजे जाने के बाद देवांक ने कहा जब मैंने आर्मी ज्वाइन की, तब मुझे एहसास हुआ कि हां, मैं खेल सकता हूं। इस एहसास ने उन्हे एक ऐसी यात्रा को जन्म दिया जिसमें वह भारतीय कबड्डी के रैंकों में ऊपर उठेंगे, और अंततः जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए उनके चयन के बाद पीकेएल सीजन 11 से पहले पटना पाइरेट्स में शामिल हो गए। देवांक ने कटक के जवाहरलाल नेहरू इनडोर स्टेडियम में आयोजित चैंपियनशिप फाइनल में सर्विसेज टीम का नेतृत्व किया, जहां उन्होंने रोमांचक मुकाबले में रेलवे को हराया।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड मैच के दौरान खिलाड़ियों की सुरक्षा में चूक

तहरीक-ए-लब्बैक के नेता की फोटो लेकर मैदान में घुसा शख्स

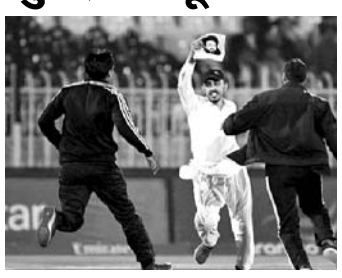

रावलपिंडी, 25 फरवरी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान और दुबई में खेली जा रही है। वहीं बीते सोमवार इसका एक मुकाबला बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया। जहां एक बड़ी चूक नजर आई। दरअसल, ग्रुप ए के इस मैच में जब न्यूजीलैंड की टीम टारगेट को चेज कर रही थी तो उस दौरान एक बड़ा सिक्योरिटी ब्रीच देखने को मिला, जब पाकिस्तान की एक पार्टी का एख समर्थक एक फोटो लेकर न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों के पास पहुंचा। पीसीबी ने फैंस की इस तरह की हरकत से बचने के लिए तमाम इंतजाम किए थे, लेकिन फिर भी सुरक्षा घेरा तोड़कर एक शख्स मैदान पर जा पहुंचा।

हरीक-ए-लब्बैक ने नेता साद रिजवी की तस्वीर लिए एक शख्स न्यूजीलैंड के क्रिकेटर रचिन रविंद्र के करीब पहुंच गया और गले लग गया, जिससे कीवी खिलाड़ी काफी नाराज हो गए। ये घटना न्यूजीलैंड के रन चेज के दौरान हुई, जब मेहमान टीम के लिए रचिन रविंद्र और टॉम लैथम बल्लेबाजी कर रहे थे। रविंद्र के बेहतरीन शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस परिणाम ने भारत के टॉप 4 में प्रवेश को भी सुनिश्चित कर दिया और इस तरह आईसीसी टूर्नामेंट से पाकिस्तान और बांग्लादेश को बाहर कर दिया।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होते ही पाक पर मंडराया खतरा

कराची, 25 फरवरी। पाकिस्तान क्रिकेट एक बार फिर मुश्किल में है और इस बार चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होती ही टीम के लिए स्पॉन्सर तलाशना भी असंभव नजर आ रहा है। कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत ने रविवार को दुबई में पाकिस्तान को 6 विकेट से रौंदा था फिर न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराकर खुद तो सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया ही भारत भी टॉप-4 में पहुंच गया। इसी के साथ ग्रुप ए से पाकिस्तान और बांग्लादेश बाहर हो गए।भारत से हारने से एक दिन पहले ऑस्ट्रेलिया- इंग्लैंड मैच के लिए गद्दाफी स्टेडियम में लोगों की शानदार भीड़ को देखकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी आत्मविश्वास से भरे हुए थे। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि, लोगों की प्रतिक्रिया और पाकिस्तान से इतर मैच का आनंद लेते देखना एक उत्साहवर्धक अनुभव था। 1996 के विश्व कप के बाद पाकिस्तान पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा था। फैंस को उम्मीद थी कि आठ टीमों की इस प्रतियोगिता में घरेलू टीम टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अब पीसीबी के सामने एक समस्या ये भी है कि पाकिस्तान में बचे हुए मैच में दर्शकों की भीड़ स्टेडियम पहुंचती है या नहीं।

कोहली की पारी महत्वपूर्ण मैच में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता का प्रमाण : पोंटिंग

दुबई, 25 फरवरी। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्राफी में विराट कोहली के शतक को असाधारण बताते हुये आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि कोहली की पारी महत्वपूर्ण मैच में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता का प्रमाण है। दुबई में एक हाई-वोल्टेज मुकाबले में विराट कोहली ने शानदार शतक लगाकर भारत को पाकिस्तान पर छह विकेट से जीत दिलाई थी। पोंटिंग ने कहा मैंने हमेशा कहा है कि बड़े खेल बड़े नामों के बराबर होते हैं।

आपको उन बड़े क्षणों में खड़े होने के लिए अपने बड़े नामों की आवश्यकता है और भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बड़ा कोई खेल नहीं है। उन्होने कहा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में आप जो करते हैं, उससे आपकी प्रतिष्ठा बनती है। इसलिए मेरे लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ऐसा हुआ है। उन्होंने कोहली की 111 गेंदों पर नाबाद 100 रन की पारी को उनके स्वभाव और महत्वपूर्ण परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता का प्रमाण बताया। पोंटिंग ने कहा 2022 में टी20 विश्वकप में और अब वह उस टीम (पाकिस्तान) के खिलाफ खड़ा हुआ जिसके खिलाफ खेलने के लिए वह शायद खुद को सबसे मजबूत करेगा और कल रात से बड़ा कोई क्षण नहीं था जब

पाकिस्तान ने एक मुश्किल विकेट पर पहले बल्लेबाजी की थी। इस तरह की मैच जिताऊ पारी खेलने के लिए शीर्ष क्रम में किसी की जरूरत थी और एक बार फिर यह काम कोहली को ही पूरा करना था। पहले बल्लेबाजी करते हुए, पाकिस्तान ने 49.4 ओवरों में 241 रन बनाए, जो चुनौतीपूर्ण लग रहे थे मगर भारत की बल्लेबाजी ने इसे बौना कर दिया। पाकिस्तान के पास ऐसे कई बल्लेबाज़ थे जिन्होंने शुरुआत तो की लेकिन उसे बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। सऊद शकील (62), मोहम्मद रिजवान (46) और खुशदिल शाह (38) सभी ने योगदान दिया, लेकिन इनमें से किसी ने भी मेजबान टीम के लिए निर्णायक पारी नहीं खेली।

पोंटिंग ने कहा, आप दो स्कोरकार्ड देखें, यह एक है, विराट 100 रन बना रहा है, और पाकिस्तान के बहुत से खिलाड़ी बिना किसी के आगे बढ़े और बड़ा स्कोर बना रहे हैं। मैंने हमेशा से कहा है, खेल के किसी भी प्रारूप में 50 या अर्धशतक कभी भी आपको या आपकी टीम को कुछ नहीं दिला सकता। आपको बड़े स्कोर हासिल करने होंगे और इसलिए व्यक्तिगत बड़े स्कोर नहीं थे, लेकिन बड़ी साझेदारियाँ भी नहीं थीं।

इंग्लैंड से मुकाबले के लिये हम तैयार : शाहीदी

लाहौर, 25 फरवरी। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने अपनी टीम को आत्ममुग्धता से बचने की अपील करते हुये कहा कि उनकी टीम इंग्लैंड से मुकाबले के लिये पूरी तरह तैयार है। उन्होने टीम के सदस्यों को आत्ममुग्धता से बचने की सलाह देते हुये मैदान में बने रहने के महत्व पर जोर दिया।

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही अफगानिस्तान की काफी प्रशंसा की गई, जिसमें कई क्रिकेटर्स भी शामिल थे। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले की तैयारी कर रहे कप्तान शाहिदी ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को परिणाम देने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। शाहीदी ने कहा हां, यह अच्छा लगता है जब दिग्गज और क्रिकेट विशेषज्ञ आपके और आपकी टीम के बारे में सकारात्मक बातें करते हैं। इससे आपको आत्मविश्वास मिलता है लेकिन साथ ही, अगर कोई बात करता है और कहता है तो इसका मतलब यह नहीं है हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अगर वे कहते हैं कि हम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेंगे, तो हमें इसके लिए मैदान पर कड़ी मेहनत करनी होगी।

उन्होने कहा, जैसा कि मैंने कहा, चैंपियन ट्रॉफी में गुणवत्ता वाली टीमें हैं, दुनिया की शीर्ष आठ रैंकिंग वाली टीमें हैं। इसलिए एक-दूसरे का सामना करना कठिन चुनौती है। ये चीजें हमें आत्मविश्वास देती हैं लेकिन साथ ही, अगर हम इन टीमों को हराना चाहते हैं तो हमें मैदान पर कड़ी मेहनत करनी होगी और उस दिन अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना होगा।

अफगानिस्तान की चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत निराशाजनक रही और उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 107 रनों की भारी हार का सामना करना पड़ा। कप्तान शाहिदी से पूछा गया कि क्या अफगानिस्तान के लिए पहले बोर्ड पर रन बनाना और फिर अपने बेहतर गेंदबाजी आक्रमण का उपयोग करके विपक्षी टीम को रोकना अधिक प्रभावी होगा। उन्होने कहा मुझे लगता है कि जब हम पहले बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे हमें अधिक मौका मिलता है। लेकिन साथ ही, हमने पिछले विश्व कप में दूसरी बल्लेबाजी करते हुए टीमों को भी हराया था।

हनुमानगढ़ और जोधपुर ने क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई

राजस्थान राज्य अंडर-20 बॉयज फुटबॉल चैम्पियनशिप 2025

जयपुर, 25 फरवरी। राजस्थान राज्य अंडर 20 बॉयज फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन चौगान स्टेडियम में ग्रुप ए के 5 मैच और विद्याधर नगर स्टेडियम में ग्रुप बी के 5 मैच खेले गए। ग्रुप ए में जोधपुर फुटबॉल अकादमी ने भीलवाड़ा को 3-0 से, अजमेर ने नागौर को 2-0 से, चित्तौड़गढ़ ने बीकानेर को 2-1 से, गंगानगर ने बांरा को 2-0 से पराजित किया। ग्रुप ए के सबसे महत्वपूर्ण मैच में जयपुर ने कांटे की टक्कर के मैच में

एक गोल से पीछड़ने के बाद सीकर को 2-1 एक से पराजित किया। हाफ टाइम तक सीकर की टीम 1-0 से आगे थी लेकिन हाफ टाइम के बाद जयपुर की टीम ने जबरदस्त रणनीति अपनाते हुए अदित के फील्ड गोल और मैच के अंतिम क्षणों में अरमान के फ्री किक से किया बेहतरीन गोल से मैच जीत लिया। ग्रुप बी में पाली ने करौली को 2-0 से, जोधपुर ने अपने प्रथम मैच में जैसलमेर को 3-0 से और दूसरे मैच में बांसवाड़ा को भी 3-0 से पराजित किया। धौलपुर ने चूरु को 2-0 से पराजित किया। ग्रुप बी के अंतिम मैच में हनुमानगढ़ ने धौलपुर को 3-0 से पराजित किया। कल चौगान स्टेडियम में प्रतियोगिता के चारों क्वार्टर फाइनल मैच खेले जाएंगे।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

अमन सिंह के नाबाद 92 रन की पारी की बदौलत इंसपायर एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 25 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नेना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा पर खेले गये पूल-ए के मैच में इन्सपायर क्रिकेट एकेडमी ने अमन सिंह शेखावत 92 रन नाबाद (31) गेंद, 7 चौंक, 10 छक्के) की बदोलत बारवाल क्रिकेट एकेडमी को 9 विकेट से हराकर दो अंक अर्जित किये।

बारवाल क्रिकेट एकेडमी ने टोस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन हर्ष पाण्डे 42 रन, अभिमन्यू गौतम 44 रन, तथा गणेश सोनी 19 रन नाबाद को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज लम्बी पारी खेलने में सफल नहीं हुआ और निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 144 रन बनाये, इन्सपायर एकेडमी की ओर से धूव खण्डेलवाल 9 रन पर 2 विकेट, हरि सिंह 10 रन पर 1 विकेट, राकेश धइवाना 9 रन पर 1 विकेट तथा हर्ष सैनी 32 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में डॉक्टर सतीश जैन 26 रन नाबाद व हरि सिंह 17 ने पहले विकेट पर 3 ओवर में 33 रन जोड़कर शानदार शुरूआत की तीसरे नम्बर पर बल्लेबाजी करने उतरे अमन सिंह शेखावत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुये मात्र 31 गेंदो में 7 चौंक व 10 छक्कों की मदद से नाबाद 92 रन पारी खेल विजय लक्ष्य 146 रन 1 विकेट खोकर मात्र 11.4 ओवर में हासिल करवा अपनी टीम को 9 विकेट से आसान जीत दिला दी। बारवाल क्रिकेट एकेडमी की ओर से धीरज योगी 27 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। मैन ऑफ दा मैच अमन सिंह शेखावत (92 रन नाबाद) इन्सपायर क्रिकेट एकेडमी रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को विधानसभा में संसदीय राजभाषा समिति गृह मंत्रालय की प्रथम उप समिति के संयोजक और सांसद डॉ. दिनेश शर्मा एवं समिति के सदस्यों ने मुलाकात की। डॉ. दिनेश शर्मा उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं और 2017 से 2022 तक उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री रहे हैं। डॉ. दिनेश शर्मा के नेतृत्व वाली उपसमिति विभिन्न सरकारी कार्यालयों में हिन्दी कार्य संचालन का निरीक्षण करती हैं।

दो बार होगी दसवीं की परीक्षा

नई दिल्ली, 25 फरवरी। सीबीएसई (सीबीएसई) अब दसवीं कक्षा की परीक्षाएं दो बार करवाएगा। 2025-26 सत्र में दसवीं की बोर्ड परीक्षा दो बार होगी। ये परीक्षाएं पूर्ण पाठ्यक्रम पर ही आधारित होंगी। सीबीएसई ने इसको लेकर 9 मार्च तक लोगों से सुझाव मांगे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बोर्ड परीक्षा में अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए छात्रों को दोबारा मौक़ा दिया जा रहा है। हालांकि

- **सी.बी.एस.ई. ने इस प्रस्ताव पर 9 मार्च तक लोगों के सुझाव मांगे हैं।**

प्रायोगिक परीक्षा या आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा। दोनों परीक्षाओंके लिए एक ही केन्द्र आवंटित किया जाएगा, वहीं परीक्षा शुल्क में वृद्धि की जाएगी। पहली बोर्ड की परीक्षा 2026 में 17 फ़रवरी से 6 मार्च तक होगी। वहीं, दूसरी परीक्षा 5 मई से 20 मई के बीच हो सकती है। सीबीएसई ने 2026 से दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित करने से जुड़े मसौदा नियमों को मंजूरी दी।

'एक साल में 6 मीटिंग नहीं करने पर कितने नगर परिषद अध्यक्षों को सस्पैंड किया गया है?'

-यादवेन्द्रे शर्मा-

- **हाई कोर्ट ने दौसा नगर परिषद अध्यक्ष ममता चौधरी के निलम्बन मामले में राज्य सरकार से शपथ पत्र माँगा।**
- **दौसा में नगर परिषद की अध्यक्ष ममता चौधरी को इसी नियम का उल्लंघन करने के कारण सस्पैंड किया गया था। अदालत जानना चाहती थी कि नगर परिषद की अध्यक्ष के साथ भेदभाव तो नहीं किया जा रहा।**

जयपुर, 25 फरवरी। राजस्थान हाई कोर्ट में नगर परिषद, दौसा की चयनित अध्यक्ष ममता चौधरी को संस्पेंड करने के खिलाफ दायर रिट याचिका पर सुनवाई हुई। इस मामले में याचिकाकर्ता ममता चौधरी की ओर से पैरवी करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी. माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता निखिल सिमलोट और पलक माथुर पेश हुए थे। सुनवाई करते हुए न्यायाधीश महेन्द्र कुमार गोयल ने राज्य सरकार को आदेश दिए कि वह शपथ पत्र सहित जवाब पेश करे कि उसने, एक साल में छह बार सभा आयोजित नहीं करने के लिए ममता चौधरी की तरह कितने म्यूनिसपलिटी या परिषद अध्यक्षों को इस नियम का उल्लंघन करने के लिए सस्पेन्ड किया है।

दरअसल इस मामले में दौसा स्थित नगर परिषद की अध्यक्ष को 7 अक्टूबर, 2024 को निलम्बित करने के आदेश दिये गये थे। निलम्बन के आदेश के साथ दी गई रिपोर्ट में कई कारण अंकित थे, जिनमें से एक कारण यह भी था कि अध्यक्ष ने सालभर में कम से कम छह सभाएं आयोजित करने के नियम का उल्लंघन किया था। राज्य सरकार की ओर से सुनवाई के दौरान इस बिन्दु पर जोर देते हुए बहस की गई थी।

इसके विरोध में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी. माथुर ने कहा कि उनके मुवक्किल के साथ भेद-भाव किया जा रहा है, क्योंकि पूरे प्रदेश में कई परिषद और म्यूनिसपेलेटी होंगी, जहां इस नियम का उल्लंघन किया गया हो, परन्तु, सिर्फ उनके ही मुवक्किल के साथ भेद-भाव करके निलम्बन के आदेश दिए गए, जबकि किसी भी पार्षद या अधिकारी ने न तो सभा बुलाने के पत्र लिखा या आदेश जारी किए थे।

इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने स्वायत्त शासन विभाग को शपथ पत्र सहित यह जानकारी देने को कहा है कि पूर्व में इस नियम के उल्लंघन के लिए कितनी परिषदों के अध्यक्षों को हटाया गया है।

इस मामले की अगली सुनवाई 7 मार्च को होगी।

आतिशी सहित आप के 21 विधायक तीन दिन के लिए निलंबित

नयी दिल्ली, 25 फ़रवरी। दिल्ली विधानसभा में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान हंगामे और नारेबाजी के कारण नेता विपक्ष आतिशी समेत आम आदमी पार्टी (आप) के 21 विधायकों को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया गया।

सक्सेना के अभिभाषण के दौरान

- **उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान नारेबाजी व हंगामा करने के कारण यह कदम उठाया गया है।**

आप विधायकों की ओर से उत्पन्न व्यवधान को लेकर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सदन में एक प्रस्ताव लाकर अमर्यादित कार्य करने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की माँग की, जिसका विधायक अभय वर्मा ने समर्थन करते हुए सभी 21 सदस्यों को तीन दिन के लिए निलंबित करने की माँग की। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने आप के 21 विधायकों के आज समेत तीन कार्य दिवस के लिए निलंबन का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया। उल्लेखनीय है कि आप के 22 विधायकों में से ओखला के विधायक अमानतुल्लाह ख़ान आज सदन में मौजूद नहीं थे।

दिल्ली आबकारी नीति पर सीएजी रिपोर्ट विधानसभा में पेश हुई

- **दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी, जिसमें आबकारी नीति के कारण दो हजार करोड़ रु. के नुकसान की बात की गई है।**
- **रिपोर्ट में कहा गया है कि इस आबकारी नीति के बारे में सिफारिश के लिए गठित विशेषज्ञ समूह के सुझावों को तत्कालीन उप मुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया ने नज़रअंदाज कर दिया था।**

नयी दिल्ली, 25 फरवरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जिसमें दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल की विवादास्पद आबकारी नीति के बारे में विभिन्न अनियमितताओं को रेखांकित करते हुये कठोर टिप्पणियां की गयी हैं। सी.ए.जी. की रिपोर्ट विधानसभा के सत्र के दूसरे दिन सदन के पटल पर रखी गयी, जिसमें कहा गया है कि दोषपूर्ण 2021-22 आबकारी नीति के कारण दिल्ली सरकार को दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ।

"परफार्मेंस आडिट ऑन रेगुलेशन एंड सप्लाई ऑफ लिकर इन दिल्ली" शीर्षक, इस रिपोर्ट को सदन में विपक्ष की नेता आतिशी सहित आम आदमी पार्टी के 12 विधायकों के निलंबन के बाद पटल पर रखा गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में विवादास्पद आबकारी नीति के बारे में सिफारिश के लिये गठित विशेषज्ञ समूह के सुझावों को तत्कालीन उप मुख्यमंत्री एवं आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब के लाइसेंस वापस किये जाने और शराब जोन की निविदा पुन: जारी करने के मामले में आबकारी विभाग की विफलता के कारण विभाग को 890.15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

सी.ए.जी. की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 की पाबंदियों के नाम पर शराब की दुकान के लाइसेंस धारकों को दी गयी दी 144 करोड़ रुपये की छूट नियमानुसार नहीं थी। छूट के इस प्रस्ताव पर वित्त विभाग की आपत्तियों के बावजूद सिसोदिया ने व्यक्तिगत रूप से इसकी मंजूरी दी थी।

विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने पिछली आप सरकार के रवैये की आलोचना करते हुये कहा, यह जानकर आश्चर्य होता है कि 2017-18 के बाद विधानसभा में सी.ए.जी. की रिपोर्ट विधानसभा में पेश ही नहीं की गयी। पिछली सरकार ने सी.ए.जी. की रिपोर्ट पेश नहीं की और इस तरह संविधान का उल्लंघन किया।

इससे पहले उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सदन में अपने अभिभाषण में कहा कि उनकी सरकार ने मंत्रिमंडल की अपनी पहली बैठक में कैग की रिपोर्टों को सदन पटल पर रखने का फैसला किया था, इससे पिछली सरकार की प्रशासनिक कमियों का पता लगाने और उनका समाधान करने का रास्ता बना है।

'अगला महाकुंभ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वांगचुक ने कहा, भारत को ग्लेशियर संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि हमारी पवित्र नदियाँ गंगा और यमुना यहीं से निकलती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पर्यावरण के लिए जो कदम उठाए हैं, उनके वे प्रशंसक हैं, खासकर "मिशन लाइफ" अभियान के। उन्होंने प्रधानमंत्री से हिमालय के ग्लेशियर्स की स्थिति का आकलन करने के लिए आयोग बनाने की मांग की।

वांगचुक ने कहा, हम सभी जानते हैं कि हिमालय के ग्लेशियर पिघल रहे हैं और अगर बर्फ का पिघलना व जंगलों का विनाश जारी रहा तो कुछ ही दशकों में हमारी पवित्र नदियाँ गंगा, ब्रह्मपुत्र, सिंधु आदि मौसमी नदियाँ बन जाएंगी, इसका अर्थ होगा कि अगला कुंभ सूखी नदी की रेत पर होगा। उन्होंने कहा, आम लोगों को इस बारे में बहुत कम जानकारी है। वांगचुक ने कहा, हिमालय के ग्लेशियर के आकलन के लिए आयोग बनाया जाए और गंगोत्री व यमुनोत्री जैसे प्रमुख ग्लेशियर्स को राष्ट्रीय सम्पत्ति घोषित किया जाए। वांगचुक ने प्रधानमंत्री से मिल कर उन्हें लद्दाख के तेजी से पिघलते ग्लेशियर का टुकड़ा देने की इच्छा जताई, ताकि उन्हें क्षेत्र के जलवायु प्रभावित लोगों को संदेश दिया जा सके।

उन्होंने कहा कि इस ग्लेशियर वर्ष में मेरी विश्व के सभी नेताओं को ग्लेशियर का टुकड़ा देने की योजना है। मैंने ऐसा ही टुकड़ा यू.एन. को न्यूयॉर्क मुख्यालय में भेंट किया है।

लैंड फॉर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का निर्देश दिया गया है। भ्रष्टाचार के इस मामले में सीबीआई ने 78 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को समन जारी किया है। यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य मंडल में की गईं समूह 'डी' नियुक्तियों से संबंधित है। अधिकारियों के अनुसार, केन्द्रीय रेल मंत्री के रूप में प्रसाद के कार्यकाल के दौरान 2004 और 2009 के बीच राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों को उपहार के रूप में या उनके नाम पर भूखंड हस्तांतरित करने के बदले ये नियुक्तियां की गईं।

मस्क की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई, जिसमें कर्मचारियों को यह समझ में नहीं आ रहा कि उन्हें क्या करना चाहिए।

अमेरिकी न्याय विभाग, पैंटागॉन (यानी रक्षा विभाग), यू.एस.एफ.बी.आई. होमलैंड सिक्यूरिटी विभाग, राज्य विभाग और अन्य कई विभागों ने अपने कर्मचारियों को यह निर्देश दिया है कि वे ई-मेल का जवाब न दें, नासा ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वे इसका जवाब न दें और इसके बजाय एजेंसी स्वयं जवाब देगी।

सबसे अच्छा जवाब यू.एस. फैडरल एविएशन अथॉरिटी की तरफ से आया। फेडरल एविएशन अथॉरिटी यूनियन ने कहा कि मेल का जवाब, हवाई सुरक्षा के उनके काम से ध्यान भटकाने वाला है।

एफ.ए.ए.ए. विभागों की यूनियनों का लंबे समय से यह आरोप रहा है कि उनके विभागों में कर्मचारियों की कमी है और वे नियमित रूप से ओवरटाइम काम करते हैं।

सरकार सदन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने और सुरक्षा कर्मियों व पुलिस के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की चेतावनी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह झगड़ा स्पीकर और मुख्यमंत्री का है। अपने आपसी अंतर्कलह की सजा भाजपा जनता को दे रही है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा है कि विपक्ष ने गतिरोध दूर करने का हर संभव प्रयास किया है, लेकिन सत्ता पक्ष हठधर्मिता नहीं छोड़ रहा है। हमने पूरे घटनाक्रम पर खेद प्रकट किया। उन्होंने साफ किया कि जब तक गतिरोध खत्म नहीं होता है, हमारा धरना जारी रहेगा। यदि हमारे निलंबित विधायकों सदन में घुसने से रोका गया तो हम विधानसभा के पश्चिमी द्वार पर धरना देंगे।

गौरतलब है कि 21 फरवरी को सदन में प्रश्नकाल के दौरान मंत्री अविनाश गहलोत की ओर से इंदिरा गांधी को लेकर की गई दादी की टिप्पणी के बाद से सदन में गतिरोध बना हुआ है। सदन में हंगामे के चलते कांग्रेस के छह विधायकों को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद कांग्रेस के सभी विधायकों ने सदन में धरना दिया था। उसके बाद से लगातार गतिरोध बरकरार है।

पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को आजीवन कारावास

सज्जन कुमार को 1989 के सिख विरोधी दंगे में शामिल होने का आरोपी पाया गया है

- **आरोप है कि दिल्ली के सरस्वती विहार में, 1984 में जिस भीड़ ने सिख समुदाय के दो लोगों की हत्या कर दी थी उस भीड़ की अगुवाई सज्जन कुमार कर रहे थे।**

नयी दिल्ली, 25 फरवरी। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने 1984 में सिख विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार इलाके में दो व्यक्तियों की हत्या से संबंधित एक मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी। एमपी/एमएलए मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकील की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश सुनाया।

अदालत ने 12 फरवरी को सज्जन कुमार को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दंडनीय अपराधों के लिए दोषी ठहराया था। सजा की अवधि पर दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने फैसला सुनाने के लिए मामले को 25 फरवरी के लिए सूचीबद्ध कर दिया था।

वर्तमान मामला तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके दो सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या के बाद दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में हुए व्यापक सिख विरोधी दंगों के कई उदाहरणों में से एक से संबंधित है। दंगों में, देश के विभिन्न हिस्सों में हजारों सिखों की निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई, उनके घरों और दुकानों को जला दिया गया और उनके सामान लूट लिये गये।

इसी दौरान, दिल्ली के राज नगर निवासी एस. जसवंत सिंह और उनके बेटे एस. तरुणदीप सिंह की हजारों लोगों की एक अनियंत्रित भीड़ ने हत्या कर दी थी। अभियोजन पक्ष का कहना है कि आरोपी सज्जन कुमार भीड़ का नेतृत्व कर रहे थे और उनके उकसावे पर ही भीड़ ने जसवंत सिंह और तरुणदीप सिंह को जिंदा जला दिया, उनके घरेलू सामान और अन्य संपत्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया और लूट लिया, उनके घर को आग के हवाले कर दिया तथा घर में रहने वाले उनके परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों को भी गंभीर चोटें पहुंचायीं।

अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि भीड़ ने शिकायतकर्ता, यानी जसवंत की पत्नी के घर पर हमला किया, उसके पति और बेटे की हत्या कर दी, सामान लूट लिया तथा घर को आग लगा दी। इस मामले में आरोप पत्र शुरू में राउज एवेन्यू जिला अदालत (आरएडीसी) के मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में ई-फॉर्म में दाखिल किया गया था। बाद में पांच मई 2021 को आरोप पत्र भौतिक रूप से प्राप्त हुआ और उसके बाद इसे जांचने तथा पंजीकृत करने का निर्देश दिया गया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) ने 26 जुलाई 2021 के आदेश के तहत कथित अपराधों का संज्ञान लिया। बाद में, एसीएमएम ने 30 जुलाई 2021 के आदेश के अनुसार, अपराध दंड संहिता की धारा 207 के प्रावधानों के अनुपालन के बाद मामले को सत्र न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया, क्योंकि आईपीसी की धारा 302 के तहत दंडनीय अपराध तथा अन्य अपराधों से संबंधित मुकदमों में विशेष रूप से सत्र न्यायालय सुनवाई करता है।

परकोटे में बने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबंध में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि रिहायशी क्षेत्र में अवैध निर्माण होना व व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करना कानूनी प्रावधानों की अवहेलना करना है।

सुनवाई के दौरान, एएजी जीएस गिल ने कहा कि अदालती आदेश की पालना में सर्वे कर भवनों की तीन कैटेगरी बनाई हैं। पहली कैटेगरी में उन भवनों को रखा गया है, जो पूरी तरह अवैध है। इन भवनों की संख्या 19 है। वहीं, शेष दो कैटेगरी में बिल्डिंग बॉयलॉज के खिलाफ जाकर किए गए निर्माणों को शामिल किया गया है। अवैध निर्माण वाली 19 इमारतों पर कार्रवाई की जाएगी। इस पर न्यायमित्र शोभित तिवाड़ी ने कहा कि नगर निगम इन भवनों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई कर चुका है और इन्हें सील कर दिया है।

इस पर खंडपीठ ने उन्हें कहा कि यदि पहले की कार्रवाई में कोई कमी रही है तो दोबारा इन अवैध भवनों को सील कर दिया जाए। इस मामले में हाईकोर्ट ने प्रमुख यूडीएच सचिव की कमेटी बनाकर उसे रिपोर्ट देने के लिए कहा था।

रिपोर्ट में 19 भवनों को पूर्णतया और 12 भवनों को आंशिक तौर पर अवैध माना था। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने हल्दियों के रास्ते के आवासीय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए राज्य सरकार व नगर निगम से रिपोर्ट देने के लिए कहा था।

नीतीश के बेटे निशांत के राजनीति में पदार्पण की अटकलें तेज हुईं

- **निशांत ने आगामी चुनाव में जद (यू) और अपने पिता को विजयी बनाने की अपील की।**
- **हालांकि, निशांत राजनीति में आने की चर्चाओं पर नीतीश कुमार ने अभी कुछ नहीं कहा है।**

पटना, 25 फरवरी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने को लेकर प्रदेश में चर्चाओं का बाजार गर्म है। निशांत ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत की। ज्ञातव्य है कि राजद नेता तेज प्रताप यादव ने निशांत से राजद में शामिल होने की अपील की थी। इस पर निशांत ने कहा कि आइए जनता के बीच में चलते हैं, वही बताएगी कि क्या करना है। इस बयान को निशांत के चुनावी राजनीति में आने का संकेत माना जा रहा है। निशांत ने लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में जदयू को और अधिक सीटों पर जिताने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से नीतीश कुमार को लाड़ला मुख्यमंत्री बताए जाने पर उन्होंने कहा कि गठबंधन में हैं तो बोलेंगे ही। इसके साथ ही उन्होंने एनडीए से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की अपील की।

राजनीति में आने को लेकर चल रहीं चर्चाओं को लेकर पूछे गए सवाल का उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उल्लेखनीय है कि निशांत के राजनीति में आने को लेकर पिछले कई महीनों से चर्चा चल रही है। जदयू कार्यकर्ताओं ने पटना में पार्टी कार्यालय के सामने इसे लेकर पोस्टर भी लगाया था। हालांकि, इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और निशांत ने अब तक मुंह नहीं खोला है।

इस कारण यह सवाल अब भी बना हुआ है कि क्या चुनाव के पहले निशांत राजनीति में आएंगे।

कांग्रेस ला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यवाही से हटाया जाए। साथ ही मंत्री अपने उस शब्द पर सदन में खेद प्रकट करें और जिन कांग्रेस विधायकों का निलंबन किया है, उस निलंबन को रद्द किया जाए। इसके अलावा उनकी और कोई मांग नहीं है।

मुम्बई में हीटवेव अलर्ट

मुंबई, 25 फरवरी। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और आसपास के जिलों में फरवरी महीने के आखिरी में ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 25 और 26 फरवरी को मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी में हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी किया है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक सुषमा नायर ने बताया कि अगले दो दिनों में तापमान 37 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की

- **फरवरी माह में मुम्बई में गर्मी असर दिखाने लगी है, मौसम विभाग ने दो दिन हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।**

संभावना है।

इस दौरान, दोपहर के समय गर्मी का असर ज्यादा रहेगा और लू चलने की आशंका है। हीटवेव की स्थिति तब बनती है, जब तापमान सामान्य से 4 से 5 डिग्री अधिक हो जाता है।

कोंकण क्षेत्र में गर्मी के साथ उमस भी बढ़ेगी, जिससे लोगों को और ज्यादा परेशानी हो सकती है। जबकि रत्नागिरी और अलीबाग जैसे समुद्री इलाकों में भी तापमान बढ़ने की संभावना है।

मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

स्टालिन ने एक और राजनीतिक बम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगभग सभी दक्षिण भारतीय राज्य आते हैं, को दण्डित किया जा सकें, तथा जनसंख्या के मामले में फिसड्डी रहने वाले राज्यों, जो जनसंख्या ग्रोथ को नियंत्रित कर पाये हैं, को पुरस्कृत किया जा सके।

ऐसी आशंका है कि सीटों के लिये जनसंख्या का फॉर्मूला लागू होने के बाद, तमिलनाडु में साठ संसदीय सीटें कम हो सकती हैं तथा उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की सीटें बढ़ सकती हैं। इसका नतीजा यह होगा कि उत्तरी तथा दक्षिण भारतीय क्षेत्रों की राजनैतिक ताकत असन्तुलन पैदा हो जायेगा।

इस समय, दक्षिण भारत कुल मिलाकर 130 सांसद लोकसभा में भेजता है, लेकिन दक्षिण भारत के सभी पाँच राज्यों एवं केन्द्र शासित पुडुचेरी में किसी एक पार्टी का प्रभुत्व नहीं है। राजनैतिक विश्लेषकों को डर है कि हिन्दी भाषी क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली कोई भी पार्टी, दक्षिण भारत के मतदाताओं पर किसी प्रकार की निर्भरता के बिना, केन्द्र में सरकार बना सकती है।

मुख्यमंत्री स्टालिन, इस बिन्दु का नाम लिये बिना, इसी बिन्दु का उठाना चाहते हैं।

यह तयशुदा है कि द्रमुक ईकोसिस्टम इस मुद्दे को, तथा इसके साथ ही, भावनात्मक भाषा के मुद्दे को जोर-शोर से उठायेगा, तथा तमिलनाडु में भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के लिये मुश्किल खड़ी हो जायेगी। प्रसंगवश बता दें कि अगर अन्नाद्रमुक नई शिक्षा नीति तथा परिसीमन का समर्थन करती है, तो उसे अपनी सफाई देना मुश्किल हो जायेगा।

आज सर्वदलीय मीटिंग बुलाने की घोषणा करने की घोषणा करने से पहले, स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु को संसदीय सीटों की संभावित कमी की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि इस राज्य ने परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू किया है।

परिसीमन की कवायद दक्षिणी राज्यों के लिये राजनैतिक रुप से समान रुप से घातक होगी। इस समय, इनमें से 4 राज्यों में गैर-भाजपा पार्टियों का शासन है। परिसीमन का आधार एकमात्र जनसंख्या के आँकड़े होंगे तथा इसलिये परिसीमन के फलस्वरुप सभी दक्षिण भारतीय राज्यों में संसदीय सीटों की संख्या कम हो सकती है।

संसद में अपने राजनैतिक हिस्से पर पड़ने वाले असर को लेकर दक्षिण बहुत चिन्तित बताया जा रहा है क्योंकि उत्तरी भारत के राज्यों की आबादी बहुत ज्यादा होने के कारण, संसद में उत्तर तथा दक्षिण की सीटों का अनुपात बहुत असंगत हो जायेगा।

आंध्र प्रदेश, जहाँ भाजपा के मित्रदल, तेलुगुदेशम का शासन है, ने इस बिन्दु सार्वजनिक रुप से अपनी चिन्ता व्यक्त की है तथा मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने आंध्रवासियों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आव्हान किया है।

हाई कोर्ट ने एनएचएआई से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हटाने की कार्रवाई में राज्य सरकार से प्रशासनिक सहयोग की बात कही। इस पर अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने उचित सहयोग देने का आश्वासन दिया। अदालत के पूछने पर एनएचएआई की ओर से अदालत को बताया गया कि भांकरोटा में बन रही पुलिया का काम 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। इस पर अदालत ने कहा कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा है और कोर्ट अदालती निर्देशों की पालना को लेकर मॉनिटरिंग करना चाहती है। इसके साथ ही, अदालत ने एनएचएआई को 18 मार्च को अतिक्रमण हटाने की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जनहित याचिका में कहा गया कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर बन रहे फ्लाईओवर का समय पर निर्माण पूरा नहीं हुआ है, जिसके चलते यहां जगह-जगह कई घंटों तक वाहन जाम में फंसे रहते हैं। ऐसे में इसका निर्माण समय पर पूरा करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए जाएं।

केरल में युवक ने प्रेमिका और अपने परिवार के 5 लोगों की हत्या की

तिरुवनंतपुरम, 25 फरवरी। केरल में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। दरअसल तिरुवनंतपुरम में एक युवक ने अपनी प्रेमिका समेत परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी। हमले में युवक की मां गंभीर रूप से घायल हुई है। हत्या की वजह का अभी तक पता नहीं चला है। आरोपी युवक ने भी जहर पीकर आत्महत्या की कोशिश की। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि 23 वर्षीय आरोपी युवक अफान ने अपनी दादी, पिता के भाई, पिता के भाई की पत्नी, 14 साल के भाई और अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। आरोपी ने अपनी मां पर भी जानलेवा हमला किया।

'हो सके तो अपने विधायकों को इकट्ठा करके दिखाओ'

- **पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आप के 32 विधायकों के बारे में प्रताप सिंह बाजवा के दावे पर उन्हें चुनौती दी।**

चंडीगढ़, 25 फरवरी। पंजाब में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा पर हमला बोलते हुए राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सत्ताधारी 'आप' विधायकों का समर्थन हासिल करने के सपने देखने के बजाय, कांग्रेस को अपनी पार्टी को एकजुट रखने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। पंजाब विधानसभा में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने विपक्षी नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को महज़ कल्पना और हवाई किला करार दिया, जिसमें कहा गया था कि 'आप' के कुछ विधायक कांग्रेस के संपर्क में हैं और पार्टी छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता न तो अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से जुड़े हैं और न ही जनता से, इसलिए पंजाब की जनता ने उन्हें नकार दिया है। मान ने कहा कि ये नेता लगातार बेतुके बयान दे रहे हैं, लेकिन इन्होंने कभी केन्द्र सरकार के सामने पंजाब के मुद्दे नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि 'आप' विधायकों के संपर्क में होने की बात सिर्फ बाजवा की मीडिया में सुर्खियां बटोरने की चाल है। मान ने कांग्रेस नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि 'आप' विधायकों की चिंता छोड़कर, उन्हें अपनी पार्टी को एकजुट करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुये कहा कि मौजूदा विधानसभा में कांग्रेस के सात विधायक भी एकजुट होकर काम नहीं कर सकते।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600